༄༅།།བོད་ཀྱི་རིང་བསྲུན་དབེ་ཚེགས་ལྟེ་གནས།།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN861	***ImageGroup:***	I3CN874
LCCN:	n/a	***ISBN:***	n/a

Title:	སྤྱི་ལོ་2009ལོར་གློག་རྡུལ་གྱིས་འདྲ་བཤུས་བྱས་པའི་རྣ་དཔེ་བྲིས་མ། (5) spyi lo 2009lor glog rdul gyis 'dra bshus byas pa'i gna' dpe bris ma/ (5)
Author:	n/a
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	12
Total Volumes:	16
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 12/2014

ཀཀ།

ཀཀ།

ཀཀ།

ཀཀ།

ཀཀ།

ཀཀ།

ཀཀ།

ཀཀ།

ཀཱ་རྒྱུ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཅ་ཁ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ། ཀ་ཁ་ཀཱ་ཀ་ཁ་ཀཱ་ཁ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ། ཁ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ།
ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ། ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ། ཁ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ།
ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ།
ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤྱ།

ཀཀཀ ཆུགས་ཤེས་ལེའུ་གསུམ་པ་ནི། ཆུགས་ཤེས་ཀྱི་ངོ་བོ་ཉིད་དང་། དེའི་རྒྱུ་དང་། དེའི་རྣམ་པ་དང་། དེའི་ཡུལ་དང་། དེའི་ཚེ་དང་། དེའི་ཐོགས་པ་དང་། དེའི་ཕྱོགས་ཀྱི་ཆོས་ཏེ། ཆུགས་ཤེས་ཀྱི་ངོ་བོ་ཉིད་ནི།

ଆଦିତ୍ୟ ଚନ୍ଦ୍ରମା ଚୈବ ରାହୁଃ କେତୁଃ ଶନୈଶ୍ଚରଃ ।
ଗୁରୁଃ ଶୁକ୍ରୋ ବୁଧଶ୍ଚୈବ ସର୍ବେ ଗ୍ରହାଃ ପ୍ରକୀର୍ତ୍ତିତାଃ ॥ ୧୦ ॥
ଏତେଷାଂ ଦର୍ଶନାତ୍ ପୁଣ୍ୟଂ ସ୍ପର୍ଶନାତ୍ ପାପନାଶନମ୍ ।
ଏତେଷାଂ ପୂଜନାତ୍ ପୁଣ୍ୟଂ ଦୁଃଖଦାରିଦ୍ର୍ୟନାଶନମ୍ ॥ ୧୧ ॥
ଏତେଷାଂ ଦର୍ଶନାତ୍ ପୁଣ୍ୟଂ ଦୁଃଖଦାରିଦ୍ର୍ୟନାଶନମ୍ ।
ଏତେଷାଂ ପୂଜନାତ୍ ପୁଣ୍ୟଂ ଦୁଃଖଦାରିଦ୍ର୍ୟନାଶନମ୍ ॥ ୧୨ ॥
ଏତେଷାଂ ଦର୍ଶନାତ୍ ପୁଣ୍ୟଂ ଦୁଃଖଦାରିଦ୍ର୍ୟନାଶନମ୍ ।
ଏତେଷାଂ ପୂଜନାତ୍ ପୁଣ୍ୟଂ ଦୁଃଖଦାରିଦ୍ର୍ୟନାଶନମ୍ ॥ ୧୩ ॥
ଏତେଷାଂ ଦର୍ଶନାତ୍ ପୁଣ୍ୟଂ ଦୁଃଖଦାରିଦ୍ର୍ୟନାଶନମ୍ ।
ଏତେଷାଂ ପୂଜନାତ୍ ପୁଣ୍ୟଂ ଦୁଃଖଦାରିଦ୍ର୍ୟନାଶନମ୍ ॥ ୧୪ ॥
ଏତେଷାଂ ଦର୍ଶନାତ୍ ପୁଣ୍ୟଂ ଦୁଃଖଦାରିଦ୍ର୍ୟନାଶନମ୍ ।
ଏତେଷାଂ ପୂଜନାତ୍ ପୁଣ୍ୟଂ ଦୁଃଖଦାରିଦ୍ର୍ୟନାଶନମ୍ ॥ ୧୫ ॥
ଏତେଷାଂ ଦର୍ଶନାତ୍ ପୁଣ୍ୟଂ ଦୁଃଖଦାରିଦ୍ର୍ୟନାଶନମ୍ ।
ଏତେଷାଂ ପୂଜନାତ୍ ପୁଣ୍ୟଂ ଦୁଃଖଦାରିଦ୍ର୍ୟନାଶନମ୍ ॥ ୧୬ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय नमः प्रद्युम्नाय नमः अनिरुद्धाय नमः
नारायणाय नमः वराहाय नमः नृसिंहाय नमः हयग्रीवाय नमः सर्वेश्वराय नमः
सर्वदेवाय नमः सर्वदुरितक्षयकराय नमः गरुडवाहनाय नमः अमोघाय नमः
अजाय नमः अमृताय नमः विश्वक्सेनाय नमः जनार्दनाय नमः हरये नमः
श्रीकृष्णाय नमः ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible]

ಬುದ್ಧಿಪ್ರಕಾಶವಾಗಿರಲು ಮೈಮರೆಯದೆ ಸಾವಧಾನಚಿತ್ತರಾಗಿರಲು ಶ್ರವಣಮನನನಿದಿಧ್ಯಾಸನಗಳಿಂದ
ಆತ್ಮಸಾಕ್ಷಾತ್ಕಾರವಾಗುವುದು ಅದೇ ಜೀವನ್ಮುಕ್ತಿಯೆನಿಸುವುದು ಅಂತಹ ಜೀವನ್ಮುಕ್ತಿಯನ್ನು
ಪಡೆಯಲು ಸಾಧನಚತುಷ್ಟಯಸಂಪತ್ತಿಯು ಅವಶ್ಯಕವಾಗಿದೆ ಅದರಲ್ಲಿ ಮೊದಲನೆಯದಾದ ನಿತ್ಯಾನಿತ್ಯ
ವಸ್ತುವಿವೇಕವೆಂದರೆ ಬ್ರಹ್ಮವೊಂದೇ ನಿತ್ಯವಸ್ತುವು ಉಳಿದೆಲ್ಲವೂ ಅನಿತ್ಯವೆಂಬ ವಿವೇಕವು
ಎರಡನೆಯದಾದ ಇಹಪರಭೋಗವಿರಾಗವೆಂದರೆ ಇಹಲೋಕದ ಭೋಗಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಪರಲೋಕದ
ಭೋಗಗಳಲ್ಲಿಯೂ ವೈರಾಗ್ಯವಿರಬೇಕು ಮೂರನೆಯದಾದ ಶಮದಮಾದಿಷಟ್ಕಸಂಪತ್ತಿಯೆಂದರೆ
ಶಮ ದಮ ಉಪರತಿ ತಿತಿಕ್ಷೆ ಸಮಾಧಾನ ಶ್ರದ್ಧೆಗಳೆಂಬ ಆರು ಸಂಪತ್ತಿಗಳು ನಾಲ್ಕನೆಯದಾದ
ಮುಮುಕ್ಷುತ್ವವೆಂದರೆ ಮುಕ್ತಿಯನ್ನು ಪಡೆಯಲೇಬೇಕೆಂಬ ತೀವ್ರವಾದ ಇಚ್ಛೆಯು ಈ ನಾಲ್ಕು
ಸಾಧನಗಳಿಂದ ಆತ್ಮಸಾಕ್ಷಾತ್ಕಾರವಾಗುವುದು ಅದೇ ಜೀವನ್ಮುಕ್ತಿಯೆನಿಸುವುದು ಅಂತಹ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाभयसंकटे महाविषमविषनिर्घातने
महाबलप्रचण्डडामरे शिखिराजाय हूं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय
भूरिभयभैरवभीषणाय महाभयसंकटे महाविषमविषनिर्घातने महाबलप्रचण्डडामरे शिखिराजाय हूं फट्
स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाभयसंकटे
महाविषमविषनिर्घातने महाबलप्रचण्डडामरे शिखिराजाय हूं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते

ཐུབ་པའི་དགོངས་པ། རབ་འབྱུང་གསུམ་པོ་ཉིད་ཀྱིས། ཐབས་ཤེས་ཡབ་ཡུམ་གྱི་རྣམ་པར། གཞན་དོན་བྱ་བ་ཡི་རྣམ་པར།
བཞེད་པ། བཅུ་གསུམ་པའི་ཚིགས་སུ་བཅད་པའི་དཔེ་ཉིད། དེའི་ཚེ་ཐུབ་པའི་དགོངས་པ། རྣམ་པར་ཤེས་པའི་ཕུང་པོ་ལྔ་
ཡང་བཞེད་པའི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུབ་པའི་དགོངས་པ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཤིན་ཏུ་རྒྱས་པ་ལས་ཀྱང་ཤེས་པར་བྱའོ། དེའི་ཚེ་ཐུབ་
པའི་དགོངས་པ། ཐབས་ཤེས་ཡབ་ཡུམ་གྱི་རྣམ་པར། གཞན་དོན་བྱ་བ་ཡི་རྣམ་པར། བཞེད་པ། ཅེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ནི་
སྐབས་ཀྱི་དོན་བསྡུས་ཏེ་བཤད་པ་ཡིན་ནོ། ཞེས་ཐབས་ཤེས་ཡབ་ཡུམ་གྱི་རྣམ་པར། གཞན་དོན་བྱ་བ་ཡི་རྣམ་པར། བཞེད་པ།
ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ནི་ཐུབ་པའི་དགོངས་པ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཤིན་ཏུ་རྒྱས་པ་ལས་ཀྱང་ཤེས་པར་བྱའོ། ཞེས་བྱ་བ་
ལ་སོགས་པ་ནི་ཐུབ་པའི་དགོངས་པ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཤིན་ཏུ་རྒྱས་པ་ལས་ཀྱང་ཤེས་པར་བྱའོ། ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་
པ་ནི་ཐུབ་པའི་དགོངས་པ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཤིན་ཏུ་རྒྱས་པ་ལས་ཀྱང་ཤེས་པར་བྱའོ། ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ནི་
ཐུབ་པའི་དགོངས་པ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཤིན་ཏུ་རྒྱས་པ་ལས་ཀྱང་ཤེས་པར་བྱའོ། ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ནི་ཐུབ་

ಸಿಂಗಾಣ ಪಟ್ಟಣದ ಶ್ರೀ ಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನ ದೇವರ ಪೂಜಾರಿಗಳಾದ ಶ್ರೀ ಮಲ್ಲಯ್ಯ ಸ್ವಾಮಿಗಳು ಶ್ರೀ ಮಠದ

ಬಾಸಬಾಗಿ ತಿರಿವಳಗಾಜುವಾಗುವಾಗಿಬಿವ ಶ್ರೀವಂಜುಗಿಯ್ವವಾವಬಿವಾವಾವಂಬವಬಾವಿವಾಜುವಾವಗಿಬಾವಬಿವಾವಿ
ಬಿಗಿಶಿವಾವಿಬಿಗಾಬಬವಿಬಿಗಾಡಿಬವಾಜುಬವ ಗಂಬಿರಗಾಬವಾಡಿಬವಾವಂಬಿಗಾಬಿಗಿಬಿಗಾಬಿಗಿಬಿಗಾಬಿಗಿ

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसरे महाविद्याराज्ञि सर्वभूतसंघट्टनि सर्वदुष्टप्रदुष्टेभ्यः सर्वभयेभ्यः सर्वग्रहेभ्यः सर्वविद्याछेदनि सर्वदुःखप्रशमनि सर्वदुष्टदुःस्वप्ननाशनि सर्वसत्त्वानुकम्पनि सर्वभयविनाशनि सर्वव्याधिविनाशनि सर्वदुष्टनिवारणि सर्वदुष्टविद्याछेदनि सर्वदुष्टविद्याविनाशनि सर्वदुष्टविद्याविनाशनि सर्वदुष्टविद्याविनाश

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसराय महाविद्याराजाय महासाहस्रप्रमर्दनाय
महाप्रतिहतशासनाय महाकारुणिकाय उष्णीषश्वेतवज्रिणे महाबलाय वज्रपाणये वज्रहस्ताय
वज्रतुण्डाय वज्रजिह्वाय वज्रदंष्ट्राय वज्रनखाय वज्रनेत्राय वज्रभृकुटीविकटमुखाय
वज्रज्वालामालिने वज्रानलप्रदीप्ताय वज्रशरीरसंहननाय वज्रमेखलाकटिसूत्रनिवासिने
वज्रशृङ्खलाबद्धैकजटामुकुटशेखराय वज्रतीक्ष्णदंष्ट्राकरालविडम्बितमुखाय
प्रत्यालीढपादविष्टम्भितभूमितलाय वज्रकुलिशोद्यतसव्यभुजाय वज्रपाशापसव्यभुजाय
महाबलवज्रकायाय महारौद्रभयानकाय सर्वभयविदारणाय सर्वदुष्टप्रदोषनिवारणाय
सर्वग्रहनिग्रहकराय सर्वविघ्नविनायकोत्सादनकराय सर्वविघ्नान्तकृते सर्वविघ्नविनाशनाय
सर्वदुष्टान्तकराय यमान्तकाय प्रतिसरायै विद्याराजाय नमस्कृत्वा इमं महाप्रतिसरामहाविद्याराजं
वक्ष्ये ॥

ཐོབ་ཚེ་ཐབས་ཀྱི་ཀ་བ་ ཐུབ་པ་ཆོས་ཀྱི་སྐུ་མཐའ་ཡས་པ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། དཔྱད་པ་ལྟ་བུའོ། ཐུབ་པའི་ཆོས་ཀྱི་སྐུ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་
ཕྱིར་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡང་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡང་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་
ཉིད་ཀྱང་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱང་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱང་
ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱང་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱང་ཐུགས་རྗེ་
ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱང་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱང་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་
ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱང་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱང་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུགས་
རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱང་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱང་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་
ཉིད་ཀྱང་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱང་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱང་

ཐུབ་པའི་བསྟན་པ་ཉམས་པའི་ཚེ་ན། །ཆོས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཤིན་ཏུ་རྒྱས་པ་ཡིས། །ཐུབ་པའི་བསྟན་པ་ཉམས་པ་ཡི། །
ཚེ་ན་ཡང་ནི་ཐུབ་པ་ཡི། །བསྟན་པ་ཉམས་པ་ཡི་ཚེ་ན། །ཆོས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཤིན་ཏུ་རྒྱས་པ་ཡིས། །
ཐུབ་པའི་བསྟན་པ་ཉམས་པ་ཡི། །ཚེ་ན་ཡང་ནི་ཐུབ་པ་ཡི། །བསྟན་པ་ཉམས་པ་ཡི་ཚེ་ན། །ཆོས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཤིན་ཏུ་རྒྱས་པ་ཡིས། །
ཐུབ་པའི་བསྟན་པ་ཉམས་པ་ཡི། །ཚེ་ན་ཡང་ནི་ཐུབ་པ་ཡི། །བསྟན་པ་ཉམས་པ་ཡི་ཚེ་ན། །ཆོས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཤིན་ཏུ་རྒྱས་པ་ཡིས། །
ཐུབ་པའི་བསྟན་པ་ཉམས་པ་ཡི། །ཚེ་ན་ཡང་ནི་ཐུབ་པ་ཡི། །བསྟན་པ་ཉམས་པ་ཡི་ཚེ་ན། །ཆོས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཤིན་ཏུ་རྒྱས་པ་ཡིས། །

ཀཀཀ ཀཀཀ

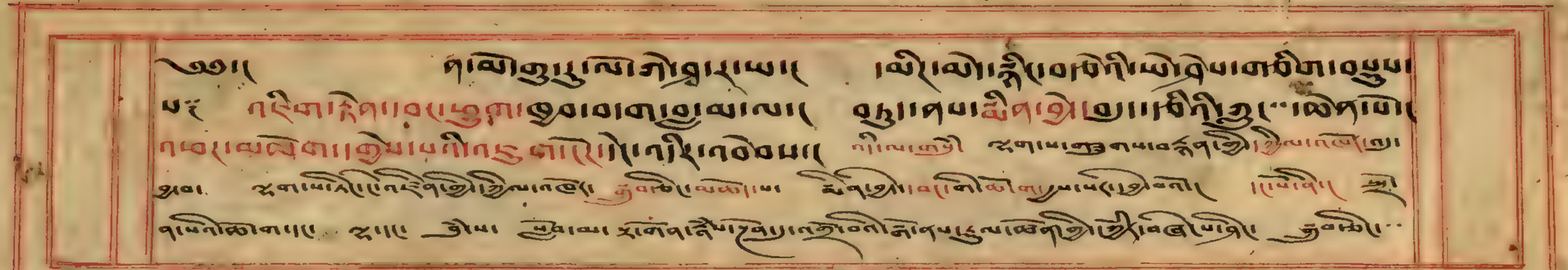

ॐ ह्रीं अमृतोद्भवाय नमः ॐ ह्रीं अमृतवपुषे नमः ॐ ह्रीं धन्वन्तरये नमः ॐ ह्रीं
सर्वामयविनाशनाय नमः ॐ ह्रीं विष्णवे नमः ॐ ह्रीं सर्वकर्मविनाशनाय नमः ॐ ह्रीं
अरिष्टविनाशनाय नमः ॐ ह्रीं शङ्खभृते नमः ॐ ह्रीं जलशायिने नमः ॐ ह्रीं
अब्जपाणये नमः ॐ ह्रीं अजिताय नमः ॐ ह्रीं पीतवाससे नमः ॐ ह्रीं
श्रीवत्सवक्षसे नमः ॐ ह्रीं श्रीपतये नमः ॐ ह्रीं पुरुषोत्तमाय नमः ॐ ह्रीं
अनन्ताय नमः ॐ ह्रीं विश्वक्सेनाय नमः ॐ ह्रीं जनार्दनाय नमः ॐ ह्रीं
हरये नमः ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॐ ह्रीं सत्यवते नमः ॐ ह्रीं सात्वतां पतये नमः
ॐ ह्रीं शौरये नमः ॐ ह्रीं शूराय नमः ॐ ह्रीं जनेश्वराय नमः ॐ ह्रीं
अनन्तात्मने नमः ॐ ह्रीं महते नमः ॐ ह्रीं अनन्तरूपाय नमः ॐ ह्रीं
शिखण्डिने नमः ॐ ह्रीं नन्दिने नमः ॐ ह्रीं नन्दिकेश्वराय नमः ॐ ह्रीं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय नमो नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय नमो नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय नमो नमः

ཀོཏཱཡཱཿ། ཨཱཡཱཏཱིཿ ཨཱཡཱཏཱིཿ ཨཱཡཱཏཱིརཱཏཱཡཱཏཱིཀོཏཿ ཨཱཡཱཏཱཡཱཏཱིཿ ཨཱཡ

ઇ૪૨૫૫૫

ཚེ་པ་ཐོར་ལ་པཏྲ་ཀཱ་ཤ་ཀ་རེ་པ་ལ་པ་ཅ་ཏུ་ཀཱ་ཤ་ཀ་རེ་པ་ཐོ་ཐ

ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་ཡོངས་སུ་སྨིན་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ནས་

ཨཱཿ — ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་བཛྲ་གུ་རུ་པདྨ་སིདྡྷི་ཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་བཛྲ་གུ་རུ་པདྨ་སིདྡྷི་ཧཱུྃ།
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་བཛྲ་གུ་རུ་པདྨ་སིདྡྷི་ཧཱུྃ། ཞེས་ཟློས་ཤིང་ཐུགས་ཀར་ཟླ་བ་ཡི་གེ་ཨཱཿཡིག་ཏུ་བསྒོམ་ཞིང་
ཐུགས་ཀ་ནས་ཨཱཿཡི་འོད་ཟེར་ཕྱིར་ཕྱོགས་བཅུར་ཁྱབ་པ་ལས་ཕྱོགས་བཅུ་ན་གནས་པའི་
རྒྱལ་བ་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ནས། ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་བར། ཚོགས་
ཀྱི་མཆོག་ཏུ་གྱུར་པ་རྣམས་ཀྱི་ཐུགས་ཀ་ནས་ཨཱཿཡི་འོད་ཟེར་ཕྱིར་ཕྱོགས་བཅུར་ཁྱབ་པ་ལས་ཕྱོགས་བཅུ་ན་
གནས་པའི་རྒྱལ་བ་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ནས། ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་བར། ཚོགས་
ཀྱི་མཆོག་ཏུ་གྱུར་པ་རྣམས་ཀྱི་ཐུགས་ཀ་ནས་ཨཱཿཡི་འོད་ཟེར་ཕྱིར་ཕྱོགས་བཅུར་ཁྱབ་པ་ལས་ཕྱོགས་བཅུ་ན་

ઉપાધ્યાયની હેઠળ રહેવું જોઈએ. ૧૭ તેમણે વેદ ભણવા માટે ગુરુની પાસે જવું જોઈએ. ૧૮ તેમણે ગુરુની સેવા કરવી જોઈએ. ૧૯ તેમણે ગુરુની આજ્ઞા પાળવી જોઈએ. ૨૦ તેમણે ગુરુની સાથે નમ્રતાથી વર્તવું જોઈએ. ૨૧ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૨૨ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૨૩ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૨૪ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૨૫ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૨૬ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૨૭ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૨૮ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૨૯ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૩૦ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૩૧ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૩૨ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૩૩ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૩૪ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૩૫ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૩૬ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૩૭ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૩૮ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૩૯ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૪૦ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૪૧ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૪૨ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૪૩ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૪૪ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૪૫ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૪૬ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૪૭ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૪૮ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૪૯ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૫૦ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૫૧ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૫૨ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૫૩ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૫૪ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૫૫ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૫૬ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૫૭ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૫૮ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૫૯ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૬૦ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૬૧ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૬૨ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૬૩ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૬૪ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૬૫ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૬૬ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૬૭ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૬૮ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૬૯ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૭૦ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૭૧ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૭૨ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૭૩ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૭૪ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૭૫ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૭૬ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૭૭ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૭૮ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૭૯ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૮૦ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૮૧ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૮૨ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૮૩ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૮૪ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૮૫ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૮૬ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૮૭ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૮૮ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૮૯ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૯૦ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૯૧ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૯૨ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૯૩ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૯૪ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૯૫ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૯૬ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૯૭ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૯૮ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૯૯ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૧૦૦ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૧૦૧ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૧૦૨ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૧૦૩ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૧૦૪ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૧૦૫ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૧૦૬ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૧૦૭ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૧૦૮ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૧૦૯ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૧૧૦ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૧૧૧ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૧૧૨ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૧૧૩ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૧૧૪ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૧૧૫ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૧૧૬ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૧૧૭ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૧૧૮ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૧૧૯ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૧૨૦ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૧૨૧ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૧૨૨ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૧૨૩ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૧૨૪ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૧૨૫ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૧૨૬ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૧૨૭ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૧૨૮ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૧૨૯ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૧૩૦ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૧૩૧ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૧૩૨ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૧૩૩ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૧૩૪ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૧૩૫ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૧૩૬ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૧૩૭ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૧૩૮ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૧૩૯ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૧૪૦ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૧૪૧ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૧૪૨ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૧૪૩ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૧૪૪ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૧૪૫ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૧૪૬ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૧૪૭ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૧૪૮ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૧૪૯ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૧૫૦ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૧૫૧ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૧૫૨ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૧૫૩ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૧૫૪ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૧૫૫ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૧૫૬ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૧૫૭ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૧૫૮ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૧૫૯ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૧૬૦ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૧૬૧ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૧૬૨ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૧૬૩ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૧૬૪ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૧૬૫ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૧૬૬ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૧૬૭ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૧૬૮ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૧૬૯ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૧૭૦ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૧૭૧ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૧૭૨ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૧૭૩ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૧૭૪ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૧૭૫ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૧૭૬ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૧૭૭ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૧૭૮ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૧૭૯ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૧૮૦ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૧૮૧ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૧૮૨ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૧૮૩ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૧૮૪ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૧૮૫ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૧૮૬ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૧૮૭ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૧૮૮ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૧૮૯ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૧૯૦ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૧૯૧ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૧૯૨ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૧૯૩ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૧૯૪ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૧૯૫ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૧૯૬ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૧૯૭ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૧૯૮ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૧૯૯ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૨૦૦ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૨૦૧ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૨૦૨ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૨૦૩ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૨૦૪ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૨૦૫ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૨૦૬ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૨૦૭ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૨૦૮ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૨૦૯ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૨૧૦ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૨૧૧ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૨૧૨ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૨૧૩ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૨૧૪ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૨૧૫ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૨૧૬ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૨૧૭ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૨૧૮ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૨૧૯ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૨૨૦ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૨૨૧ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૨૨૨ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૨૨૩ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૨૨૪ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૨૨૫ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૨૨૬ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૨૨૭ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૨૨૮ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૨૨૯ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૨૩૦ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૨૩૧ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૨૩૨ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૨૩૩ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૨૩૪ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૨૩૫ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૨૩૬ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૨૩૭ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૨૩૮ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૨૩૯ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૨૪૦ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૨૪૧ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૨૪૨ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૨૪૩ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૨૪૪ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૨૪૫ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૨૪૬ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૨૪૭ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૨૪૮ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૨૪૯ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૨૫૦ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૨૫૧ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૨૫૨ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૨૫૩ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૨૫૪ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૨૫૫ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૨૫૬ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૨૫૭ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૨૫૮ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૨૫૯ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૨૬૦ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૨૬૧ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૨૬૨ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૨૬૩ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૨૬૪ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૨૬૫ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૨૬૬ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૨૬૭ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૨૬૮ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૨૬૯ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૨૭૦ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૨૭૧ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૨૭૨ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૨૭૩ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૨૭૪ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૨૭૫ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૨૭૬ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૨૭૭ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૨૭૮ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૨૭૯ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૨૮૦ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૨૮૧ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૨૮૨ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૨૮૩ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૨૮૪ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૨૮૫ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૨૮૬ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૨૮૭ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૨૮૮ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૨૮૯ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૨૯૦ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૨૯૧ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૨૯૨ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૨૯૩ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૨૯૪ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૨૯૫ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૨૯૬ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૨૯૭ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૨૯૮ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૨૯૯ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૩૦૦ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૩૦૧ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૩૦૨ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૩૦૩ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૩૦૪ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૩૦૫ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૩૦૬ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૩૦૭ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૩૦૮ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૩૦૯ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૩૧૦ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૩૧૧ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૩૧૨ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૩૧૩ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૩૧૪ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૩૧૫ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૩૧૬ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૩૧૭ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૩૧૮ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૩૧૯ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૩૨૦ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૩૨૧ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૩૨૨ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૩૨૩ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૩૨૪ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૩૨૫ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૩૨૬ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૩૨૭ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૩૨૮ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૩૨૯ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૩૩૦ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૩૩૧ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૩૩૨ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૩૩૩ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૩૩૪ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૩૩૫ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૩૩૬ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૩૩૭ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૩૩૮ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૩૩૯ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૩૪૦ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૩૪૧ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૩૪૨ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૩૪૩ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૩૪૪ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૩૪૫ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૩૪૬ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૩૪૭ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૩૪૮ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૩૪૯ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૩૫૦ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૩૫૧ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૩૫૨ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૩૫૩ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૩૫૪ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૩૫૫ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૩૫૬ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૩૫૭ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૩૫૮ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૩૫૯ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૩૬૦ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૩૬૧ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૩૬૨ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૩૬૩ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૩૬૪ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૩૬૫ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૩૬૬ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૩૬૭ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૩૬૮ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૩૬૯ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૩૭૦ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૩૭૧ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૩૭૨ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૩૭૩ તેમણે ગુરુની સાથે આદરથી વર્તવું જોઈએ. ૩૭૪ તેમણે ગુરુની સાથે ભક્તિથી વર્તવું જોઈએ. ૩૭૫ તેમણે ગુરુની સાથે સમર્પણથી વર્તવું જોઈએ. ૩૭૬ તેમણે ગુરુની સાથે આજ્ઞાપાલનથી વર્તવું જોઈએ. ૩૭૭ તેમણે ગુરુની સાથે સેવાથી વર્તવું જોઈએ. ૩૭૮ તેમણે ગુરુની સાથે પ્રેમથી વર્તવું જોઈએ. ૩૭૯ તેમણે ગુરુની સાથે વિશ્વાસથી વર્તવું જોઈએ. ૩૮૦ તેમણે ગુરુની સાથ

ఎంగా ఇట్లాంగరాంతిగా ఎట్లాగుంగాంతిగారిగాంగిగాంలిగాంతిగాంగా ఇంగాంగాంతిగాంగిగాంగాంగాంగాంగాంగా
గాంగాంతిగా లిగాంజగారిగాంగిగాంగిగాంలిగాంతిగాంగా ఎంగాంగాంగాంగాంగాంగాంగాంగాంగాంగాంగాంగాంగాంగాంగా గాంగాంగాంగాంగిగారిగాంగిగా
గాంగిగాంలిగాంతిగాంగా ఇంగాంగాంగాంగాంగాంగాంగాంగాంగాంగాంగాంగాంగాంగా

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः

ॐ॥ नमस्तारायै॥ सुधासमुद्रमध्यगतरत्नद्वीपे॥ श्मशानमध्ये॥ नवयौवनोन्मत्तरतिसुखसमुत्सुकायै॥ चतुर्भुजायै॥ एकमुखायै॥ त्रिनेत्रायै॥ सर्वाभरणभूषितायै॥ सर्वावयवसुन्दरायै॥ व्याघ्रचर्मपरिधानायै॥ कण्ठावसक्तनरमुण्डमालायै॥ घोरदंष्ट्रायै॥ करालवदनायै॥ पिङ्गोग्रैकजटामुकुटभूषितायै॥ महाकालहृदयोपरिसंस्थितायै॥ ललज्जिह्वाग्रकोटरभीषणायै॥ सर्वशत्रुसंहारिण्यै॥ सर्वजनवशंकर्यै॥ सर्वमोहिन्यै॥ सर्वस्तम्भिन्यै॥ सर्वविद्वेषिण्यै॥ सर्वोच्चाटनकर्यै॥ सर्वकर्मफलप्रदायै॥ सर्वसौभाग्यदायिन्यै॥ सर्वसम्पत्प्रदायै॥ सर्वापत्तारिण्यै॥ सर्वदुःखविनाशिन्यै॥ सर्वरोगप्रशमन्यै॥ सर्वपापहरायै॥ सर्वकामफलप्रदायै॥ सर्वतीर्थमयायै॥ सर्वदेवस्वरूपिण्यै॥ सर्वाधारायै॥ सर्वपोषिकायै॥ सर्वान्तर्यामिण्यै॥ सर्वशक्तिस्वरूपिण्यै॥ सर्वज्ञानमय्यै॥ सर्वैश्वर्यप्रदायिन्यै॥ सर्वज्ञायै॥ सर्वशक्तिमय्यै॥ सर्वव्याधिविनाशिन्यै॥ सर्वदेवस्तुतायै॥ सर्वपुरुषार्थसाधिन्यै॥ सर्वपापक्षयकर्यै॥ सर्वमृत्युप्रशमन्यै॥ सर्वयन्त्रात्मिकायै॥ सर्वतन्त्ररूपायै॥ सर्वपल्लवभेदिन्यै॥ सर्वमहाशून्यसाक्षिण्यै॥ सर्वमन्त्रबीजायै॥ सर्वहृदयायै॥ सर्वकुलायै॥ सर्वकीलकायै॥ सर्वपीठनिलयायै॥ सर्वोड्डीयानपीठनिवासिन्यै॥ सर्वशम्बरायै॥ सर्वदंष्ट्रायै॥ सर्वाकर्षिण्यै॥ सर्ववशंकर्यै॥ सर्वोन्मादिन्यै॥ सर्वमहांकुशायै॥ सर्वखेचर्यै॥ सर्वबीजायै॥ सर्वयोन्यै॥ सर्वत्रिखण्डायै॥ सर्वरुद्रशक्तिसंहारिण्यै॥ सर्वब्रह्मविष्णुरुद्रशक्तिसंहारिण्यै॥ सर्वदेवासुरमनुष्यप्रजापतिमुनीन्द्रसंहारिण्यै॥ सर्वभूतप्रेतपिशाचयक्षराक्षसडाकिनीशाकिनीसंहारिण्यै॥ सर्वग्रहनक्षत्रराशिसंहारिण्यै॥ सर्वरोगमृत्युदारिद्र्यसंहारिण्यै॥ सर्वविघ्नसंहारिण्यै॥ सर्वपापसंहारिण्यै॥ सर्वदुष्टमृगसंहारिण्यै॥ सर्वदुष्टसंहारिण्यै॥ सर्वदुष्टनिवारिण्यै॥ सर्वदुष्टस्तम्भिन्यै॥ सर्वदुष्टविद्राविण्यै॥ सर्वदुष्टविद्वेषिण्यै॥ सर्वदुष्टोच्चाटनकर्यै॥ सर्वदुष्टवशंकर्यै॥ सर्वदुष्टमोहिन्यै॥ सर्वदुष्टविमर्दिन्यै॥ सर्वदुष्टमारिण्यै॥ सर्वदुष्टभञ्जिन्यै॥ सर्वदुष्टमोक्षकर्यै॥ सर्वदुष्टशोषिण्यै॥ सर्वदुष्टविषहरायै॥ सर्वदुष्टविषनाशिन्यै॥ सर्वदुष्टविषप्रशमन्यै॥ सर्वदुष्टविषभञ्जिन्यै॥ सर्वदुष्टविषस्तम्भिन्यै॥ सर्वदुष्टविषविद्राविण्यै॥ सर्वदुष्टविषविद्वेषिण्यै॥ सर्वदुष्टविषोच्चाटनकर्यै॥ सर्वदुष्टविषवशंकर्यै॥ सर्वदुष्टविषमोहिन्यै॥ सर्वदुष्टविषविमर्दिन्यै॥ सर्वदुष्टविषमारिण्यै॥ सर्वदुष्टविषभञ्जिन्यै॥ सर्वदुष्टविषमोक्षकर्यै॥ सर्वदुष्टविष

ાિબાતલીબેબાાવવાબનીાતપુાતબબાવાતાવાબાતીીહેપત્રિબાબહ્યા। કઃ કૈોાતહૈતાબાતોબુાબાતબબા
કોબેબતીાસ્કાબેરાકૌા। કુરાંકીકૈતાકુબબાકૈબા। ડબાતીરાવાતાબાવાવહુબા। ાબાબાબેબાવવા
બનીબુાપુા કોારાવકૈબાલુબાતબાાકૈબુાકા પ્રબબેાવપ્રા। તીાતબાપુાબાલુરાપુાબૈબા બેકોકૈતબાપુા
બાબેબાબબાાવીબાબાતીાવલૈબાપુાબહ્યા। પ્રરાકૈબાતબરાકૈતબેાવકૈોબાબોકૈાતીબાપુરાબાાતબબા
તોવબાકૈાજુબપુાઝાાકૈતાતકૈબાબાવકૈોાતહૈતાપુકુંાતકૈકુરાકુરાબાતકૈ કૈતાતબાબરૈાબાકૈાવાવરાવાક્પ્રરા
ાજરાવા બેરાપુાજુાત્રેબાક્પ્રરાપુાાવા લૈાલૈાતહૈબાબાબાલેપુબાબા પ્રુબાતબકૈબાતકોબાબાકુતાબરાતકૈા

ଦାସୀ ଦାସୀ ଦାସୀ

ગઈ ત્યારે તેમણે તેને પૂછ્યું કે તું કોણ છે? ત્યારે તેણે કહ્યું કે હું તો
તમારી દાસી છું. ત્યારે તેમણે કહ્યું કે તું અમારી દાસી નથી. તું તો
અમારી સ્ત્રી છે. તું અમારી પાસે આવ. ત્યારે તે ગભરાઈ ગઈ. તે
ત્યાંથી ભાગી ગઈ. તે પોતાના ઘરમાં ગઈ. તે ઘરમાં જઈને ઊભી રહી.
ત્યારે તેમણે તેને ફરીથી કહ્યું કે તું અમારી પાસે આવ. ત્યારે તે
ગભરાઈ ગઈ. તે ત્યાંથી ભાગી ગઈ. તે પોતાના ઘરમાં ગઈ. તે ઘરમાં
જઈને ઊભી રહી. ત્યારે તેમણે તેને ફરીથી કહ્યું કે તું અમારી પાસે
આવ. ત્યારે તે ગભરાઈ ગઈ. તે ત્યાંથી ભાગી ગઈ. તે પોતાના ઘરમાં
ગઈ. તે ઘરમાં જઈને ઊભી રહી. ત્યારે તેમણે તેને ફરીથી કહ્યું કે
તું અમારી પાસે આવ. ત્યારે તે ગભરાઈ ગઈ. તે ત્યાંથી ભાગી ગઈ.

ཡ་བཅོམ་པ། དཔའ་བོ་ཁྱོད་ཀྱིས་ཇི་ལྟར་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཐམས་ཅད

ઙ્ગરાગેરાઙ્ગાગાગાવઙ્ગીગીાગેવાઙ્ગીવાગાઙ્ગીરેગાઙ્ગુઙ્ગાનઙ્ગેગાઙ્ગુઙ્ગાગેરાગ ઙ્ગુવાઙ્ગુાગા।
ઙ્ગરાગાવાગેરાઙ્ગેગાગેવાઙ્ગીવાગાઙ્ગીાઙ્ગાવઙ્ગવાનઙ્ગેગાવાઙ્ગુગાગેરા ઙ્ગુાઙ્ગાઙ્ગુગાગાગાવાઙ્ગુાઙ્ગુવાગેવાઙ્ગીવાઙ્ગી
વાગાઙ્ગીાગેગાઙ્ગુવાનઙ્ગેગાઙ્ગુઁગાઙ્ગુાગુ। ગેઙ્ગાગાવીલીાનઙ્ગુેવાઙ્ગુનગ્યવાવળગાઙ્ગુેગા।।ાનગ્યગાગાઙ્ગુરાવઙ્ગેગા
વાાારાાારેગાવાગેવાવ્યુગાવીા વઙ્ગેવાગીઙ્ગુવાઙ્ગીવાવલેવાવા ગેાવલેરાગેાવેાવલેવાનઙ્ગેવાવ્યુવાવવા
ગેવાવલેગેાવાગાઙ્ગીાગેવાવલેાઙ્ગે પ્રરાગેરાઙ્ગરાઙ્ગુાવાાગરાવેા ઙ્ગુાગેરાલ્ગરાવાવાગેરાવેા ઙ્ગુવાગેરાઙ્ગુરા
ઙ્ગુગાવાાવરાવેા ઙ્ગુાગેરાઙ્ગીગાઙ્ગુાવાઙ્ગુાગુ। વલેીગાનગ્યગાગેગાઙ્ગુાવઙ્ગુવાા। લવવાારાઙ્ગુવવા ।।।।

ઓ॥ શ્રીગણેશાયનમઃ॥ અથશ્રી ભોજપ્રબંધનો પ્રારંભ લખ્યતે॥ ધારાનગરીમાંવસતાંથકાં શ્રીમાલવાદેશીમાંથી
ગંગાનદીનુંપાણીપીવાનીઇચ્છાથઇતેણેપુરુષોમોકલ્યાતેપુરુષોગંગાનદીએગયાતેમાંથી
એકપુરુષગંગાનદીનુંપાણીકલશમાંલઇનેઆવ્યોતેણેભોજરાજાનેપાણીપાયું॥ ભોજરાજાએ
પૂછ્યુંકેહેપુરુષતેંગંગાનદીનુંપાણીકેમલાવ્યું॥ ત્યારેપુરુષેકહ્યુંકેહેમહારાજગંગાનદીએ
ગયાતેમાંથીપાણીલાવ્યોછું॥ ભોજરાજાએકહ્યુંકેતેંગંગાનદીનેકાંઠેજઇનેપાણીકેમલાવ્યું॥
પુરુષેકહ્યુંકેહેમહારાજગંગાનદીનેકાંઠેજઇનેપાણીલાવ્યોછું॥ ભોજરાજાએકહ્યુંકેતેંગંગાનદીનેકાંઠે
જઇનેપાણીકેમલાવ્યું॥ પુરુષેકહ્યુંકેહેમહારાજગંગાનદીનેકાંઠેજઇનેપાણીલાવ્યોછું॥ ભોજરાજાએ

ཐུབ་པའི་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ལས་བྱུང་བའི་ཕྱིར་རོ། །ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ལས་ཀྱང་།
ཐེག་པ་ཆེན་པོ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཐབས་མཁས་པ་ཆེན་པོ་ལས་བྱུང་བའི་ཕྱིར་རོ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་
ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ལས་སྙིང་རྗེ་ཆེན་པོ་ལས་བྱུང་བའི་ཕྱིར་རོ། ཇི་ལྟར་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་
ལས་སྙིང་རྗེ་ཆེན་པོ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ལས་བྱུང་བའི་ཕྱིར་རོ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ལས་
ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ལས་བྱུང་བའི་ཕྱིར་རོ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ལས་
བྱུང་བའི་ཕྱིར་རོ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ལས་བྱུང་བའི་ཕྱིར་རོ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་

ཀོ་ཤི་ཀ། དཔའ་བོ་གཉིས་ཀྱིས་ཀྱང་དེ་ལྟར་བྱས་ཏེ། ཕི་ནང་གི་ཁྱིམ་གྱི་སྒོ་ཁ་ཕྱེ་ནས་ཕྱིར་ཐོན་ཏེ་ཁྱིམ་ཆུང་ཆུང་ཞིག་ཏུ་ཞུགས་ཏེ་ཐོག་ཏུ་ཡང

ལས་རྣམས་ལས་པ་རིག་གཏུམ་ཁ་དོག་ཅན་གྱི་ཁ་ནས་ཤིན་ཏུ་ཆགས་པ་ལས་ཐལ་ཏེ་རྣམ་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཚུལ་
ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཉམས་ཏེ་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །དེ་ནས་ཁྱོད་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་
ཕུང་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཉམས་ཏེ་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཁྱོད་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་
ཉམས་ཏེ་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཁྱོད་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཉམས་ཏེ་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་
ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཁྱོད་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཉམས་ཏེ་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཁྱོད་
ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཉམས་ཏེ་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཁྱོད་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་
ཕུང་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཉམས་ཏེ་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཁྱོད་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་
ཉམས་ཏེ་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཁྱོད་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཉམས་ཏེ་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་
པོ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཁྱོད་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཉམས་ཏེ་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཐ་མ་ཡན་ཆད་ཀྱི་ཕྱོགས་ཀྱི་ཟླ་བ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཚོགས་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་སྡེ་

ཀྱི་གཞན་ལ་ཕན་པའི་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱིས་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྡུལ་ཕྲ་རབ་ཀྱི་གྲངས་ཙམ་དུ་སྐུ་གསུང་ཐུགས་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡི་ངང་ལས

ཨཱཀཱཤཱཏ་ཏྭཱཡུཥྨཱ་ཀཾ་ཤཱཀྱཱ

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाभैषज्यगुरुवैडूर्यप्रभराजाय तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ भैषज्ये भैषज्ये भैषज्यसमुद्गते स्वाहा ॥ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाभैषज्यगुरुवैडूर्यप्रभराजाय तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ भैषज्ये भैषज्ये भैषज्यसमुद्गते स्वाहा ॥ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाभैषज्यगुरुवैडूर्यप्रभराजाय तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ भैषज्ये भैषज्ये भैषज्यसमुद्गते स्वाहा ॥

ಸಂಗತಿಯಾಗಿ ನಿಲ್ಲುವಂತೆ ಮಾಡುವ ಸಾಧನವೇ ಸಂಗೀತ ಕಲೆಯಾಗಿದೆ. ಸಂಗೀತ ಕಲೆಯಲ್ಲಿ ಮುಖ್ಯವಾಗಿ ಎರಡು ವಿಧಗಳಿವೆ. ಅವುಗಳೆಂದರೆ ಹಿಂದೂಸ್ತಾನಿ ಸಂಗೀತ ಮತ್ತು ಕರ್ನಾಟಕ ಸಂಗೀತ. ಹಿಂದೂಸ್ತಾನಿ ಸಂಗೀತವು ಉತ್ತರ ಭಾರತದಲ್ಲಿ ಪ್ರಚಲಿತವಿದೆ. ಕರ್ನಾಟಕ ಸಂಗೀತವು ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತದಲ್ಲಿ ಪ್ರಚಲಿತವಿದೆ. ಹಿಂದೂಸ್ತಾನಿ ಸಂಗೀತವು ಪರ್ಷಿಯನ್ ಸಂಗೀತದಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾಗಿದೆ. ಕರ್ನಾಟಕ ಸಂಗೀತವು ಸಂಸ್ಕೃತ ಸಂಗೀತದಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾಗಿದೆ. ಹಿಂದೂಸ್ತಾನಿ ಸಂಗೀತವು ಮೊಘಲರ ಆಸ್ಥಾನದಲ್ಲಿ ಪ್ರಚಲಿತವಿತ್ತು. ಕರ್ನಾಟಕ ಸಂಗೀತವು ವಿಜಯನಗರ ಅರಸರ ಆಸ್ಥಾನದಲ್ಲಿ ಪ್ರಚಲಿತವಿತ್ತು. ಹಿಂದೂಸ್ತಾನಿ ಸಂಗೀತವು ಧ್ರುಪದ್, ಖಯಾಲ್, ಠುಮ್ರಿ, ಗಜಲ್ ಮುಂತಾದ ಪ್ರಕಾರಗಳನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿದೆ. ಕರ್ನಾಟಕ ಸಂಗೀತವು ಕೃತಿ, ವರ್ಣ, ತಿಲ್ಲಾನ ಮುಂತಾದ ಪ್ರಕಾರಗಳನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿದೆ. ಹಿಂದೂಸ್ತಾನಿ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಸುದೀರ್ಘವಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಕರ್ನಾಟಕ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಸಂಕ್ಷಿಪ್ತವಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಹಿಂದೂಸ್ತಾನಿ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಸುಧಾರಣೆಗೆ ಹೆಚ್ಚಿನ ಅವಕಾಶವನ್ನು ನೀಡುತ್ತದೆ. ಕರ್ನಾಟಕ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಸುಧಾರಣೆಗೆ ಕಡಿಮೆ ಅವಕಾಶವನ್ನು ನೀಡುತ್ತದೆ. ಹಿಂದೂಸ್ತಾನಿ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿನ ಭಾವನಾತ್ಮಕತೆಯನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿದೆ. ಕರ್ನಾಟಕ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಕಡಿಮೆ ಭಾವನಾತ್ಮಕತೆಯನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿದೆ. ಹಿಂದೂಸ್ತಾನಿ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿನ ಅಲಂಕಾರಗಳನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿದೆ. ಕರ್ನಾಟಕ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಕಡಿಮೆ ಅಲಂಕಾರಗಳನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿದೆ. ಹಿಂದೂಸ್ತಾನಿ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿನ ಸಂಕೀರ್ಣತೆಯನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿದೆ. ಕರ್ನಾಟಕ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಕಡಿಮೆ ಸಂಕೀರ್ಣತೆಯನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿದೆ. ಹಿಂದೂಸ್ತಾನಿ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿನ ಸಂಖ್ಯೆಯ ವಾದ್ಯಗಳನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿದೆ. ಕರ್ನಾಟಕ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಕಡಿಮೆ ಸಂಖ್ಯೆಯ ವಾದ್ಯಗಳನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿದೆ. ಹಿಂದೂಸ್ತಾನಿ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿನ ಸಂಖ್ಯೆಯ ಗಾಯಕರನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿದೆ. ಕರ್ನಾಟಕ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಕಡಿಮೆ ಸಂಖ್ಯೆಯ ಗಾಯಕರನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿದೆ. ಹಿಂದೂಸ್ತಾನಿ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿನ ಸಂಖ್ಯೆಯ ಪ್ರೇಕ್ಷಕರನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿದೆ. ಕರ್ನಾಟಕ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಕಡಿಮೆ ಸಂಖ್ಯೆಯ ಪ್ರೇಕ್ಷಕರನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿದೆ. ಹಿಂದೂಸ್ತಾನಿ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿನ ಸಂಖ್ಯೆಯ ಕಲಾವಿದರನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿದೆ. ಕರ್ನಾಟಕ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಕಡಿಮೆ ಸಂಖ್ಯೆಯ ಕಲಾವಿದರನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿದೆ. ಹಿಂದೂಸ್ತಾನಿ ಸಂಗೀತವು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿನ ಸಂಖ್ಯೆಯ ಕಲಾವಿದರನ್ನು

ॐ वज्रपाणये हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रपाणये हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रपाणये हुं फट् स्वाहा ॥

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཡཏ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཀརོམི། ཏཾ་སབྦཾ་ཏཱཡ་ཨཱསཱ་ཡ་ཏཱ་ཡ་ཨཱསཱ་ཡ་ཏཱ་ཡ་ཨཱསཱ་ཡ་ཏཱ་

ཁཁཁ། བཅུ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཁཁཁ། ཁཁཁ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकोटिनियुतशतसहस्रनिषेवितचरणाय
अचलचलनाय महाबलवीर्यहेतवे त्रैलोक्यविजयाय त्रैलोक्यविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनाशकाय
त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय
त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय
त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय
त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय
त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय
त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय
त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय
त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय त्रैलोक्यविघ्नविनायकाय

ઉપર ત્રણ બાજુ ઓટલો બાંધી ઉપર ચારે બાજુ ઓસરી કરવી અને ઓસરીની ચારે બાજુ ઓટલો કરવો. ઓસરીની
ચારે બાજુ ઓટલા ઉપર ચારે બાજુ ચાર ઓસરી કરવી. ઓસરીની ચારે બાજુ ઓટલા ઉપર ચારે બાજુ ચાર
ઓસરી કરવી. ઓસરીની ચારે બાજુ ઓટલા ઉપર ચારે બાજુ ચાર ઓસરી કરવી. ઓસરીની ચારે બાજુ
ઓટલા ઉપર ચારે બાજુ ચાર ઓસરી કરવી. ઓસરીની ચારે બાજુ ઓટલા ઉપર ચારે બાજુ ચાર ઓસરી
કરવી. ઓસરીની ચારે બાજુ ઓટલા ઉપર ચારે બાજુ ચાર ઓસરી કરવી. ઓસરીની ચારે બાજુ ઓટલા
ઉપર ચારે બાજુ ચાર ઓસરી કરવી. ઓસરીની ચારે બાજુ ઓટલા ઉપર ચારે બાજુ ચાર ઓસરી કરવી.
ઓસરીની ચારે બાજુ ઓટલા ઉપર ચારે બાજુ ચાર ઓસરી કરવી. ઓસરીની ચારે બાજુ ઓટલા ઉપર
ચારે બાજુ ચાર ઓસરી કરવી. ઓસરીની ચારે બાજુ ઓટલા ઉપર ચારે બાજુ ચાર ઓસરી કરવી.

॥ ॥ ॥

ಅಯಂ ಗುರುಃ ಸಾಕ್ಷಾತ್ ಸದಾಶಿವಃ ಸಮಸ್ತಜಗತಾಂ ಪಿತಾ ಮಾತಾ ಚ ಸರ್ವಜಂತೂನಾಂ ಸರ್ವಾಪದ್ಭ್ಯೋ ರಕ್ಷಕಃ ಸರ್ವಾಭೀಷ್ಟಪ್ರದಾಯ

ཀཱཏྱཱཡནཱིཡཱཡཱཝཏཱཀཱལཱཏྱཡཏཱཏྲུཡཱཡཏཡཱ། ཏྲུཡཱཏྲིཡཱལཱཏཱཡཱཡཱིཡཱཏྲུཡཱཡཱཡཱཡཱིཡཱཝཱཏྲིཀཱཡཱ། ཀྲྀཥྞཱཡཱཡཱཡཱཡཱིཡཱཏྲིཡཱཡཱཡཱཡཱིཡཱཏྲིཡཱཡཱཡཱཡཱིཡཱཏྲི

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकोटिनियुतशतसहस्रनमस्कृताय
अपरिमितबलवीर्यधैर्यसत्त्वोपेताय हुं हुं फट् फट् स्फुर स्फुर सर सर प्रसर प्रसर कम्पय कम्पय विकिरविकिर
विद्रावय विद्रावय चूर्णय चूर्णय मथ मथ विमथ विमथ हन हन दह दह पच पच सर्वदुष्टान् भस्मीकुरु कुरु
तेजोवज्रकायवीरनारसिंह नीलदण्डोज्ज्वलित महाप्रचण्डविद्युच्चक्राशनिसहस्रभयानकाट्टहासस्फोटय
सर्वबन्धनानि मोचय मोचय सर्वदुष्टग्रहान् विद्रावय विद्रावय सर्वदुष्टान् भक्षय भक्षय सर्वदुष्टान्
छिन्धि छिन्धि भिन्धि भिन्धि खट्वाङ्गेन त्रिशूलेन वज्रदण्डेन खड्गेन चक्रेण शक्त्या पाशेन अङ्कुशेन
गदया मुसलेन पट्टिशेन शूलेन परशुना सर्वास्त्रैः रक्ष रक्ष मां भगवन् सर्वापद्भ्यः सर्वोपद्रवेभ्यः
सर्वदुष्टभयेभ्यः सर्वशत्रुभयेभ्यः सर्वग्रहभयेभ्यः सर्वव्याधिभयेभ्यः सर्वज्वरभयेभ्यः सर्वविषभयेभ्यः
सर्वशस्त्रभयेभ्यः सर्वाशनिभयेभ्यः सर्वोदकभयेभ्यः सर्वमूषकभयेभ्यः सर्वचोरभयेभ्यः सर्वराजभयेभ्यः
सर्वस्त्रीभयेभ्यः सर्वपुरुषभयेभ्यः सर्वदारिद्र्यभयेभ्यः सर्वकुलभयेभ्यः सर्वकुलोपसर्गभयेभ्यः
सर्वदुष्टग्रहभयेभ्यः सर्वदुष्टभूतभयेभ्यः सर्वदुष्टप्रेतभयेभ्यः सर्वदुष्टपिशाचभयेभ्यः सर्वदुष्टकुष्माण्डभयेभ्यः
सर्वदुष्टराक्षसभयेभ्यः सर्वदुष्टविद्वेषणभयेभ्यः सर्वदुष्टकृत्याभयेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टभयेभ्यः
सर्वदुष्टक्षुद्रभयेभ्यः सर्वदुष्टविषभयेभ्यः सर्वदुष्टाशनिभयेभ्यः सर्वदुष्टवज्रभयेभ्यः सर्वदुष्टदण्डभयेभ्यः
सर्वदुष्टशस्त्रभयेभ्यः सर्वदुष्टरोगभयेभ्यः सर्वदुष्टज्वरभयेभ्यः सर्वदुष्टशोकभयेभ्यः सर्वदुष्टदुःखभयेभ्यः
सर्वदुष्टदौर्मनस्यभयेभ्यः सर्वदुष्टदुर्भिक्षभयेभ्यः सर्वदुष्टदुर्गतिभयेभ्यः सर्वदुष्टदुर्वर्णभयेभ्यः
सर्वदुष्टदुरुक्तभयेभ्यः सर्वदुष्टदुर्दर्शनभयेभ्यः सर्वदुष्टदुरासदभयेभ्यः सर्वदुष्टदुरावेशभयेभ्यः
सर्वदुष्टदुरधिष्ठानभयेभ्यः सर्वदुष्टदुरारम्भभयेभ्यः सर्वदुष्टदुरनुचरभयेभ्यः सर्वदुष्टदुरासिकाभयेभ्यः
सर्वदुष्टदुरासदभयेभ्यः सर्वदुष्टदुरावेशभयेभ्यः सर्वदुष्टदुरधिष्ठानभयेभ्यः सर्वदुष्टदुरारम्भभयेभ्यः

ଦୁଃଖାନୁଭୂତିଜାତାଶ୍ରୁପ୍ରବାହାବିଲଲୋଚନା ।

ལས་ནས་ཀྱང་ཐོག་ཏུ་ཡང་ཞེ

ཆོས་ཀྱི་ཕྱོགས་ཀྱི་ཁོར་ཡུག་ཏུ་ཡི་གེ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཡིག་གི་ཕྱོགས་ཀྱི་ཁོར་ཡུག་ཏུ་ཡི་གེ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཡིག་གོ།

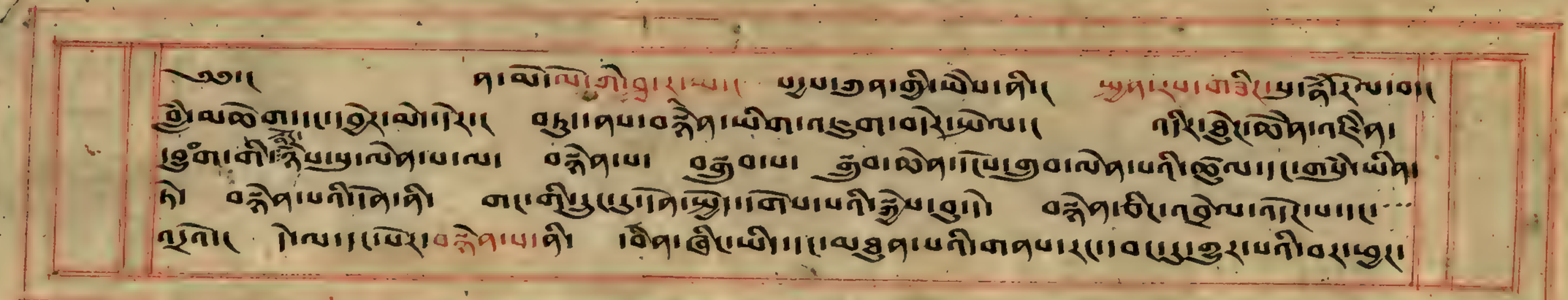

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाअट्टहासं विस्फोटयति सहस्रकरोज्ज्वलाय सहस्रशीर्षाय सहस्रनेत्राय सहस्रपादाय सहस्रजिह्वाय सहस्रदंष्ट्राकरालवदनाय विकृतनखमुखोद्गीर्णाग्निज्वालाभीषणाय भृकुटितटोद्घाटितप्रकटितरौद्रदंष्ट्राय दंष्ट्रोत्कटकटकटायमानाट्टहासभीषणाय सकलत्रिभुवनभयंकराय क्षोभणहनदहनपचनस्तंभनद्रावणभ्रामणसकलदुष्टप्रदुष्टानां सत्त्वानां ओजःप्रतिभयबलपराक्रमापहारिणे परविद्यासंदोहनिकृंतनकराय अमोघवज्रहस्ताय महागरुडविनतासुतपक्षवातसंपादितप्रचंडतरानिलोत्पादनसमर्थाय त्रैलोक्यविजयिने त्रैलोक्यनाथाय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाअट्टहासं विस्फोटयति सहस्रकरोज्ज्वलाय सहस्रशीर्षाय सहस्रनेत्राय सहस्रपादाय सहस्रजिह्वाय सहस्रदंष्ट्राकरालवदनाय विकृतनखमुखोद्गीर्णाग्निज्वालाभीषणाय भृकुटितटोद्घाटितप्रकटितरौद्रदंष्ट्राय दंष्ट्रोत्कटकटकटायमानाट्टहासभीषणाय सकलत्रिभुवनभयंकराय क्षोभणहनदहनपचनस्तंभनद्रावणभ्रामणसकलदुष्टप्रदुष्टानां सत्त्वानां ओजःप्रतिभयबलपराक्रमापहारिणे परविद्यासंदोहनिकृंतनकराय अमोघवज्रहस्ताय महागरुडविनतासुतपक्षवातसंपादितप्रचंडतरानिलोत्पादनसमर्थाय त्रैलोक्यविजयिने त्रैलोक्यनाथाय

ས་ཡི་གཡའ་ཡི་ཁྱེའུ།།།།ཤ་ཅི་ཡ་ནུ་ཁྱེ་ཁྱ་ལ་ཆ་ཁྱེ་ཡ་ཁ་ཡ། །ཁྱེ་ལ་ཆ་ཡི། ཁྱོ། ཁྱ་ལ་ཡི། ཆ་ཁྱེ་ཡ་ཆེ་ལ་ཁྱེ་ལ་ཡ་ཡ་ཤ་ཡི་ལ་ཡ་ཆ་ཁྱེ་ཁྱེ་ཁྱེ

ॐरा३ुपाप्तपा तणिवणीङ्रा३पङ्गा३ाङ्ग्रा३णीतागाङ्गीफ्ग्ग्राङ्गुंाभीजा३ाङ्रा३तभपाङ्गीग३रा३वा ोणी
वङ्रा३ङ्ग्रा३णीप्ग्रा३ङ्गेा३ाङ्रा३ङ्गीमङ्गुंाङ्गा३वाणी३रा३तङ्गोङ्गी३रा३ङ्गुंाङ्गुंाभपा३ङ्रा३ग३वेपा ।प्ग्रा३ङ्गुंाभपाणीभीङ्गुंाभीजा
प्ग्रा३ङ्गेा३ाङ्तभपाभपातपाणी३रा३वङ्गपातङ्गा३णीमुंा३ग३तङ्गेपा । ुपा३वाङ्गुपा३ाङ्तभपाभपापाव३ङ्गेपाभपाणीवभी३ाभपाङ्गुपा ङ्गीङ्गुपा
ङ्गुपा३वङ्गपातणी३रा३ङ्गीङ्गेपभपा३ग३पा३ङ्गीपा३वाभपा३ग३वेपा३ङ्गीपा३वातागा३ाणीमङ्गीङ्गुंाभपा३वङ्गुंा३णीङ्गुपा। भपातणी३रा३तङ्गुपाभवेभीङ्गेा३ाभपा३ाभजा
भपाङ्गीजातङ्गीपा३ग३वङ्गुपा ग३तङ्गुपातणीङ्गेा३ाङ्गुभीङ्गीतणी३रा३ाङ्गुपाभपा३रा३वङ्गेपा३ङ्गीपा३वातागा३ाणीमङ्गीपा३ङ्गीपा३वङ्गुपा३णीङ्गुपा। ोङ्करा३ग३ङ्गेा३ा
ङ्गीजा३ाङ्गीङ्गुंाप्ग्रा३ाङ्गीपा३ाङ्गुंाभपाभपा रा३ङ्गुंाङ्गेा३ाजातङ्गपाभपातणी३रा३। ङ्गा३ङ्गीपा३वङ्गुपा३ाङ्गपाभपातणीप्ग्रा३ङ्गीपा३वङ्गुपाभपातणीङ्गुपा।

ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོའི་རྒྱལ་སྲས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་གཙོ་བོ་ཆེ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད

 ﬀ ﬁ ﬂ ﬃ ﬄ ﬅ ﬆ ﬓ ﬔ ﬕ ﬖ ﬗ ﬘ ﬙ ﬚ ﬛ ﬜ יִ ﬞ ײַ ﬠ ﬡ ﬢ ﬣ ﬤ ﬥ ﬦ ﬧ ﬨ ﬩ שׁ שׂ שּׁ שּׂ אַ אָ אּ בּ גּ דּ הּ וּ זּ ﬷ טּ יּ ךּ כּ לּ ﬽ מּ ﬿ נּ סּ ﭂ ףּ פּ ﭅ צּ קּ רּ שּ תּ וֹ בֿ כֿ פֿ ﭏ ﭐ ﭑ ﭒ ﭓ ﭔ ﭕ ﭖ ﭗ ﭘ ﭙ ﭚ ﭛ ﭜ ﭝ ﭞ ﭟ ﭠ ﭡ ﭢ ﭣ ﭤ ﭥ ﭦ ﭧ ﭨ ﭩ ﭪ ﭫ ﭬ ﭭ ﭮ ﭯ ﭰ ﭱ ﭲ ﭳ ﭴ ﭵ ﭶ ﭷ ﭸ ﭹ ﭺ ﭻ ﭼ ﭽ ﭾ ﭿ ﮀ ﮁ ﮂ ﮃ ﮄ ﮅ ﮆ ﮇ ﮈ ﮉ ﮊ ﮋ ﮌ ﮍ ﮎ ﮏ ﮐ ﮑ ﮒ ﮓ ﮔ ﮕ ﮖ ﮗ ﮘ ﮙ ﮚ ﮛ ﮜ ﮝ ﮞ ﮟ ﮠ ﮡ ﮢ ﮣ ﮤ ﮥ ﮦ ﮧ ﮨ ﮩ ﮪ ﮫ ﮬ ﮭ ﮮ ﮯ ﮰ ﮱ ﮲ ﮳ ﮴ ﮵ ﮶ ﮷ ﮸ ﮹ ﮺ ﮻ ﮼ ﮽ ﮾ ﮿ ﯀ ﯁ ﯂ ﯃ ﯄ ﯅ ﯆ ﯇ ﯈ ﯉ ﯊ ﯋ ﯌ ﯍ ﯎ ﯏ ﯐ ﯑ ﯒ ﯓ ﯔ ﯕ ﯖ ﯗ ﯘ ﯙ ﯚ ﯛ ﯜ ﯝ ﯞ ﯟ ﯠ ﯡ ﯢ ﯣ ﯤ ﯥ ﯦ ﯧ ﯨ ﯩ ﯪ ﯫ ﯬ ﯭ ﯮ ﯯ ﯰ ﯱ ﯲ ﯳ ﯴ ﯵ ﯶ ﯷ ﯸ ﯹ ﯺ ﯻ ﯼ ﯽ ﯾ ﯿ ﰀ ﰁ ﰂ ﰃ ﰄ ﰅ ﰆ ﰇ ﰈ ﰉ ﰊ ﰋ ﰌ ﰍ ﰎ ﰏ ﰐ ﰑ ﰒ ﰓ ﰔ ﰕ ﰖ ﰗ ﰘ ﰙ ﰚ ﰛ ﰜ ﰝ ﰞ ﰟ ﰠ ﰡ ﰢ ﰣ ﰤ ﰥ ﰦ ﰧ ﰨ ﰩ ﰪ ﰫ ﰬ ﰭ ﰮ ﰯ ﰰ ﰱ ﰲ ﰳ ﰴ ﰵ ﰶ ﰷ ﰸ ﰹ ﰺ ﰻ ﰼ ﰽ ﰾ ﰿ ﱀ ﱁ ﱂ ﱃ ﱄ ﱅ ﱆ ﱇ ﱈ ﱉ ﱊ ﱋ ﱌ ﱍ ﱎ ﱏ ﱐ ﱑ ﱒ ﱓ ﱔ ﱕ ﱖ ﱗ ﱘ ﱙ ﱚ ﱛ ﱜ ﱝ ﱞ ﱟ ﱠ ﱡ ﱢ ﱣ ﱤ ﱥ ﱦ ﱧ ﱨ ﱩ ﱪ ﱫ ﱬ ﱭ ﱮ ﱯ ﱰ ﱱ ﱲ ﱳ ﱴ ﱵ ﱶ ﱷ ﱸ ﱹ ﱺ ﱻ ﱼ ﱽ ﱾ ﱿ ﲀ ﲁ ﲂ ﲃ ﲄ ﲅ ﲆ ﲇ ﲈ ﲉ ﲊ ﲋ ﲌ ﲍ ﲎ ﲏ ﲐ ﲑ ﲒ ﲓ ﲔ ﲕ ﲖ ﲗ ﲘ ﲙ ﲚ ﲛ ﲜ ﲝ ﲞ ﲟ ﲠ ﲡ ﲢ ﲣ ﲤ ﲥ ﲦ ﲧ ﲨ ﲩ ﲪ ﲫ ﲬ ﲭ ﲮ ﲯ ﲰ ﲱ ﲲ ﲳ ﲴ ﲵ ﲶ ﲷ ﲸ ﲹ ﲺ ﲻ ﲼ ﲽ ﲾ ﲿ ﳀ ﳁ ﳂ ﳃ ﳄ ﳅ ﳆ ﳇ ﳈ ﳉ ﳊ ﳋ ﳌ ﳍ ﳎ ﳏ ﳐ ﳑ ﳒ ﳓ ﳔ ﳕ ﳖ ﳗ ﳘ ﳙ ﳚ ﳛ ﳜ ﳝ ﳞ ﳟ ﳠ ﳡ ﳢ ﳣ ﳤ ﳥ ﳦ ﳧ ﳨ ﳩ ﳪ ﳫ ﳬ ﳭ ﳮ ﳯ ﳰ ﳱ ﳲ ﳳ ﳴ ﳵ ﳶ ﳷ ﳸ ﳹ ﳺ ﳻ ﳼ ﳽ ﳾ ﳿ ﴀ ﴁ ﴂ ﴃ ﴄ ﴅ ﴆ ﴇ ﴈ ﴉ ﴊ ﴋ ﴌ ﴍ ﴎ ﴏ ﴐ ﴑ ﴒ ﴓ ﴔ ﴕ ﴖ ﴗ ﴘ ﴙ ﴚ ﴛ ﴜ ﴝ ﴞ ﴟ ﴠ ﴡ ﴢ ﴣ ﴤ ﴥ ﴦ ﴧ ﴨ ﴩ ﴪ ﴫ ﴬ ﴭ ﴮ ﴯ ﴰ ﴱ ﴲ ﴳ ﴴ ﴵ ﴶ ﴷ ﴸ ﴹ ﴺ ﴻ ﴼ ﴽ ﴾ ﴿ ﵀ ﵁ ﵂ ﵃ ﵄ ﵅ ﵆ ﵇ ﵈ ﵉ ﵊ ﵋ ﵌ ﵍ ﵎ ﵏ ﵐ ﵑ ﵒ ﵓ ﵔ ﵕ ﵖ ﵗ ﵘ ﵙ ﵚ ﵛ ﵜ ﵝ ﵞ ﵟ ﵠ ﵡ ﵢ ﵣ ﵤ ﵥ ﵦ ﵧ ﵨ ﵩ ﵪ ﵫ ﵬ ﵭ ﵮ ﵯ ﵰ ﵱ ﵲ ﵳ ﵴ ﵵ ﵶ ﵷ ﵸ ﵹ ﵺ ﵻ ﵼ ﵽ ﵾ ﵿ ﶀ ﶁ ﶂ ﶃ ﶄ ﶅ ﶆ ﶇ ﶈ ﶉ ﶊ ﶋ ﶌ ﶍ ﶎ ﶏ ﶐ ﶑ ﶒ ﶓ ﶔ ﶕ ﶖ ﶗ ﶘ ﶙ ﶚ ﶛ ﶜ ﶝ ﶞ ﶟ ﶠ ﶡ ﶢ ﶣ ﶤ ﶥ ﶦ ﶧ ﶨ ﶩ ﶪ ﶫ ﶬ ﶭ ﶮ ﶯ ﶰ ﶱ ﶲ ﶳ ﶴ ﶵ ﶶ ﶷ ﶸ ﶹ ﶺ ﶻ ﶼ ﶽ ﶾ ﶿ ﷀ ﷁ ﷂ ﷃ ﷄ ﷅ ﷆ ﷇ ﷈ ﷉ ﷊ ﷋ ﷌ ﷍ ﷎ ﷏ ﷐ ﷑ ﷒ ﷓ ﷔ ﷕ ﷖ ﷗ ﷘ ﷙ ﷚ ﷛ ﷜ ﷝ ﷞ ﷟ ﷠ ﷡ ﷢ ﷣ ﷤ ﷥ ﷦ ﷧ ﷨ ﷩ ﷪ ﷫ ﷬ ﷭ ﷮ ﷯ ﷰ ﷱ ﷲ ﷳ ﷴ ﷵ ﷶ ﷷ ﷸ ﷹ ﷺ ﷻ ﷼ ﷽ ﷾ ﷿ ﹀ ﹁ ﹂ ﹃ ﹄ ﹅ ﹆ ﹇ ﹈ ﹉ ﹊ ﹋ ﹌ ﹍ ﹎ ﹏ ﹐ ﹑ ﹒ ﹓ ﹔ ﹕ ﹖ ﹗ ﹘ ﹙ ﹚ ﹛ ﹜ ﹝ ﹞ ﹟ ﹠ ﹡ ﹢ ﹣ ﹤ ﹥ ﹦ ﹧ ﹨ ﹩ ﹪ ﹫ ﹬ ﹭ ﹮ ﹯ ﹰ ﹱ ﹲ ﹳ ﹴ ﹵ ﹶ ﹷ ﹸ ﹹ ﹺ ﹻ ﹼ ﹽ ﹾ ﹿ ﺀ ﺁ ﺂ ﺃ ﺄ ﺅ ﺆ ﺇ ﺈ ﺉ ﺊ ﺋ ﺌ ﺍ ﺎ ﺏ ﺐ ﺑ ﺒ ﺓ ﺔ ﺕ ﺖ ﺗ ﺘ ﺙ ﺚ ﺛ ﺜ ﺝ ﺞ ﺟ ﺠ ﺡ ﺢ ﺣ ﺤ ﺥ ﺦ ﺧ ﺨ ﺩ ﺪ ﺫ ﺬ ﺭ ﺮ ﺯ ﺰ ﺱ ﺲ ﺳ ﺴ ﺵ ﺶ ﺷ ﺸ ﺹ ﺺ ﺻ ﺼ ﺽ ﺾ ﺿ ﻀ ﻁ ﻂ ﻃ ﻄ ﻅ ﻆ ﻇ ﻈ ﻉ ﻊ ﻋ ﻌ ﻍ ﻎ ﻏ ﻐ ﻑ ﻒ ﻓ ﻔ ﻕ ﻖ ﻗ ﻘ ﻙ ﻚ ﻛ ﻜ ﻝ ﻞ ﻟ ﻠ ﻡ ﻢ ﻣ ﻤ ﻥ ﻦ ﻧ ﻨ ﻩ ﻪ ﻫ ﻬ ﻭ ﻮ ﻯ ﻰ ﻱ ﻲ ﻳ ﻴ ﻵ ﻶ ﻷ ﻸ ﻹ ﻺ ﻻ ﻼ ﻽ ﻾

ॐ वज्रपाणये हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रहस्ताय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रयक्षाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रनखाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रदंष्ट्राय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रकर्माय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रपिंगलाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रकृष्णाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्ररौद्राय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रकालाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ एकजटाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रविघ्नान्तकाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रविघ्नकराय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रताम्रचूडाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ महाबलाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रमहाबलाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रभूतधात्र्यै हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रभूतधात्रीपतये हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रमहाकालाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रकालरात्र्यै हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रचामुण्डायै हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रमुखमण्डितायै हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रभैरवाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रभैरवीपतये हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रक्रोधाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रक्रोधेश्वराय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रक्रोधकालिन्यै हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रक्रोधकालिपतये हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रमहाक्रोधाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रमहाक्रोधेश्वराय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रमहाक्रोधकालिन्यै हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रमहाक्रोधकालिपतये

ଯେମାନଙ୍କୁ ଅଧିକାର ଦେବା ପାଇଁ ଏହି ଆଇନ ପ୍ରଣୟନ କରାଯାଇଛି ।
ଏହି ଆଇନ ଅନୁଯାୟୀ ଜଣେ ଅଭିଭାବକଙ୍କୁ ଅଦାଲତ ଦ୍ୱାରା ନିଯୁକ୍ତ କରାଯାଇପାରିବ ।
ଅଭିଭାବକଙ୍କ ଦାୟିତ୍ୱ ଓ କର୍ତ୍ତବ୍ୟ ଏହି ଆଇନରେ ଉଲ୍ଲେଖ କରାଯାଇଛି ।
ଅଭିଭାବକଙ୍କ ଦାୟିତ୍ୱ ଓ କର୍ତ୍ତବ୍ୟ ଏହି ଆଇନରେ ଉଲ୍ଲେଖ କରାଯାଇଛି ।
ଅଭିଭାବକଙ୍କ ଦାୟିତ୍ୱ ଓ କର୍ତ୍ତବ୍ୟ ଏହି ଆଇନରେ ଉଲ୍ଲେଖ କରାଯାଇଛି ।
ଅଭିଭାବକଙ୍କ ଦାୟିତ୍ୱ ଓ କର୍ତ୍ତବ୍ୟ ଏହି ଆଇନରେ ଉଲ୍ଲେଖ କରାଯାଇଛି ।

ཨོཾ། བདེ་གཤེགས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡབ་ཡུམ་ཏུ་གྱུར་པ་ལས་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡབ་ཡུམ་ཏུ་གྱུར་པ་ཡི་ཐུགས་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡབ་ཡུམ་ཏུ་གྱུར་པ་ཡིན་ནོ།།

ॐनमोभगवतेवज्रसत्त्वायमहासत्त्वायमहाकारुणिकायमहाप्रतिसंलीनायमहाध्यानयोगिनेतथागतायार्हतेसम्यक्संबुद्धायतद्यथा ॐशुद्धसत्त्वधर्मविचयेसर्वधर्मस्वभावविशुद्धिमुपादायसर्वधर्मस्वभावसमतानुगतेस्वभावशुद्धसर्वधर्मेस्वाह

ଯଜ୍ଞୋପବୀତୀ ଭୂତ୍ୱା ଶିରସି ମୁକୁଟୀ ଧାରୟନ୍ ଦକ୍ଷିଣେ ପାଣୌ ଶୁଚିଃ ପୁଷ୍ପଂ ଗୃହୀତ୍ୱା ମୂଳମନ୍ତ୍ରେଣ ତ୍ରିର୍ଜପ୍ତ୍ୱା ଦେବତାୟୈ ସମର୍ପୟେତ୍ ।

ଓଂ ଆଧାରଶକ୍ତୟେ ନମଃ ଓଂ ପ୍ରକୃତ୍ୟୈ ନମଃ ଓଂ କୂର୍ମାୟ ନମଃ ଓଂ ଅନନ୍ତାୟ ନମଃ ଓଂ ପୃଥିବ୍ୟୈ ନମଃ ଓଂ ସୁରଭ୍ୟୈ ନମଃ ଓଂ ରତ୍ନଦ୍ୱୀପାୟ ନମଃ ଓଂ ରତ୍ନସିଂହାସନାୟ ନମଃ ଓଂ ପଦ୍ମାୟ ନମଃ ଓଂ ସୂର୍ୟମଣ୍ଡଳାୟ ନମଃ ଓଂ ସୋମମଣ୍ଡଳାୟ ନମଃ ଓଂ ବହ୍ନିମଣ୍ଡଳାୟ ନମଃ ଓଂ ଧର୍ମାୟ ନମଃ ଓଂ ଜ୍ଞାନାୟ ନମଃ ଓଂ ବୈରାଗ୍ୟାୟ ନମଃ ଓଂ ଐଶ୍ୱର୍ୟାୟ ନମଃ ଓଂ ଅଧର୍ମାୟ ନମଃ ଓଂ ଅଜ୍ଞାନାୟ ନମଃ ଓଂ ଅବୈରାଗ୍ୟାୟ ନମଃ ଓଂ ଅନୈଶ୍ୱର୍ୟାୟ ନମଃ ଓଂ ଆତ୍ମନେ ନମଃ ଓଂ ଅନ୍ତରାତ୍ମନେ ନମଃ ଓଂ ପରମାତ୍ମନେ ନମଃ ଓଂ ଜ୍ଞାନାତ୍ମନେ ନମଃ ଓଂ ପଦ୍ମାସନାୟ ନମଃ ଓଂ ପରମସୁଖାୟ ନମଃ ଓଂ ପଦ୍ମାୟ ନମଃ ଓଂ ପଦ୍ମବାସିନ୍ୟୈ ନମଃ ଓଂ ପରମପବିତ୍ରାୟ ନମଃ ଓଂ ଜଗଦୀଶ୍ୱରାୟ ନମଃ ଓଂ ଜଗଦ୍ଧାତ୍ର୍ୟୈ ନମଃ ଓଂ ପଦ୍ମହସ୍ତାୟ ନମଃ ଓଂ ଜଗଦ୍ଧାତ୍ରେ ନମଃ ଓଂ ଜଗଦ୍ୱନ୍ଦ୍ୟାୟ ନମଃ ଓଂ ଜଗଦ୍ୱନ୍ଦ୍ୟାୟୈ ନମଃ ଓଂ ସର୍ୱଲୋକେଶ୍ୱର୍ୟୈ ନମଃ ଓଂ ସର୍ୱଲୋକେଶ୍ୱରାୟ ନମଃ ଓଂ ଶ୍ରୀମହାଲକ୍ଷ୍ମ୍ୟୈ ନମଃ ଓଂ ଶ୍ରୀମହାଲକ୍ଷ୍ମ୍ୟୈ ନମଃ ଓଂ ଶ୍ରୀମହାଲକ୍ଷ୍ମ୍ୟୈ ନମଃ ।

ଏବଂ ଦେବ୍ୟାଃ ଷୋଡଶୋପଚାରୈଃ ପୂଜାଂ କୃତ୍ୱା ଦେବ୍ୟାଃ ପୁରତଃ ଶ୍ରୀଚକ୍ରଂ ଲିଖେତ୍ । ତତ୍ର ଚକ୍ରେ ଦେବ୍ୟାଃ ଆବାହନାଦି ପୂଜାଂ କୃତ୍ୱା ଚକ୍ରସ୍ୟ ଚତୁର୍ଦିକ୍ଷୁ ଚତୁର୍ଦ୍ୱାରେଷୁ ଚ ଗଣେଶାଦି ପୂଜାଂ କୃତ୍ୱା ଚକ୍ରସ୍ୟ ଚତୁର୍ଦ୍ୱାରେଷୁ ଚତୁର୍ଦିକ୍ଷୁ ଚ ଦ୍ୱାରପାଲକାନ୍ ପୂଜୟେତ୍ ।

ଓଂ ଗଣେଶାୟ ନମଃ ଓଂ ଦୁର୍ଗାୟୈ ନମଃ ଓଂ ବଟୁକାୟ ନମଃ ଓଂ କ୍ଷେତ୍ରପାଲାୟ ନମଃ ଓଂ ଯୋଗିନ୍ୟୈ ନମଃ ଓଂ ଗଣପତୟେ ନମଃ ଓଂ ଦୁର୍ଗାୟୈ ନମଃ ଓଂ ବଟୁକାୟ ନମଃ ଓଂ କ୍ଷେତ୍ରପାଲାୟ ନମଃ ଓଂ ଯୋଗିନ୍ୟୈ ନମଃ ଓଂ ଗଣପତୟେ ନମଃ ଓଂ ଦୁର୍ଗାୟୈ ନମଃ ଓଂ ବଟୁକାୟ ନମଃ ଓଂ କ୍ଷେତ୍ରପାଲାୟ ନମଃ ଓଂ ଯୋଗିନ୍ୟୈ ନମଃ ଓଂ ଗଣପତୟେ ନମଃ ଓଂ ଦୁର୍ଗାୟୈ ନମଃ ଓଂ ବଟୁକାୟ ନମଃ ଓଂ କ୍ଷେତ୍ରପାଲାୟ ନମଃ ଓଂ ଯୋଗିନ୍ୟୈ ନମଃ ।

ଏବଂ ଚକ୍ରେ ଦେବ୍ୟାଃ ଗଣେଶାଦି ପୂଜାଂ କୃତ୍ୱା ଚକ୍ରସ୍ୟ ଚତୁର୍ଦ୍ୱାରେଷୁ ଚତୁର୍ଦିକ୍ଷୁ ଚ ଦ୍ୱାରପାଲକାନ୍ ପୂଜୟେତ୍ ।

ଓଂ ଗଣେଶାୟ ନମଃ ଓଂ ଦୁର୍ଗାୟୈ ନମଃ ଓଂ ବଟୁକାୟ ନମଃ ଓଂ କ୍ଷେତ୍ରପାଲାୟ ନମଃ ଓଂ ଯୋଗିନ୍ୟୈ ନମଃ ଓଂ ଗଣପତୟେ ନମଃ ଓଂ ଦୁର୍ଗାୟୈ ନମଃ ଓଂ ବଟୁକାୟ ନମଃ ଓଂ କ୍ଷେତ୍ରପାଲାୟ ନମଃ ଓଂ ଯୋଗିନ୍ୟୈ ନମଃ ଓଂ ଗଣପତୟେ ନମଃ ଓଂ ଦୁର୍ଗାୟୈ ନମଃ ଓଂ ବଟୁକାୟ ନମଃ ଓଂ କ୍ଷେତ୍ରପାଲାୟ ନମଃ ଓଂ ଯୋଗିନ୍ୟୈ ନମଃ ।

ଏବଂ ଚକ୍ରେ ଦେବ୍ୟାଃ ଗଣେଶାଦି ପୂଜାଂ କୃତ୍ୱା ଚକ୍ରସ୍ୟ ଚତୁର୍ଦ୍ୱାରେଷୁ ଚତୁର୍ଦିକ୍ଷୁ ଚ ଦ୍ୱାରପାଲକାନ୍ ପୂଜୟେତ୍ ।

ଓଂ ଗଣେଶାୟ ନମଃ ଓଂ ଦୁର୍ଗାୟୈ ନମଃ ଓଂ ବଟୁକାୟ ନମଃ ଓଂ କ୍ଷେତ୍ରପାଲାୟ ନମଃ ଓଂ ଯୋଗିନ୍ୟୈ ନମଃ ଓଂ ଗଣପତୟେ ନମଃ ଓଂ ଦୁର୍ଗାୟୈ ନମଃ ଓଂ ବଟୁକାୟ ନମଃ ଓଂ କ୍ଷେତ୍ରପାଲାୟ ନମଃ ଓଂ ଯୋଗିନ୍ୟୈ ନମଃ ଓଂ ଗଣପତୟେ ନମଃ ଓଂ ଦୁର୍ଗାୟୈ ନମଃ ଓଂ ବଟୁକାୟ ନମଃ ଓଂ କ୍ଷେତ୍ରପାଲାୟ ନମଃ ଓଂ ଯୋଗିନ୍ୟୈ ନମଃ ।

ଏବଂ ଚକ୍ରେ ଦେବ୍ୟାଃ ଗଣେଶାଦି ପୂଜାଂ କୃତ୍ୱା ଚକ୍ରସ୍ୟ ଚତୁର୍ଦ୍ୱାରେଷୁ ଚତୁର୍ଦିକ୍ଷୁ ଚ ଦ୍ୱାରପାଲକାନ୍ ପୂଜୟେତ୍ ।

ଓଂ ଗଣେଶାୟ ନମଃ ଓଂ ଦୁର୍ଗାୟୈ ନମଃ ଓଂ ବଟୁକାୟ ନମଃ ଓଂ କ୍ଷେତ୍ରପାଲାୟ ନମଃ ଓଂ ଯୋଗିନ୍ୟୈ ନମଃ ଓଂ ଗଣପତୟେ ନମଃ ଓଂ ଦୁର୍ଗାୟୈ ନମଃ ଓଂ ବଟୁକାୟ ନମଃ ଓଂ କ୍ଷେତ୍ରପାଲାୟ ନମଃ ଓଂ ଯୋଗିନ୍ୟୈ ନମଃ ଓଂ ଗଣପତୟେ ନମଃ ଓଂ ଦୁର୍ଗାୟୈ ନମଃ ଓଂ ବଟୁକାୟ ନମଃ ଓଂ କ୍ଷେତ୍ରପାଲାୟ ନମଃ ଓଂ ଯୋଗିନ୍ୟୈ ନମଃ ।

ॐ नमो भगवते अमोघसिद्धये तथागताय अर्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ अमोघे अमोघदर्शिनि अमोघवचने अमोघतेजसि अमोघवीर्ये अमोघसिद्धिसंभवे अमोघसिद्धिसंभवे अमोघसिद्धिसंभवे

ཀྲཱཾ་ཀྲཱིཾ་ཀྲཱུཾ་ཀྲྀཾ་ཀྲཱྀཾ་ཀླཱཾ་ཀླཱིཾ་ཀླཱུཾ་ཀླྀཾ་ཀླཱྀཾ་ཀེཾ་ཀཻཾ་ཀོཾ་ཀཽཾ་ཀཾ་ཀཿ་ཁཱཾ་ཁཱིཾ་ཁཱུཾ་ཁྀཾ་ཁཱྀཾ་ཁླཱཾ་ཁླཱིཾ་ཁླཱུཾ་ཁླྀཾ་ཁླཱྀཾ་ཁེཾ་ཁཻཾ་ཁོཾ་ཁཽཾ་ཁཾ་ཁཿ་གཱཾ་གཱིཾ་གཱུཾ་གྀཾ་གཱྀཾ་གླཱཾ་གླཱིཾ་གླཱུཾ་གླྀཾ་གླཱྀཾ་གེཾ་གཻཾ་གོཾ་གཽཾ་གཾ་གཿ་གྷཱཾ་གྷཱིཾ་གྷཱུཾ་གྷྀཾ་གྷཱྀཾ་གྷླཱཾ་གྷླཱིཾ་གྷླཱུཾ་གྷླྀཾ་གྷླཱྀཾ་གྷེཾ་གྷཻཾ་གྷོཾ་གྷཽཾ་གྷཾ་གྷཿ་ངཱཾ་ངཱིཾ་ངཱུཾ་ངྀཾ་ངཱྀཾ་ངླཱཾ་ངླཱིཾ་ངླཱུཾ་ངླྀཾ་ངླཱྀཾ་ངེཾ་ངཻཾ་ངོཾ་ངཽཾ་ངཾ་ངཿ་ཅཱཾ་ཅཱིཾ་ཅཱུཾ་ཅྀཾ་ཅཱྀཾ་ཅླཱཾ་ཅླཱིཾ་ཅླཱུཾ་ཅླྀཾ་ཅླཱྀཾ་ཅེཾ་ཅཻཾ་ཅོཾ་ཅཽཾ་ཅཾ་ཅཿ་ཆཱཾ་ཆཱིཾ་ཆཱུཾ་ཆྀཾ་ཆཱྀཾ་ཆླཱཾ་ཆླཱིཾ་ཆླཱུཾ་ཆླྀཾ་ཆླཱྀཾ་ཆེཾ་ཆཻཾ་ཆོཾ་ཆཽཾ་ཆཾ་ཆཿ་ཛཱཾ་ཛཱིཾ་ཛཱུཾ་ཛྀཾ་ཛཱྀཾ་ཛླཱཾ་ཛླཱིཾ་ཛླཱུཾ་ཛླྀཾ་ཛླཱྀཾ་ཛེཾ་ཛཻཾ་ཛོཾ་ཛཽཾ་ཛཾ་ཛཿ་ཛྷཱཾ་ཛྷཱིཾ་ཛྷཱུཾ་ཛྷྀཾ་ཛྷཱྀཾ་ཛྷླཱཾ་ཛྷླཱིཾ་ཛྷླཱུཾ་ཛྷླྀཾ་ཛྷླཱྀཾ་ཛྷེཾ་ཛྷཻཾ་ཛྷོཾ་ཛྷཽཾ་ཛྷཾ་ཛྷཿ་ཉཱཾ་ཉཱིཾ་ཉཱུཾ་ཉྀཾ་ཉཱྀཾ་ཉླཱཾ་ཉླཱིཾ་ཉླཱུཾ་ཉླྀཾ་ཉླཱྀཾ་ཉེཾ་ཉཻཾ་ཉོཾ་ཉཽཾ་ཉཾ་ཉཿ་ཊཱཾ་ཊཱིཾ་ཊཱུཾ་ཊྀཾ་ཊཱྀཾ་ཊླཱཾ་ཊླཱིཾ་ཊླཱུཾ་ཊླྀཾ་ཊླཱྀཾ་ཊེཾ་ཊཻཾ་ཊོཾ་ཊཽཾ་ཊཾ་ཊཿ་ཋཱཾ་ཋཱིཾ་ཋཱུཾ་ཋྀཾ་ཋཱྀཾ་ཋླཱཾ་ཋླཱིཾ་ཋླཱུཾ་ཋླྀཾ་ཋླཱྀཾ་ཋེཾ་ཋཻཾ་ཋོཾ་ཋཽཾ་ཋཾ་ཋཿ་ཌཱཾ་ཌཱིཾ་ཌཱུཾ་ཌྀཾ་ཌཱྀཾ་ཌླཱཾ་ཌླཱིཾ་ཌླཱུཾ་ཌླྀཾ་ཌླཱྀཾ་ཌེཾ་ཌཻཾ་ཌོཾ་ཌཽཾ་ཌཾ་ཌཿ་ཎཱཾ་ཎཱིཾ་ཎཱུཾ་ཎྀཾ་ཎཱྀཾ་ཎླཱཾ་ཎླཱིཾ་ཎླཱུཾ་ཎླྀཾ་ཎླཱྀཾ་ཎེཾ་ཎཻཾ་ཎོཾ་ཎཽཾ་ཎཾ་ཎཿ་ཏཱཾ་ཏཱིཾ་ཏཱུཾ་ཏྀཾ་ཏཱྀཾ་ཏླཱཾ་ཏླཱིཾ་ཏླཱུཾ་ཏླྀཾ་ཏླཱྀཾ་ཏེཾ་ཏཻཾ་ཏོཾ་ཏཽཾ་ཏཾ་ཏཿ་ཐཱཾ་ཐཱིཾ་ཐཱུཾ་ཐྀཾ་ཐཱྀཾ་ཐླཱཾ་ཐླཱིཾ་ཐླཱུཾ་ཐླྀཾ་ཐླཱྀཾ་ཐེཾ་ཐཻཾ་ཐོཾ་ཐཽཾ་ཐཾ་ཐཿ་དཱཾ་དཱིཾ་དཱུཾ་དྀཾ་དཱྀཾ་དླཱཾ་དླཱིཾ་དླཱུཾ་དླྀཾ་དླཱྀཾ་དེཾ་དཻཾ་དོཾ་དཽཾ་དཾ་དཿ་དྷཱཾ་དྷཱིཾ་དྷཱུཾ་དྷྀཾ་དྷཱྀཾ་དྷླཱཾ་དྷླཱིཾ་དྷླཱུཾ་དྷླྀཾ་དྷླཱྀཾ་དྷེཾ་དྷཻཾ་དྷོཾ་དྷཽཾ་དྷཾ་དྷཿ་ནཱཾ་ནཱིཾ་ནཱུཾ་ནྀཾ་ནཱྀཾ་ནླཱཾ་ནླཱིཾ་ནླཱུཾ་ནླྀཾ་ནླཱྀཾ་ནེཾ་ནཻཾ་ནོཾ་ནཽཾ་ནཾ་ནཿ་པཱཾ་པཱིཾ་པཱུཾ་པྀཾ་པཱྀཾ་པླཱཾ་པླཱིཾ་པླཱུཾ་པླྀཾ་པླཱྀཾ་པེཾ་པཻཾ་པོཾ་པཽཾ་པཾ་པཿ་ཕཱཾ་ཕཱིཾ་ཕཱུཾ་ཕྀཾ་ཕཱྀཾ་ཕླཱཾ་ཕླཱིཾ་ཕླཱུཾ་ཕླྀཾ་ཕླཱྀཾ་ཕེཾ་ཕཻཾ་ཕོཾ་ཕཽཾ་ཕཾ་ཕཿ་བཱཾ་བཱིཾ་བཱུཾ་བྀཾ་བཱྀཾ་བླཱཾ་བླཱིཾ་བླཱུཾ་བླྀཾ་བླཱྀཾ་བེཾ་བཻཾ་བོཾ་བཽཾ་བཾ་བཿ་བྷཱཾ་བྷཱིཾ་བྷཱུཾ་བྷྀཾ་བྷཱྀཾ་བྷླཱཾ་བྷླཱིཾ་བྷླཱུཾ་བྷླྀཾ་བྷླཱྀཾ་བྷེཾ་བྷཻཾ་བྷོཾ་བྷཽཾ་བྷཾ་བྷཿ་མཱཾ་མཱིཾ་མཱུཾ་མྀཾ་མཱྀཾ་མླཱཾ་མླཱིཾ་མླཱུཾ་མླྀཾ་མླཱྀཾ་མེཾ་མཻཾ་མོཾ་མཽཾ་མཾ་མཿ་ཡཱཾ་ཡཱིཾ་ཡཱུཾ་ཡྀཾ་ཡཱྀཾ་ཡླཱཾ་ཡླཱིཾ་ཡླཱུཾ་ཡླྀཾ་ཡླཱྀཾ་ཡེཾ་ཡཻཾ་ཡོཾ་ཡཽཾ་ཡཾ་ཡཿ་རཱཾ་རཱིཾ་རཱུཾ་རྀཾ་རཱྀཾ་རླཱཾ་རླཱིཾ་རླཱུཾ་རླྀཾ་རླཱྀཾ་རེཾ་རཻཾ་རོཾ་རཽཾ་རཾ་རཿ་ལཱཾ་ལཱིཾ་ལཱུཾ་ལྀཾ་ལཱྀཾ་ལླཱཾ་ལླཱིཾ་ལླཱུཾ་ལླྀཾ་ལླཱྀཾ་ལེཾ་ལཻཾ་ལོཾ་ལཽཾ་ལཾ་ལཿ་ཝཱཾ་ཝཱིཾ་ཝཱུཾ་ཝྀཾ་ཝཱྀཾ་ཝླཱཾ་ཝླཱིཾ་ཝླཱུཾ་ཝླྀཾ་ཝླཱྀཾ་ཝེཾ་ཝཻཾ་ཝོཾ་ཝཽཾ་ཝཾ་ཝཿ་ཤཱཾ་ཤཱིཾ་ཤཱུཾ་ཤྀཾ་ཤཱྀཾ་ཤླཱཾ་ཤླཱིཾ་ཤླཱུཾ་ཤླྀཾ་ཤླཱྀཾ་ཤེཾ་ཤཻཾ་ཤོཾ་ཤཽཾ་ཤཾ་ཤཿ་ཥཱཾ་ཥཱིཾ་ཥཱུཾ་ཥྀཾ་ཥཱྀཾ་ཥླཱཾ་ཥླཱིཾ་ཥླཱུཾ་ཥླྀཾ་ཥླཱྀཾ་ཥེཾ་ཥཻཾ་ཥོཾ་ཥཽཾ་ཥཾ་ཥཿ་སཱཾ་སཱིཾ་སཱུཾ་སྀཾ་སཱྀཾ་སླཱཾ་སླཱིཾ་སླཱུཾ་སླྀཾ་སླཱྀཾ་སེཾ་སཻཾ་སོཾ་སཽཾ་སཾ་སཿ་ཧཱཾ་ཧཱིཾ་ཧཱུཾ་ཧྀཾ་ཧཱྀཾ་ཧླཱཾ་ཧླཱིཾ་ཧླཱུཾ་ཧླྀཾ་ཧླཱྀཾ་ཧེཾ་ཧཻཾ་ཧོཾ་ཧཽཾ་ཧཾ་ཧཿ་ཨཱཾ་ཨཱིཾ་ཨཱུཾ་ཨྀཾ་ཨཱྀཾ་ཨླཱཾ་ཨླཱིཾ་ཨླཱུཾ་ཨླྀཾ་ཨླཱྀཾ་ཨེཾ་ཨཻཾ་ཨོཾ་ཨཽཾ་ཨཾ་ཨཿ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय भूतवेतालमारीगणसमूहनिवारणकराय
ॐ नमो भगवते महाबलवीरसेनाय त्रिलोकरक्षणकराय त्रिशूलवज्रखड्गचक्रगदाधनुर्बाणपरशुशक्तिहस्ताय
ॐ नमो भगवते महाबलवीरसेनाय त्रिलोकरक्षणकराय त्रिशूलवज्रखड्गचक्रगदाधनुर्बाणपरशुशक्तिहस्ताय
ॐ नमो भगवते महाबलवीरसेनाय त्रिलोकरक्षणकराय त्रिशूलवज्रखड्गचक्रगदाधनुर्बाणपरशुशक्तिहस्ताय
ॐ नमो भगवते महाबलवीरसेनाय त्रिलोकरक्षणकराय त्रिशूलवज्रखड्गचक्रगदाधनुर्बाणपरशुशक्तिहस्ताय
ॐ नमो भगवते महाबलवीरसेनाय त्रिलोकरक्षणकराय त्रिशूलवज्रखड्गचक्रगदाधनुर्बाणपरशुशक्तिहस्ताय
ॐ नमो भगवते महाबलवीरसेनाय त्रिलोकरक्षणकराय त्रिशूलवज्रखड्गचक्रगदाधनुर्बाणपरशुशक्तिहस्ताय
ॐ नमो भगवते महाबलवीरसेनाय त्रिलोकरक्षणकराय त्रिशूलवज्रखड्गचक्रगदाधनुर्बाणपरशुशक्तिहस्ताय

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय भिन्धि भिन्धि छिन्धि छिन्धि हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥

[illegible]

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱེད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱེད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱེད་ཀྱི

ཀུན་ནས་ཉོན་མོངས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཉེས་པ་ཞི་བ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་རོ། །ཡང་ན་ཡང་དག་པ

ཀྱི་ཤིང་ཁ་ཐུར་ཞིང་ཡལ་ག་ཡངས་ཤིང་ཡལ་ག

ॐ हिं हिं लं लं ल

ॐ ॥ ॥ ॥

ॐ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय महाकायवज्रशरीरसंघातनाय महारौद्रनादेन महाहसितेन त्रैलोक्यमुत्त्रासयन्तं हूं हूं फट् फट् फट् फट् स्वाहा ॥

ॐ वज्रहस्तं महाबलं वज्रशरीरं वज्रतुण्डं वज्रदंष्ट्रं वज्रनखं वज्रजङ्घं वज्रवीर्यं महाबलपराक्रमं महादुष्टचोरव्याघ्रसिंहभयविदारणं वज्रेण संहारय संहारय भक्षय भक्षय हूं फट् स्वाहा ॥

ॐ नमो भगवते महावज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय महाकायवज्रशरीरसंघातनाय महारौद्रनादेन महाहसितेन त्रैलोक्यमुत्त्रासयन्तं हूं हूं फट् फट् फट् फट् स्वाहा ॥

ॐ वज्रहस्तं महाबलं वज्रशरीरं वज्रतुण्डं वज्रदंष्ट्रं वज्रनखं वज्रजङ्घं वज्रवीर्यं महाबलपराक्रमं महादुष्टचोरव्याघ्रसिंहभयविदारणं वज्रेण संहारय संहारय भक्षय भक्षय हूं फट् स्वाहा ॥

ॐ

વનો ધૂપનો

ବଜ୍ରାସ୍ତ୍ରା ଶିବାଜ୍ଞୟାପାଦାବତିଷ୍ଠନ୍ତିମା ଜନ୍ମିଷ୍ୟାମ୍ୟହଂ ତାବତ୍ତାବଦବଧାରଣୀୟା ସର୍ବଜ୍ଞୀବାପ୍ତାବୁଦ୍ଧାସା
ଜନ୍ମିଷ୍ୟ ଇତିଚେତ୍ତ ତତ୍ତଦାଦୁଦାହରଣାନାମିତ୍ୟାଦ୍ୟା ନିଶ୍ଚୟତ୍ତତ୍ତାତତ୍ତ୍ୱତାବଧୃତିର୍ମା ଇତିଚେତ୍ତତ୍ତତ୍ତଦାଦୁ
ଲାତାସାଦ୍ୟୋତ୍ପାଦତ୍ରୋପାୟା ଲୋକାନ୍ତିତୋ ଇତିଚେତ୍ତୀଙ୍କରାବଲୋକାସାଦ୍ୟାଜିପାଦନୀଦ୍ୟୋତ୍ପାଦିତୈପାଦଙ୍କୁତାବତିଷ୍ଠନ୍ତା
ଦ୍ୱାରାଜିପାଦଯାସାଦ୍ୟାଦୀତ୍ପାଦନୀୟାଦ୍ୟୋତ୍ପାଦନୀୟାବତିଷ୍ଠନ୍ତା ଦୋଷାତ୍ପାଦ୍ୟୁତ୍ପାଦ୍ୟ ନୋଦ୍ୟୋତ୍ପାଦନୀୟାବତିଷ୍ଠନ୍ତା ତଦ୍ୟା
ଦୋଦ୍ୟୋପାଦୀଦୀୟାଦ୍ୟୁତ୍ପା ଶିବାଜ୍ଞୟାପାଦାବତିଷ୍ଠନ୍ତିମା ଜନ୍ମିଷ୍ୟାମ୍ୟହଂ ତାବତ୍ତାବଦବଧାରଣୀୟା ସର୍ବଜ୍ଞୀବାପ୍ତାବୁଦ୍ଧାସା
ସର୍ବୋପାସ୍ଥାନୀୟକଦାସାସାବତୀୟାଜିପାଦନୀତ୍ରୟାଜିପାଦାବତିଷ୍ଠନ୍ତା ନୋଦ୍ୟୋତ୍ପାଦନୀୟାବତିଷ୍ଠନ୍ତା ଜନ୍ମୋ

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीसरस्वत्यै नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ हरिः ॐ ॥

अथ श्रीमद्भगवद्गीता प्रारभ्यते ॥

धृतराष्ट्र उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

संजय उवाच ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डवानीकं व्यूढं दुर्योधनस्तदा ।
आचार्यमुपसंगम्य राजा वचनमब्रवीत् ॥ २ ॥

पश्यैतां पाण्डुपुत्राणामाचार्य महतीं चमूम् ।
व्यूढां द्रुपदपुत्रेण तव शिष्येण धीमता ॥ ३ ॥

अत्र शूरा महेष्वासा भीमार्जुनसमा युधि ।
युयुधानो विराटश्च द्रुपदश्च महारथः ॥ ४ ॥

धृष्टकेतुश्चेकितानः काशिराजश्च वीर्यवान् ।
पुरुजित्कुन्तिभोजश्च शैब्यश्च नरपुंगवः ॥ ५ ॥

युधामन्युश्च विक्रान्त उत्तमौजाश्च वीर्यवान् ।
सौभद्रो द्रौपदेयाश्च सर्व एव महारथाः ॥ ६ ॥

अस्माकं तु विशिष्टा ये तान्निबोध द्विजोत्तम ।
नायका मम सैन्यस्य संज्ञार्थं तान्ब्रवीमि ते ॥ ७ ॥

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय महाकायवज्रभैरवरूपिणे
हूं हूं फट् फट् वज्रपाणये स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय
महाकायवज्रभैरवरूपिणे हूं हूं फट् फट् वज्रपाणये स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबल
पराक्रमाय महाभयविदारणकराय महाकायवज्रभैरवरूपिणे हूं हूं फट् फट् वज्रपाणये स्वाहा ॥
ॐ वज्रहस्तो महाबलः ॐ वज्रपाणिर्महाबलः ॐ वज्रतुण्डो महाबलः ॐ वज्रकायो महाबलः
ॐ वज्रभैरवो महाबलः ॐ वज्रसत्त्वो महाबलः ॐ वज्रराजो महाबलः ॐ वज्रतीक्ष्णो महाबलः
ॐ वज्रहेतुर्महाबलः ॐ वज्रभाषो महाबलः ॐ वज्रयक्षो महाबलः ॐ वज्रराक्षसो महाबलः
ॐ वज्रविनायको महाबलः ॐ वज्रकुमारो महाबलः ॐ वज्रदण्डो महाबलः ॐ वज्रनाथो महाबलः
ॐ वज्रमहाकालो महाबलः ॐ वज्रकालो महाबलः ॐ वज्रकालरात्रिर्महाबलः ॐ वज्रचामुण्डा
महाबला ॐ वज्रवाराही महाबला ॐ वज्रमारीचि महाबला ॐ वज्रकुरुकुल्ला महाबला
ॐ वज्रप्रचण्डा महाबला ॐ वज्रनीलदण्डा महाबला ॐ वज्रमहाबलाय हूं फट् स्वाहा ॥
ॐ वज्रभैरवाय हूं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रमहाभैरवाय हूं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रमहाकालाय हूं फट्
स्वाहा ॥ ॐ वज्रकालाय हूं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रकालरात्रये हूं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रचामुण्डाये
हूं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रवाराहीये हूं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रमारीचिये हूं फट् स्वाहा ॥
ॐ वज्रकुरुकुल्लाये हूं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रप्रचण्डाये हूं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रनीलदण्डाये
हूं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रमहाबलाय हूं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रसर्वयक्षराक्षसभूतप्रेतपिशाचान्
हन हन दह दह पच पच मथ मथ विध्वंसय विध्वंसय विद्रावय विद्रावय चूर्णय चूर्णय

ॐ॥ श्रीः ॐ॥ प्रपन्नजनकूटायेत्यादिश्रीमद्वरवरमुनयेनमः॥ श्रीमत्परमपुरुषतत्त्वनिधिमहाविभवनित्यसूरिनायकदिव्यसिंहासनाधिरूढश्रीमन्नारायणभगवत्प्रसादलब्धनिरवधिकैङ्कर्यसाम्राज्यश्रीमद्विष्वक्सेनपादारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमन्नाथमुनिवरकरकमलसम्भावितसहस्रगीतिप्रबन्धसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमन्नाथमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमदुपयमुनिवरकरकमलसम्भावितस्तोत्ररत्नप्रबन्धसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमदुपयमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमद्यामुनमुनिवरकरकमलसम्भावितसिद्धित्रयरत्नत्रयप्रबन्धसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमद्यामुनमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमद्रामानुजमुनिवरकरकमलसम्भावितश्रीभाष्यगीताभाष्यवेदान्तदीपवेदान्तसारवेदार्थसङ्ग्रहशरणागतिगद्यश्रीरङ्गगद्यनित्यग्रन्थसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमद्रामानुजमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमत्कूरेशमुनिवरकरकमलसम्भावितस्तोत्ररत्नसुन्दरबाहुस्तवपुरुषकारभूतिसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमत्कूरेशमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमद्गोविन्दभट्टारकमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमद्गोविन्दभट्टारकमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमद्वरदगुरुमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमद्वरदगुरुमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमत्पेरुमाळ्मुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमत्पेरुमाळ्मुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमदरङ्गरामानुजमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमदरङ्गरामानुजमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमद्भगवद्विषयमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमद्भगवद्विषयमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमच्छठकोपमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमच्छठकोपमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमन्मधुरकविमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमन्मधुरकविमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमत्परांकुशमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमत्परांकुशमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमद्विष्णुचित्तमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमद्विष्णुचित्तमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमद्भक्तिसारमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमद्भक्तिसारमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमत्कुलशेखरमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमत्कुलशेखरमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमद्यतीन्द्रप्रवणमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमद्यतीन्द्रप्रवणमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमद्वकुलाभरणमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमद्वकुलाभरणमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमत्परकालमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमत्परकालमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमद्वेङ्कटेशमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमद्वेङ्कटेशमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमत्सुन्दरार्यमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमत्सुन्दरार्यमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमन्महाचार्यमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमन्महाचार्यमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमल्लोकाचार्यमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमल्लोकाचार्यमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमदाण्डवाचार्यमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमदाण्डवाचार्यमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमद्वरवरमुनिवरकरकमलसम्भावितसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमद्वरवरमुनिवरचरणारविन्दयुगलनिर्भरभक्तिभरितहृदयसरोजसकलवेदान्तगुरुसम्प्रदायप्रवर्तकपरमाचार्यश्रीमत्कोयिलण्णप्रभृतिसकलजगदुज्जीवनहेतुभूतपरमकारुणिकश्रीमत्कोयिलण्णप्रभृति

ꣳ ꣳ ꣳ

ॐ ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाघोरदंष्ट्रकरालवदनाय उर्ध्वकेशजटामुकुटविस्फुरितसटाटोपस्फोटय स्फोटय विस्फोटय विस्फोटय धूमान्धकारविद्युत्प्रभापिङ्गलाक्षाय हुं हुं हुं फट् फट् फट् फट् फट् फट् ठः ठः ठः

ଜୀବନୀ ଜୀବନୀ ଜୀବନୀ

ཀཱ། བཅོམ་ལྡན་པ། ཇི་སྲིད་ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ལ་ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཞེས་བྱ་བ་ཡིན་ཏེ། ཇི་ཙམ་ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ལ་ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཞེས་བྱ་བ་ཡིན་ཏེ། ཇི་ཙམ་ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ལ་ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཞེས་བྱ་བ་ཡིན་ཏེ། ཇི་སྲིད

ಪುಣ್ಯಕ್ಕೆ ಯೋಗ್ಯವಾದ ಕಾಲ ಕಾಲಕ್ಕೆ ಸರಿಯಾಗಿ ಬಂದು ಸೇರಿಕೊಂಡಿರುವುದು ಕಾಲಯೋಗ
ಪುಣ್ಯಕ್ಕೆ ಯೋಗ್ಯವಾದ ಕಾಲ ಕಾಲಕ್ಕೆ ಸರಿಯಾಗಿ ಬಂದು ಸೇರಿಕೊಂಡಿರುವುದು ಕಾಲಯೋಗ
ಪುಣ್ಯಕ್ಕೆ ಯೋಗ್ಯವಾದ ಕಾಲ ಕಾಲಕ್ಕೆ ಸರಿಯಾಗಿ ಬಂದು ಸೇರಿಕೊಂಡಿರುವುದು ಕಾಲಯೋಗ

ॐ॥ श्रीगुरवेनमः॥ अथ श्रीमद्भगवद्गीतासु उपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जुनसंवादे
मोक्षसंन्यासयोगो नाम अष्टादशोऽध्यायः॥ अर्जुन उवाच॥ संन्यासस्य महाबाहो तत्त्वमिच्छामि वेदितुं॥ त्यागस्य
च हृषीकेश पृथक्केशिनिषूदन॥ १॥ श्रीभगवानुवाच॥ काम्यानां कर्मणां न्यासं संन्यासं कवयो विदुः॥ सर्वकर्म
फलत्यागं प्राहुस्त्यागं विचक्षणाः॥ २॥ त्याज्यं दोषवदित्येके कर्म प्राहुर्मनीषिणः॥ यज्ञदानतपःकर्म न त्याज्यमिति
चापरे॥ ३॥ निश्चयं शृणु मे तत्र त्यागे भरतसत्तम॥ त्यागो हि पुरुषव्याघ्र त्रिविधः संप्रकीर्तितः॥ ४॥ यज्ञदान
तपःकर्म न त्याज्यं कार्यमेव तत्॥ यज्ञो दानं तपश्चैव पावनानि मनीषिणाम्॥ ५॥ एतान्यपि तु कर्माणि संगं त्यक्त्वा
फलानि च॥ कर्तव्यानीति मे पार्थ निश्चितं मतमुत्तमं॥ ६॥ नियतस्य तु संन्यासः कर्मणो नोपपद्यते॥ मोहात्तस्य
परित्यागस्तामसः परिकीर्तितः॥ ७॥ दुःखमित्येव यत्कर्म कायक्लेशभयात्त्यजेत्॥ स कृत्वा राजसं त्यागं नैव त्याग
फलं लभेत्॥ ८॥ कार्यमित्येव यत्कर्म नियतं क्रियतेऽर्जुन॥ संगं त्यक्त्वा फलं चैव स त्यागः सात्त्विको मतः॥ ९॥
न द्वेष्ट्यकुशलं कर्म कुशले नानुषज्जते॥ त्यागी सत्त्वसमाविष्टो मेधावी छिन्नसंशयः॥ १०॥ न हि देहभृता शक्यं
त्यक्तुं कर्माण्यशेषतः॥ यस्तु कर्मफलत्यागी स त्यागीत्यभिधीयते॥ ११॥ अनिष्टमिष्टं मिश्रं च त्रिविधं कर्मणः फलं॥
भवत्यत्यागिनां प्रेत्य न तु संन्यासिनां क्वचित्॥ १२॥ पञ्चैतानि महाबाहो कारणानि निबोध मे॥ सांख्ये कृतान्ते
प्रोक्तानि सिद्धये सर्वकर्मणां॥ १३॥ अधिष्ठानं तथा कर्ता करणं च पृथग्विधं॥ विविधाश्च पृथक्चेष्टा दैवं चैवात्र
पञ्चमं॥ १४॥ शरीरवाङ्मनोभिर्यत्कर्म प्रारभते नरः॥ न्याय्यं वा विपरीतं वा पञ्चैते तस्य हेतवः॥ १५॥ तत्रैवं सति
कर्तारमात्मानं केवलं तु यः॥ पश्यत्यकृतबुद्धित्वान्न स पश्यति दुर्मतिः॥ १६॥ यस्य नाहंकृतो भावो बुद्धिर्यस्य न
लिप्यते॥ हत्वापि स इमाँल्लोकान्न हन्ति न निबध्यते॥ १७॥ ज्ञानं ज्ञेयं परिज्ञाता त्रिविधा कर्मचोदना॥ करणं
कर्म कर्तेति त्रिविधः कर्मसंग्रहः॥ १८॥ ज्ञानं कर्म च कर्ता च त्रिधैव गुणभेदतः॥ प्रोच्यते गुणसंख्याने यथावच्छृणु
तान्यपि॥ १९॥ सर्वभूतेषु येनैकं भावमव्ययमीक्षते॥ अविभक्तं विभक्तेषु तज्ज्ञानं विद्धि सात्त्विकं॥ २०॥ पृथक्त्वेन
तु यज्ज्ञानं नानाभावान्पृथग्विधान्॥ वेत्ति सर्वेषु भूतेषु तज्ज्ञानं विद्धि राजसं॥ २१॥ यत्तु कृत्स्नवदेकस्मिन्कार्ये
सक्तमहैतुकं॥ अतत्त्वार्थवदल्पं च तत्तामसमुदाहृतं॥ २२॥ नियतं संगरहितमरागद्वेषतः कृतं॥ अफलप्रेप्सुना
कर्म यत्तत्सात्त्विकमुच्यते॥ २३॥ यत्तु कामेप्सुना कर्म साहंकारेण वा पुनः॥ क्रियते बहुलायासं तद्राजसमुदाहृतं॥
२४॥ अनुबन्धं क्षयं हिंसामनवेक्ष्य च पौरुषं॥ मोहादारभ्यते कर्म यत्तत्तामसमुच्यते॥ २५॥ मुक्तसंगोऽनहंवादी
धृत्युत्साहसमन्वितः॥ सिद्ध्यसिद्ध्योर्निर्विकारः कर्ता सात्त्विक उच्यते॥ २६॥ रागी कर्मफलप्रेप्सुर्लुब्धो हिंसात्मकोऽशुचिः॥
हर्षशोकान्वितः कर्ता राजसः परिकीर्तितः॥ २७॥ अयुक्तः प्राकृतः स्तब्धः शठो नैष्कृतिकोऽलसः॥ विषादी दीर्घसूत्री
च कर्ता तामस उच्यते॥ २८॥ बुद्धेर्भेदं धृतेश्चैव गुणतस्त्रिविधं शृणु॥ प्रोच्यमानमशेषेण पृथक्त्वेन धनंजय॥ २९॥

ꠀꠀꠀ

ॐ ॥ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभैरवभयानकाय महाकायभूतभयोत्सादनकराय
सर्वभूतविनायकविद्याराजाय त्रिलोकवशंकराय सर्वदुष्टप्रदुष्टानां सर्वसत्त्वानां सर्वभूतानां सर्वविद्यानां
सर्वकुलानां सर्वग्रहाणां सर्वव्याधीनां सर्वज्वराणां सर्वविषाणां सर्वशाकिनीनां सर्वडाकिनीनां
सर्वराक्षसराक्षसीनां सर्वप्रेतपिशाचपूतनाकटपूतनानां सर्वमन्त्रपरमन्त्राणां सर्वपरदुष्टकृतकर्मणां
सर्वदुष्टप्रदुष्टानां सर्वसत्त्वानां सर्वभूतानां सर्वविद्यानां सर्वकुलानां सर्वग्रहाणां सर्वव्याधीनां
सर्वज्वराणां सर्वविषाणां सर्वशाकिनीनां सर्वडाकिनीनां सर्वराक्षसराक्षसीनां सर्वप्रेतपिशाचपूतनाकटपूतनानां
सर्वमन्त्रपरमन्त्राणां सर्वपरदुष्टकृतकर्मणां विषं हन हन दह दह पच पच मथ मथ विध्वंसय विध्वंसय
विद्रावय विद्रावय चूर्णय चूर्णय शोषय शोषय हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय
महाबलपराक्रमाय भूरिभैरवभयानकाय महाकायभूतभयोत्सादनकराय सर्वभूतविनायकविद्याराजाय
त्रिलोकवशंकराय सर्वदुष्टप्रदुष्टानां सर्वसत्त्वानां सर्वभूतानां सर्वविद्यानां सर्वकुलानां सर्वग्रहाणां
सर्वव्याधीनां सर्वज्वराणां सर्वविषाणां सर्वशाकिनीनां सर्वडाकिनीनां सर्वराक्षसराक्षसीनां
सर्वप्रेतपिशाचपूतनाकटपूतनानां सर्वमन्त्रपरमन्त्राणां सर्वपरदुष्टकृतकर्मणां सर्वदुष्टप्रदुष्टानां
सर्वसत्त्वानां सर्वभूतानां सर्वविद्यानां सर्वकुलानां सर्वग्रहाणां सर्वव्याधीनां सर्वज्वराणां
सर्वविषाणां सर्वशाकिनीनां सर्वडाकिनीनां सर्वराक्षसराक्षसीनां सर्वप्रेतपिशाचपूतनाकटपूतनानां
सर्वमन्त्रपरमन्त्राणां सर्वपरदुष्टकृतकर्मणां विषं हन हन दह दह पच पच मथ मथ विध्वंसय
विध्वंसय विद्रावय विद्रावय चूर्णय चूर्णय शोषय शोषय हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो
भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभैरवभयानकाय महाकायभूतभयोत्सादनकराय
सर्वभूतविनायकविद्याराजाय त्रिलोकवशंकराय सर्वदुष्टप्रदुष्टानां सर्वसत्त्वानां सर्वभूतानां
सर्वविद्यानां सर्वकुलानां सर्वग्रहाणां सर्वव्याधीनां सर्वज्वराणां सर्वविषाणां सर्वशाकिनीनां
सर्वडाकिनीनां सर्वराक्षसराक्षसीनां सर्वप्रेतपिशाचपूतनाकटपूतनानां सर्वमन्त्रपरमन्त्राणां
सर्वपरदुष्टकृतकर्मणां सर्वदुष्टप्रदुष्टानां सर्वसत्त्वानां सर्वभूतानां सर्वविद्यानां सर्वकुलानां
सर्वग्रहाणां सर्वव्याधीनां सर्वज्वराणां सर्वविषाणां सर्वशाकिनीनां सर्वडाकिनीनां सर्वराक्षसराक्षसीनां
सर्वप्रेतपिशाचपूतनाकटपूतनानां सर्वमन्त्रपरमन्त्राणां सर्वपरदुष्टकृतकर्मणां विषं हन हन दह दह
पच पच मथ मथ विध्वंसय विध्वंसय विद्रावय विद्रावय चूर्णय चूर्णय शोषय शोषय हुं हुं फट्
फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभैरवभयानकाय महाकाय

ધનુરાવતીબોલિકેપાયાણા ગાયાકુણીનજરાપણવલોબીયા છોકીરોવાઅઝાવરાણા છોકરાવબોલાણાનકેના
કેપાકીયા છોકરાવીઝાકીયાછોકિવાયમા ગાયાબિનાવરનાબ્બનાવધુરાવતીબોલિણા કેપાનકીનાપણાકરાણા
ણપા ાનનાણાછોકરાવતીમબોકીયાતી લેનાપાબોપાપ્યાલપાછોકીનાણા વરેપાઝિવાછાણાવાઅઝનાકીનપા ગાણા
પિનાપાવપાવાછોકરાવરાનકુરાણા લેપાવપેપાપપાવાબાનીરાઅઝાનપાપેપાઅરાવલોકીછોકણાપાણબેપાવરાવબોલા ાવા
બીનઅઝરાનાકુવપાનઅઝનીરેપાકોપાડુકેપાબોણા ધનુરાવતીબોલિણા બબપાકીનાણાનોપા
ઝીનારેણાકીણા પાનીવણાપાપાવંનાબાણાકી રેણાકુનાનલેરાવતીનઅઝપાબેપાપપા વારેનાકુનાણોપાપરેણા

[illegible]

ॐ

ཀྱི་ཚིག་ཏུ་ཡང་ཡང་ཞེས་པ་ནི་ཐེ་ཚོམ་ཟ་བ་ཡིན་ཏེ་ཐེ་ཚོམ་ཟ་བ་ཡང་ཡང་ཞེས་པ་ཡིན་ནོ་ཞེས་ཟེར

ચનીાાાલપાદ્દોલપાતાપનાપનીાતુરાપાલ્ગોાોનીપ્પેાાુાનાલાપનીાસ્તુનાલાલ્ગોાપનીાતુાલપાદ્દીા
લલપાપપારેનીદ્દીલાલુપાનપાનાનાાુપોાલુપાત્રેપાનાલ્પરાલુરાપાલ્પોાપાપોાાોનીાતુરાપ્પાનીાુપાલુત્ર ાુપ્પાાીરાની
ાુરાલ્ગોાાુાોાલાલ્લાાપાપાલાપ્પાાાાુાેલાુાોનીપાપ્પાતુરાપાલનાપાલાપાેનાપાપાલ્યપ્પોાાપોાલુત્રાલાનીરાલાેનાનીાુપા
પ્પો ાાાા

ཐཐཐཐ ཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐ ཐཐཐཐཐཐཐཐ ཐཐཐཐཐཐཐཐ ཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐ
ཐཐཐཐཐཐཐཐ ཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐ ཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐཐ
ཐཐ
ཐཐ
ཐཐ
ཐཐ
ཐཐ
ཐཐ
ཐཐ
ཐཐ
ཐཐ
ཐཐ
ཐཐ
ཐཐ
ཐཐ
ཐཐ
ཐཐ
ཐཐ
ཐཐ
ཐཐ

ꣳ ꣳ ꣳ

ཉེས་ཤིས་བྱུང་གིས་བཙན་པས་ཁ་ཤས་ཆེ་ཞིང་ཁ་ཤས་ཆུང་བ་ཞིག་ཏུ་ཕྱེ་ནས་ཁ་ཤས་ཆེ་བ་ཞིག་ཏུ་ཕྱོགས་ཀྱི་ཡུལ་ཁ་ཤས་ཆུང་བ་ཞིག་ཏུ་ཕྱོགས་ཀྱི་ཡུལ

ଏଥା ଲୋଡ଼ାଡ଼ଭାଡ଼ାଏଲଥାଡ଼ାଏଁଡ଼ାଏଁଡ଼ାଏଁ

ཡང་ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །

ॐ॥ ऽ॥ ऽ॥ ऽ

ಶರಾಭ್ರಾಂಬೀರಾಭ್ರಾಕುಂಭಾರಾಂಭ್ರಾಕಾಶಾಭ್ರಾಶ್ರೀಶ್ರೀಶ್ರೀಂಬೀಂಶಾಂಶಾಂಶಾಂಬೀಂಶಾಂಬೀಂಶಾಂಬೀ

पाशुपाशोवज्रपरापरा। ध्यानाधानहैनाक्षेनाक्षी। वज्रनाभीशोभोधानहेरानधाक्षी। त्रैलो
क्यसुखाधानधाक्षी। क्षुणोधानाक्षीवज्रपरापरा। क्षेधाधधाक्षुणोक्षुधाक्षीपरापरोवज्रपरापरोक्षुधा
क्षेत्रोधानधारीधाक्षेरानारोधाणोधानधाधाक्षुधाक्षुणोनोधाक्षुनाक्षुधाक्षोधा। तनधाक्षुधाक्षीधाणो
क्षुधाक्षुधा तनाक्षुधानारोधनीधाधारोक्षेरधाक्षीधाक्षेत्रोधाक्षीतक्षधाक्षुधाधा।। क्षेक्षुनाक्षीधाक्षधाधाक्षैधाक्षुधाधधा
धपरापक्षिधाधोधानारोधीनाधाक्षीधाक्षुनाधाक्षेधाधाक्षी। रपाक्षीधाक्षीधानक्षेरापक्षीधानधाधाक्षेधाधधाधपरापरापक्षीधाक्षुधा।।
क्षुनीधानारोक्षीधाक्षेधाक्षुणोक्षोधा। क्षुधाधरापक्षुधा। तनधाक्षैधाक्षुधा। धाक्षीधाधधाधनाक्षीधरापक्षीधाक्षुधापरापक्षैधाक्षोधा। धाक्षुधाक्षीधाक्षी।

ऽऽइ।ऽ।ऽऽ।ऽऽ।ऽ। ऽऽऽ।ऽऽ।ऽऽ।ऽऽ।ऽऽ।ऽ। ।ऽ।ऽ।ऽऽ।ऽ।ऽऽ।ऽऽ।ऽ।ऽ।

ಲೀಷಾಽಽರಾಽಽಲಿಪಾಽಪಽಽರಾಽಾಲೀಷಾಽಜ್ಞಾಽಷ್ಟಾಽಷಾ ಽಽಗೀಷ್ಟಾಽಷಾಽಲಿಶಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಗೀಷಾಽಽಗೀಷಾಽಽಲಿಶಾಽಽಲಿಶಾಽಽಲಿಶಾಽಽಲಿಶಾ
ಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾ
ಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾ
ಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾಽಽಪೀಷಾ

ཀཱཡཱ། ཀཱཡཱཀཱཡཱ། ཀཱཡཱཀཱཡཱ། ཀཱཡཱ

ꣻꣾꣽ꣼ꣻꣾꣽ꣼ꣻꣾꣽ꣼

ཐུབ་ཆེན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡང་ཐུགས

ଜ୍ଞାନଗୁଣାନ୍ୟା ଜଡିଜୀବାଜଜୀବୀଜଗୁଣଜୀବୀନ୍ୟା ଜ୍ୟାନ୍ୟାଜ୍ଞାଜ୍ଞାଜ୍ଞାଗୁଣାଜ୍ଞା ଦ୍ୟାଜ୍ଞାଜ୍ଞାଗୁଣାଜ୍ଞାଜ୍ଞାଜ୍ଞାଜ୍ଞାଜ୍ଞା ଗୁଣୀଜୀବାଜଜୀବୀ
ଗୁଣୀଜୀବାଗୁଣାଜୁଣାଜ୍ଞା ଜୀବାଜ୍ଞାଜୀବାଜୀବାଜୁଣାଜୁଣାଜୀବାଜୀ ଜ୍ଞାନ୍ୟାଜଜୁଣାଜୀବାଜୁଣାଜୁଣାଜୀବାଜୀ ଜ୍ଞାଜ୍ଞାଗୁଣାଜୀବାଜୁଣାଜୀବାଜୀବାଜୀବାଜୀବାଜୀ
ଜୁଣାଜୀବାଜୁଣାଜୀବାଜୁଣାଜୀ ଜୀବାଜୁଣାଜୀବାଜୁଣାଜ୍ଞା ଜୀବାଜୁଣାଜୀବାଜୁଣାଜୀବାଜୀବାଜୀବାଜୀବ

ଦୌହିତାଷ୍ଟମୀ ।ମାଧବୀତନୟାଚତୁର୍ଥୀମଧ୍ୟେ। ଶିବାଜୀରାଜ୍ୟାଭିଷେକୀସମ୍ବତ୍ସରାଦ୍ୟାବତ୍ସରା ଦିତ୍ୟବାରାଦ୍ୟାବତ୍ସ
ରାଦ୍ୟାଶ୍ରାବଣୀପୌର୍ଣ୍ଣମାସୀ। ଶ୍ରାବଣେଶୋମବାର। ସଜ୍ଜାଦୈବାଦ୍ଧିଶିବାଧନୀ। ।।ଶ୍ରୀଃ।। ଦ୍ୟାବାପୃଥ୍ୱୀ ଦୈବୀଦୈବ୍ୟା
ଦାସଦାସରାଜୀବା। ସଜୀଦୈବାଦ୍ଧିଶିବାଦ୍ୟାଶ୍ଚିକ୍ଷିତାଦଧାତୀ। ଶିବାଜୀପୁତ୍ରସାମ୍ବାଜୀ ଶ୍ରୀଜାବରାଜ୍ୟାଭିଷେକୀସମ୍ବତ୍ସରା
ଦ୍ୟାବୋଦାସବ୍ରାହ୍ମଣା ଦିତ୍ୟବାରାଦ୍ୟାବତ୍ସରା ମାଘପୌର୍ଣ୍ଣମାସୀ ଦିତ୍ୟବାରାଦ୍ୟାବତ୍ସରା
ତନୟାଷ୍ଟମୀ।।।। ।।ଶ୍ରୀଃ।। ଦ୍ୟାବାପୃଥ୍ୱୀ ଦୈବୀଦୈବ୍ୟାଦାସଦାସରାଜୀବା। ।।ଶ୍ରୀଃ।।

ચમરીગાવાલૈપાશૈરાકીપાકલિવા॥ ઘુગાવચમરીગુગાવાલૈપાગુકેરાકીપાવલ્ગા॥ રાગકેરાલપાકીપાકેરાકેલુપાગુપા
કેરાવાલૈપાગુપા॥ કેરાકેરાજિલાગાલગાગુપાકીપ॥ ગાવરાવલ્લુરાપાપા॥ ઘુગાવલ્લેરાવપુકેરાપાલપપાનેવપાલ્લિપા
વલ્લાલિરાવપારુપાકેરાલેરાલગાપુપાપરારુપાગપપાગવરાવલ્લીગુપા॥ વગરાગુકેરાગાકીપાલેરાલુરાલુરાવાકીરાવાગપાલગૈપા
લેરાપાવપૈવાલૈરાગરાવલ્લીલુપાગાકીપાકિપાકેરાલપાવગૈરાપરાવલુલાગપપાલેરાવપા॥ રાગાલિપાલગુલ્પાલેરા॥...
ગગાકેરાલેરાલગપાવગૈરાપરાવલુરાપાપાલાપાપાગરાવરાગપાલલુગાલેરાપુરા॥ ઘુગાવકેરાલેરાલે
કીપાવલિગાપાપાપાવગપાવલિગાકિપાપુરારીરાવનેરાગારાલેગાવુગાવલેરાકીપાવલેરાપાપાપાવગુગાપરારુગવપાકેરાપરા

ଏଥା ଶୁଣା ଶ୍ରୀଗୌରାଙ୍ଗ ଦୋଳାରୋହଣ ଲୀଳା ଏଥା ଶୁଣା ଶ୍ରୀଗୌରାଙ୍ଗ ଦୋଳାରୋହଣ ଲୀଳା
ଶୁଣା ଶ୍ରୀଗୌରାଙ୍ଗ ଦୋଳାରୋହଣ ଲୀଳା ଏଥା ଶୁଣା ଶ୍ରୀଗୌରାଙ୍ଗ ଦୋଳାରୋହଣ ଲୀଳା
ଏଥା ଶୁଣା ଶ୍ରୀଗୌରାଙ୍ଗ ଦୋଳାରୋହଣ ଲୀଳା ଏଥା ଶୁଣା ଶ୍ରୀଗୌରାଙ୍ଗ ଦୋଳାରୋହଣ ଲୀଳା
ଶୁଣା ଶ୍ରୀଗୌରାଙ୍ଗ ଦୋଳାରୋହଣ ଲୀଳା ଏଥା ଶୁଣା ଶ୍ରୀଗୌରାଙ୍ଗ ଦୋଳାରୋହଣ ଲୀଳା
ଏଥା ଶୁଣା ଶ୍ରୀଗୌରାଙ୍ଗ ଦୋଳାରୋହଣ ଲୀଳା ଏଥା ଶୁଣା ଶ୍ରୀଗୌରାଙ୍ଗ ଦୋଳାରୋହଣ ଲୀଳା
ଶୁଣା ଶ୍ରୀଗୌରାଙ୍ଗ ଦୋଳାରୋହଣ ଲୀଳା ଏଥା ଶୁଣା ଶ୍ରୀଗୌରାଙ୍ଗ ଦୋଳାରୋହଣ ଲୀଳା

ଓଁ ପ୍ରଣମ୍ୟ ଶିରସା ଦେବୀଂ ଗୌରୀଂ ତ୍ରିଭୁବନେଶ୍ୱରୀମ୍ ।
ଏକାନଂଶାଂ ସମୁତ୍ପନ୍ନାଂ ସର୍ବଲୋକହିତେ ରତାମ୍ ।
ବକ୍ଷ୍ୟେ ଶ୍ରୀସିଦ୍ଧଲକ୍ଷ୍ମୀଂ ତୁ ସର୍ବକାମଫଲପ୍ରଦାମ୍ ।
ଭକ୍ତାନାମନୁରୂପାଂ ଚ ପ୍ରବକ୍ଷ୍ୟାମି ଜଗତ୍ ହିତାମ୍ ।
ଶୃଣୁଷ୍ୱ ଦେବି ଚାମୁଣ୍ଡେ ଭକ୍ତାନାଂ ପ୍ରୀତିକାରିଣି ।
ଯଥା ଜ୍ଞାତଂ ମୟା ଦେବି ତବ ସ୍ନେହାତ୍ ପ୍ରକାଶିତମ୍ ।
ଯସ୍ୟ ପ୍ରସାଦମାତ୍ରେଣ ସର୍ବେ ସିଦ୍ଧ୍ୟନ୍ତି ମାନବାଃ ।
ତସ୍ୟାଃ ପ୍ରସାଦମାତ୍ରେଣ ସର୍ବେ ସିଦ୍ଧ୍ୟନ୍ତି ମାନବାଃ ।
ଯସ୍ୟାଃ ପ୍ରସାଦମାତ୍ରେଣ ସର୍ବେ ସିଦ୍ଧ୍ୟନ୍ତି ମାନବାଃ ।
ତସ୍ୟାଃ ପ୍ରସାଦମାତ୍ରେଣ ସର୍ବେ ସିଦ୍ଧ୍ୟନ୍ତି ମାନବାଃ ।

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महायक्षसेनापतये महाबलपराक्रमाय
त्रिभुवनप्रकम्पनकराय हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय
महायक्षसेनापतये महाबलपराक्रमाय त्रिभुवनप्रकम्पनकराय हुं हुं फट् फट्
स्वाहा ॥

ཀཀ།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཅི་ཙམ་ཡོད་པ་དེ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ནོ།།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय नमः परमकारणाय परमपुरुषाय परमात्मने
श्रीमन्महाविष्णवे सर्वेश्वराय सर्वाय सर्वान्तरात्मने सर्वशक्तिमूर्तये अनन्ताय नमो विश्वरूपाय विश्वतैजसाय
विश्वप्राज्ञाय विश्वहिरण्यगर्भाय विराट्पुरुषाय सूत्रात्मने अव्याकृताय नमः नारायणाय ऋषये नरोत्तमाय
हंसाय दत्तात्रेयाय कपिलाय वेदव्यासाय प्रजापतये बृहस्पतये मार्कण्डेयाय मृत्युञ्जयाय परमेष्ठिने ब्रह्मणे
परमेष्ठिने ब्रह्मणे ब्रह्मपुत्राय वसिष्ठाय शक्तये पराशराय गौडपादाय गोविन्दपादाय शङ्करभगवत्पूज्यपादशिष्याय
सनकाय सनन्दनाय सनातनाय सनत्कुमाराय विश्वेश्वराय विश्वरूपाय आदित्याय सवित्रे अर्यम्णे पूषाय
भगाय त्वष्ट्रे पर्जन्याय त्वष्ट्रे विष्णवे मित्राय वरुणाय इन्द्राय धात्रे विधात्रे वरुणाय इन्द्राय विवस्वते

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकोटिनियुतशतसहस्रनिषेवितचरणाय
अतुलबलवीर्यपराक्रमाधृष्याय सर्वदुष्टचित्तविषापहारकाय सर्वग्रहोच्चाटनकराय सर्वविद्युत्प्रपातवज्राशनिसमुद्भवाय
सर्वयक्षराक्षसभूतप्रेतपिशाचोन्मादकापस्मारकुष्माण्डस्कन्दकुम्भाण्डरेवतीमुखसर्वग्रहविनाशनाय
ॐ वज्रपाणये स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय अचलचलय त्रिभुवनमवष्टभ्य तिष्ठते
एहि एहि आगच्छ आगच्छ मम सर्वशत्रून् भक्षय भक्षय सर्वदुष्टान् गृह्ण गृह्ण सर्वयक्षराक्षसभूतप्रेतपिशाचान्
हन हन दह दह पच पच मथ मथ विध्वंसय विध्वंसय विद्रावय विद्रावय चूर्णय चूर्णय सर्वदुष्टचित्तं
कीलय कीलय सर्वदुष्टवाचं स्तम्भय स्तम्भय सर्वदुष्टवीर्यं विनाशय विनाशय सर्वदुष्टदृष्टिं निवारय निवारय
सर्वदुष्टविद्यां छेदय छेदय सर्वदुष्टबन्धनं मोचय मोचय सर्वदुष्टभयं त्रासय त्रासय सर्वदुष्टविषं शोषय शोषय

ཨཱཿ ཧཱུྃ ཨོཾ ཨཱཿ ཧཱུྃ ཨོཾ ཨཱཿ ཧཱུྃ ཨོཾ

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिहारिणे महाविद्याराजाय महाविद्यां साधयिष्ये साधय साधय मम सर्वकार्याणि साधय साधय सर्वदुष्टान् भक्षय भक्षय त्रोटय त्रोटय सर्वविघ्नान् छिन्धि छिन्धि भिन्धि भिन्धि सर्वदुष्टान् मारय मारय सर्वदुष्टान् उच्चाटय उच्चाटय सर्वदुष्टान् विद्रावय विद्रावय सर्वदुष्टान् स्तम्भय स्तम्भय सर्वदुष्टान् विध्वंसय विध्वंसय सर्वदुष्टान् हन हन दह दह पच पच मथ मथ सर्वदुष्टान् ग्रस ग्रस सर्वदुष्टान् हर हर सर्वदुष्टान् सर्वदुष्टानां सर्वदुष्टानां सर्वदुष्टानां

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཙཱ་མ་ནོ་ཨཱ་ཤ་ཡཱ་ཨ་ཤ་ཡཱ་ཨ་ཤ་ཡཱ་ཨ

ꣀ꣖꣔ꣀ꣖꣔ꣀ꣖꣔ꣀ꣖꣔ ꣀ꣖꣔ꣀ꣖꣔ ꣀ꣖꣔ ꣀ꣖꣔

ॐ वज्रसत्त्व समयम् अनुपालय वज्रसत्त्व त्वेनोपतिष्ठ दृढो मे भव सुतोषो मे भव सुपोषो मे भव अनुरक्तो मे भव सर्वसिद्धिं मे प्रयच्छ सर्वकर्मसु च मे चित्तं श्रेयः कुरु हूं हा हा हो भगवन् सर्वतथागतवज्रमा मुञ्च वज्रीभव महासमयसत्त्व अः

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय
ज्वलितमुकुटहारकेयूरभूषिताय सर्पकृतोदरबन्धनाय फणिराजयज्ञोपवीतिने महाभोगफणा-
मण्डलाटोपाय दंष्ट्राकरालवदनविकटाट्टहासविस्फोटितब्रह्माण्डभाण्डोदराय सहस्रभुजाय
सुरासुरशिरोवरपरिघट्टितचरणयुगलाय सप्तरसातलवासिने महाबलाय सर्वपापविनाशनाय
कुरु कुरु सर्वदुष्टानां मुखं स्तम्भय स्तम्भय मारय मारय भञ्जय भञ्जय
सर्वदुष्टानां बलमपहरय पातालवासिनं वासुकिं बन्धय बन्धय ठः ठः ठः
सत्यं ब्रूहि सत्यं ब्रूहि स्फुर स्फुर सत्यवादिनां हृदयं मम हृदयं पच पच
मथ मथ विध्वंसय विध्वंसय विद्रावय विद्रावय चूर्णय चूर्णय सर्वदुष्टानां
हृदयं स्फोटय स्फोटय शीघ्रं कुरु कुरु त्वरां कुरु कुरु हूं फट् स्वाहा ॥

ಲೋಕಾಭ್ಯಾಸಾಲಂಕಾರಾಭ್ಯಾಂ ಪ್ರಬಂಧೋಪಾಧ್ಯಾಯಾಭ್ಯಾಂ ಶ್ರೀಮದ್ಭಾರತೀತೀರ್ಥಾಭ್ಯಾಂ ಶಾಸ್ತ್ರಾಭ್ಯಾಸಾಲಂಕಾರಾಭ್ಯಾಂ ಶ್ರೀಮದ್ಭಾರತೀತೀರ್ಥಾಭ್ಯಾಂ ಗುರುಭ್ಯಾಂ
ಪಾದಾಭ್ಯಾಂ ಅಭಿವಂದ್ಯ ಶ್ರೀಮದ್ಭಾರತೀತೀರ್ಥಾಭ್ಯಾಂ ಪ್ರಾರ್ಥಿತಃ ಸನ್ ಶ್ರೀಮದ್ಭಾರತೀತೀರ್ಥಾಭ್ಯಾಂ ಪ್ರಾರ್ಥಿತಃ ಸನ್
ಶ್ರೀಮದ್ಭಾರತೀತೀರ್ಥಾಭ್ಯಾಂ ಪ್ರಾರ್ಥಿತಃ ಸನ್ ಶ್ರೀಮದ್ಭಾರತೀತೀರ್ಥಾಭ್ಯಾಂ ಪ್ರಾರ್ಥಿತಃ ಸನ್
ಶ್ರೀಮದ್ಭಾರತೀತೀರ್ಥಾಭ್ಯಾಂ ಪ್ರಾರ್ಥಿತಃ ಸನ್ ಶ್ರೀಮದ್ಭಾರತೀತೀರ್ಥಾಭ್ಯಾಂ ಪ್ರಾರ್ಥಿತಃ ಸನ್
ಶ್ರೀಮದ್ಭಾರತೀತೀರ್ಥಾಭ್ಯಾಂ ಪ್ರಾರ್ಥಿತಃ ಸನ್ ಶ್ರೀಮದ್ಭಾರತೀತೀರ್ಥಾಭ್ಯಾಂ ಪ್ರಾರ್ಥಿತಃ ಸನ್

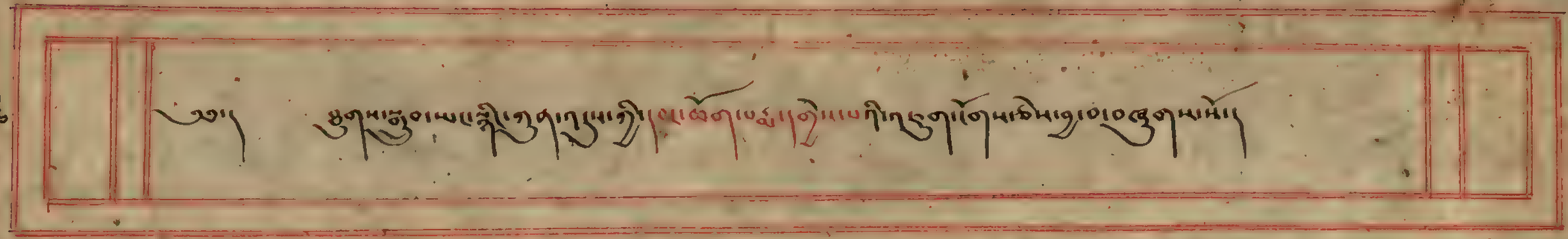

ॐ नमः श्रीगुरुपादुकाभ्यां नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो
भगवते दत्तात्रेयाय ॥ अवधूतचिंतनश्रीगुरुदेवदत्त ॥ दिगंबर दिगंबर श्रीपादवल्लभ दिगंबर ॥
दिगंबर दिगंबर नृसिंहसरस्वती दिगंबर ॥ श्रीगुरुदत्तात्रेयाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते

ସଦ୍ଧିନୀଷ୍ଟିମାଷ୍ଟାମାଷ୍ଟାଦ୍ୟା ଯୋଦ୍ୟାଷ୍ଟୁଷାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଷ୍ଟିମାଷ୍ଟିଦ୍ୟାଷ୍ଟୁଷା ସଦ୍ୟାଷ୍ଟଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଷ୍ଟିମାଷ୍ଟିଦ୍ୟାଷ୍ଟୁଷାଦ୍ୟା ଷ୍ଟୁଷାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଷ୍ଟିମାଷ୍ଟିଦ୍ୟାଷ୍ଟୁଷାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଷ୍ଟିମାଷ୍ଟିଦ୍ୟାଷ୍ଟୁଷାଦ୍ୟା ମାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଷ୍ଟିମାଷ୍ଟିଦ୍ୟାଷ୍ଟୁଷାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଷ୍ଟିମାଷ୍ଟିଦ୍ୟାଷ୍ଟୁଷାଦ୍ୟା

ଦ୍ୟାଷ୍ଟିମାଷ୍ଟିଦ୍ୟାଷ୍ଟୁଷାଦ୍ୟା

ાજીરાકીનાલોવાહ્યોમાંહેરાણારાબલ્યારાબલ્યારાબલીરાણાલોકોરાણીબાલોકોરાણીબાવરાબાવાલોકોરાણીબારાબલુરાણબાપરારાજુબા
નલુરાણીબોબલુરાણીબારાજુબાવલીબારાજુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબા
ણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબા
રાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબા
ણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબા
રાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબા
ણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબા
રાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબા
ણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબારાણાલુબાવલીબારાજુબાણીબોબલુરાણીબા

ગણી વીનયરાજોપાધ્યાયશ્રીલીલાભુ૦ પુણ્યપ્રકાશસ્તવબાલાવબોધાદિવિવરણકારણી ગુરુભ્યોનમઃ
શ્રીલીલાભુ૦ કૃતપ્રકાશસ્તવસ્યાવચૂરિમારભ્યતે૦ કૃતાવતારસ્તુતીરીશ્રીલીલાભુ૦ શ્રીમદ્વાચકપુંગવ
ત્તમવરશ્રી૦ કાલીદાસપાઠકશ્રીરીશ્રીલીલાભુ૦ પૂર્વાચાર્યપ્રાવલ્યાપનીયપાપાવલિનાશનશ્રી૦ શ્રીરાજ્યપ્રાવીણ્યે
નશ્રી૦ વાચનાચાર્યશ્રીવિજયરાજગણિવરાણાં૦ ગ્રન્થાગ્રમાનમુપદર્શ્યતે૦ તત્રાદૌમઙ્ગલાભિધેયસંબન્ધ
પ્રયોજનાન્યાહ૦ તત્રાદૌમઙ્ગલમાહ૦ વાચનાચાર્યશ્રીવિજયરાજગણિવરાણાં૦ ગ્રન્થાગ્રમાનમુપદર્શ્યતે૦
નજીવનદાતારંવલ્લભપાઠકમ્૦ તુલ્યોદ્દેશેકીયપાઠવક્તવ્યતા૦ ગોત્રીયશ્રીપદ્મરાજગણિવરા૦ વાચનાકુલીનશ્રી૦

ॐ नमः शिवायै नमः ॐ नमो भगवते रुद्राय नमः ॐ नमो भगवते रुद्राय नमः ॐ नमो भगवते रुद्राय

ॐ॥ नमो भगवतो अमितायुषे॥ शोदापूर्णा तपाने पूजा भगवतो॥ सूत्रा भगवतो सूत्रो भाषो भाषो॥
भोजना भोजनो भोजना॥ ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय
वज्रतुण्डाय ॐ हुं फट् सर्वविघ्नविनायकानां हृदयानि भिन्धि भिन्धि छिन्धि छिन्धि हुं फट्
स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते महाबलवीराय महाभयभैरवाय महाकायकायाय
वज्रतुण्डाय ॐ हुं फट् सर्वविघ्नविनायकानां हृदयानि भिन्धि भिन्धि छिन्धि छिन्धि हुं फट्
स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते महाबलवीराय महाभयभैरवाय महाकायकायाय
वज्रतुण्डाय ॐ हुं फट् सर्वविघ्नविनायकानां हृदयानि भिन्धि भिन्धि छिन्धि छिन्धि हुं फट्
स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते महाबलवीराय महाभयभैरवाय महाकायकायाय
वज्रतुण्डाय ॐ हुं फट् सर्वविघ्नविनायकानां हृदयानि भिन्धि भिन्धि छिन्धि छिन्धि हुं फट्
स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते महाबलवीराय महाभयभैरवाय महाकायकायाय

॥ ॥ ॥

ཨོཾ་ཨཱཿ། ཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།

ཀྱེ་ཨཱཡ་ཀཱ་ལེ་ཀཱ་ཡཱ་ཝ་ཏྱཻ་ཡཱ། ཀཱ་ལེ་ཡཱ་ཡཱ་ཏྱེ་ཏྱཱ་ཡཱ་ཀྱཻ། ཏྱཻ་ཀཱ་ཡཱ་ཏྱཻ་ཡཱ་ཝ་ཡཱ་ཏྱཻ་ཡཱ། ཡཱ་ཀཱ་ཏྱཻ་ཏྱཱ་ཡཱ་ཏྱཻ་ཡཱ་ཏྱཻ་ཡཱ་ཏྱཻ

ཡིན་ཏེ། ཐོག་མེད་ནས་ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ཡི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ནོ།།

ॐ नमो भगवते अमृतेश्वराय ॐ नमो भगवते अमृतेश्वराय ॐ नमो भगवते अमृतेश्वराय
नमो नमः सर्वविघ्नविनाशनाय नमो नमः सर्वसिद्धिप्रदाय नमो नमः सर्वसौभाग्यकराय
सर्वसत्त्वानुकम्पिने सर्वसत्त्वसुखप्रदाय सर्वसत्त्वसंजीवनाय सर्वसत्त्वसंरक्षणाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय
सर्वसत्त्वसंमोहनाय सर्वसत्त्वसंवशंकराय सर्वसत्त्वसंक्षोभणाय सर्वसत्त्वसंस्तम्भनाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वंशीधरं जगद्वंद्यं देवकीनंदनं हरिं ॥ वसुदेवसुतं वंदे कंसचाणूरमर्दनं ॥ १ ॥
नारायणं नरं कृष्णं हयग्रीवं बकांतकं ॥ वराहं नारसिंहं च वामनं भार्गवं तथा ॥ २ ॥
रामं च रावणध्वंसिनं बुद्धं कल्किनमेव च ॥ दशावतारान्देवेशान्वंदे विष्णुं जगन्मयं ॥ ३ ॥
वसुदेवसुतं देवं कंसचाणूरमर्दनं ॥ देवकीपरमानंदं कृष्णं वंदे जगद्गुरुं ॥ ४ ॥
कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने ॥ प्रणतक्लेशनाशाय गोविंदाय नमो नमः ॥ ५ ॥
नमः पंकजनाभाय नमः पंकजमालिने ॥ नमः पंकजनेत्राय नमस्ते पंकजांघ्रये ॥ ६ ॥
नमो विष्णवे प्रभविष्णवे नमो नमः ॥ नमो नमः ॥ नमो नमः ॥ ७ ॥

কাজিরাছুনীক্ষোবরাদীবনীজীবাগজিরাজীবুবাচুবারণীঝাচীনাকীবাজীবীজিবাদুবাবা
জীবাঝাবজিনারিবাচুক্রিনাবিরাবুবাগজীচুদাচুবা চাবাদীবুবাবরা নবিবাজুরা নজিবাজরাবা
বুবারেরোবৰীবাচুবাগজীগজীবাবাচুবাবা বুবাবাবাবাদীবাবজীবাবাজীবা চুবাগজীজীবাজুবাবাঝাবজা
চুবাবাবাঝাজাবাচুবাজিবীবৰীবাজীবাচুবাবা চিবাবদীবাজবাবাবাবীকাবাগজীবাবাচুবাগজীচুবাবা চুবা
বাবাগজীবাবাচীবাবুঁবা চবাজী বাজিবাগজীবীবাবচুবাবাচুবাচুবাবৰৈবাবা ডীবাজীজবাবাব্যাবাজীবাবাব্যবা
বীবা বুবাবাবাবাবৰীবাগজীবীবাবাজিবাবাবৰীবাচুবাবাদীবাচুবাবাব্যাবাচুবাবাব্যাবাজীবৈবাবচীবাবা চীবাবাজী

ꣳ ꣳ ꣳ

ཨོཾ་སྭཱ་ཧཱ་ཀཱ་ཡ་ཀཱ་ཡ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ अथ श्रीमद्भगवद्गीता ॥ तत्र प्रथमोऽध्यायः ॥ धृतराष्ट्र उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥ संजय उवाच ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डवानीकं व्यूढं दुर्योधनस्तदा ॥ आचार्यमुपसंगम्य राजा वचनमब्रवीत् ॥ २ ॥ पश्यैतां पाण्डुपुत्राणामाचार्य महतीं चमूम् ॥ व्यूढां द्रुपदपुत्रेण तव शिष्येण धीमता ॥ ३ ॥ अत्र शूरा महेष्वासा भीमार्जुनसमा युधि ॥ युयुधानो विराटश्च द्रुपदश्च महारथः ॥ ४ ॥ धृष्टकेतुश्चेकितानः काशिराजश्च वीर्यवान् ॥ पुरुजित्कुन्तिभोजश्च शैब्यश्च नरपुंगवः ॥ ५ ॥ युधामन्युश्च विक्रान्त उत्तमौजाश्च वीर्यवान् ॥ सौभद्रो द्रौपदेयाश्च सर्व एव महारथाः ॥ ६ ॥ अस्माकं तु विशिष्टा ये तान्निबोध द्विजोत्तम ॥ नायका मम सैन्यस्य संज्ञार्थं तान्ब्रवीमि ते ॥ ७ ॥ भवान्भीष्मश्च कर्णश्च कृपश्च समितिंजयः ॥ अश्वत्थामा विकर्णश्च सौमदत्तिस्तथैव च ॥ ८ ॥ अन्ये च बहवः शूरा मदर्थे त्यक्तजीविताः ॥ नानाशस्त्रप्रहरणाः सर्वे युद्धविशारदाः ॥ ९ ॥ अपर्याप्तं तदस्माकं बलं भीष्माभिरक्षितम् ॥ पर्याप्तं त्विदमेतेषां बलं भीमाभिरक्षितम् ॥ १० ॥ अयनेषु च सर्वेषु यथाभागमवस्थिताः ॥ भीष्मं एवाभिरक्षन्तु भवन्तः सर्व एव हि ॥ ११ ॥ तस्य संजनयन्हर्षं कुरुवृद्धः पितामहः ॥ सिंहनादं विनद्योच्चैः शंखं दध्मौ प्रतापवान् ॥ १२ ॥ ततः शंखाश्च भेर्यश्च पणवानकगोमुखाः ॥ सहसैवाभ्यहन्यन्त स शब्दस्तुमुलोऽभवत् ॥ १३ ॥ ततः श्वेतैर्हयैर्युक्ते महति स्यन्दने स्थितौ ॥ माधवः पाण्डवश्चैव दिव्यौ शंखौ प्रदध्मतुः ॥ १४ ॥ पाञ्चजन्यं हृषीकेशो देवदत्तं धनंजयः ॥ पौण्ड्रं दध्मौ महाशंखं भीमकर्मा वृकोदरः ॥ १५ ॥ अनन्तविजयं राजा कुन्तीपुत्रो युधिष्ठिरः ॥ नकुलः सहदेवश्च सुघोषमणिपुष्पकौ ॥ १६ ॥ काश्यश्च परमेष्वासः शिखण्डी च महारथः ॥ धृष्टद्युम्नो विराटश्च सात्यकिश्चापराजितः ॥ १७ ॥ द्रुपदो द्रौपदेयाश्च सर्वशः पृथिवीपते ॥ सौभद्रश्च महाबाहुः शंखान्दध्मुः पृथक्पृथक् ॥ १८ ॥ स घोषो धार्तराष्ट्राणां हृदयानि व्यदारयत् ॥ नभश्च पृथिवीं चैव तुमुलो व्यनुनादयन् ॥ १९ ॥ अथ व्यवस्थितान्दृष्ट्वा धार्तराष्ट्रान्कपिध्वजः ॥ प्रवृत्ते शस्त्रसंपाते धनुरुद्यम्य पाण्डवः ॥ २० ॥ हृषीकेशं तदा वाक्यमिदमाह महीपते ॥ अर्जुन उवाच ॥ सेनयोरुभयोर्मध्ये रथं स्थापय मेऽच्युत ॥ २१ ॥ यावदेतान्निरीक्षेऽहं योद्धुकामानवस्थितान् ॥ कैर्मया सह योद्धव्यमस्मिन्रणसमुद्यमे ॥ २२ ॥ योत्स्यमानानवेक्षेऽहं य एतेऽत्र समागताः ॥ धार्तराष्ट्रस्य दुर्बुद्धेर्युद्धे प्रियचिकीर्षवः ॥ २३ ॥ संजय उवाच ॥ एवमुक्तो हृषीकेशो गुडाकेशेन भारत ॥ सेनयोरुभयोर्मध्ये स्थापयित्वा रथोत्तमम् ॥ २४ ॥ भीष्मद्रोणप्रमुखतः सर्वेषां च महीक्षिताम् ॥ उवाच पार्थ पश्यैतान्समवेतान्कुरूनिति ॥ २५ ॥ तत्रापश्यत्स्थितान्पार्थः पितॄनथ पितामहान् ॥ आचार्यान्मातुलान्भ्रातॄन्पुत्रान्पौत्रान्सखींस्तथा ॥ २६ ॥ श्वशुरान्सुहृदश्चैव सेनयोरुभयोरपि ॥ तान्समीक्ष्य स कौन्तेयः सर्वान्बन्धूनवस्थितान् ॥ २७ ॥ कृपया परयाविष्टो विषीदन्निदमब्रवीत् ॥ अर्जुन उवाच ॥ दृष्ट्वेमं स्वजनं कृष्ण युयुत्सुं समुपस्थितम् ॥ २८ ॥ सीदन्ति मम गात्राणि मुखं च परिशुष्यति ॥ वेपथुश्च शरीरे मे रोमहर्षश्च जायते ॥ २९ ॥ गाण्डीवं स्रंसते हस्तात्त्वक्चैव परिदह्यते ॥ न च शक्नोम्यवस्थातुं भ्रमतीव च मे मनः ॥ ३० ॥ निमित्तानि च पश्यामि विपरीतानि केशव ॥ न च श्रेयोऽनुपश्यामि हत्वा स्वजनमाहवे ॥ ३१ ॥ न काङ्क्षे विजयं कृष्ण न च राज्यं सुखानि च ॥ किं नो राज्येन गोविन्द किं भोगैर्जीवितेन वा ॥ ३२ ॥ येषामर्थे काङ्क्षितं नो राज्यं भोगाः सुखानि च ॥ त इमेऽवस्थिता युद्धे प्राणांस्त्यक्त्वा धनानि च ॥ ३३ ॥ आचार्याः पितरः पुत्रास्तथैव च पितामहाः ॥ मातुलाः श्वशुराः पौत्राः श्यालाः संबन्धिनस्तथा ॥ ३४ ॥ एतान्न हन्तुमिच्छामि घ्नतोऽपि मधुसूदन ॥ अपि त्रैलोक्यराज्यस्य हेतोः किं नु महीकृते ॥ ३५ ॥ निहत्य धार्तराष्ट्रान्नः का प्रीतिः स्याज्जनार्दन ॥ पापमेवाश्रयेदस्मान्हत्वैतानाततायिनः ॥ ३६ ॥ तस्मान्नार्हा वयं हन्तुं धार्तराष्ट्रान्स्वबान्धवान् ॥ स्वजनं हि कथं हत्वा सुखिनः स्याम माधव ॥ ३७ ॥ यद्यप्येते न पश्यन्ति लोभोपहतचेतसः ॥ कुलक्षयकृतं दोषं मित्रद्रोहे च पातकम् ॥ ३८ ॥ कथं न ज्ञेयमस्माभिः पापादस्मान्निवर्तितुम् ॥ कुलक्षयकृतं दोषं प्रपश्यद्भिर्जनार्दन ॥ ३९ ॥ कुलक्षये प्रणश्यन्ति कुलधर्माः सनातनाः ॥ धर्मे नष्टे कुलं कृत्स्नमधर्मोऽभिभवत्युत ॥ ४० ॥ अधर्माभिभवात्कृष्ण प्रदुष्यन्ति कुलस्त्रियः ॥ स्त्रीषु दुष्टासु वार्ष्णेय जायते वर्णसंकरः ॥ ४१ ॥ संकरो नरकायैव कुलघ्नानां कुलस्य च ॥ पतन्ति पितरो ह्येषां लुप्तपिण्डोदकक्रियाः ॥ ४२ ॥ दोषैरेतैः कुलघ्नानां वर्णसंकरकारकैः ॥ उत्साद्यन्ते जातिधर्माः कुलधर्माश्च शाश्वताः ॥ ४३ ॥ उत्सन्नकुलधर्माणां मनुष्याणां जनार्दन ॥ नरकेऽनियतं वासो भवतीत्यनुशुश्रुम ॥ ४४ ॥ अहो बत महत्पापं कर्तुं व्यवसिता वयम् ॥ यद्राज्यसुखलोभेन हन्तुं स्वजनमुद्यताः ॥ ४५ ॥ यदि मामप्रतीकारमशस्त्रं शस्त्रपाणयः ॥ धार्तराष्ट्रा रणे हन्युस्तन्मे क्षेमतरं भवेत् ॥ ४६ ॥ संजय उवाच ॥ एवमुक्त्वार्जुनः संख्ये रथोपस्थ उपाविशत् ॥ विसृज्य सशरं चापं शोकसंविग्नमानसः ॥ ४७ ॥ ॐ तत्सदिति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनविषादयोगो नाम प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥

ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཡི་ནི་ཐུགས་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐུགས་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་
ཐུགས་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐུགས་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་
ཐུགས་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐུགས་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་
ཐུགས་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐུགས་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་

ཀྱེ་ཧེ་བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱི་ཞལ་ནས་ཐོས་པ་ཡིན་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཆོས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པ་ཉིད་ཀྱི་ཚིག་ཏུ

ॐ॥ श्री॥ गच्छतामनुयायिनोऽपि गुणभवन्ति साधवः॥ न हि सप्तपर्णोऽपि सुरभिर्भवति वार्ताकी॥ पुनरपि श्रीभगवानाह॥ यो मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति॥ तस्याहं न प्रणश्यामि स च मे न प्रणश्यति॥ सर्वभूतस्थितं यो मां भजत्येकत्वमास्थितः॥ सर्वथा वर्तमानोऽपि स योगी मयि वर्तते॥ आत्मौपम्येन सर्वत्र समं पश्यति योऽर्जुन॥ सुखं वा यदि वा दुःखं स योगी परमो मतः॥ योगिनामपि सर्वेषां मद्गतेनान्तरात्मना॥ श्रद्धावान्भजते यो मां स मे युक्ततमो मतः॥ अथ पुनर्भगवानाह॥ मय्यासक्तमनाः पार्थ योगं युञ्जन्मदाश्रयः॥ असंशयं समग्रं मां यथा ज्ञास्यसि तच्छृणु॥ ज्ञानं तेऽहं सविज्ञानमिदं वक्ष्याम्यशेषतः॥ यज्ज्ञात्वा नेह भूयोऽन्यज्ज्ञातव्यमवशिष्यते॥ मनुष्याणां सहस्रेषु कश्चिद्यतति सिद्धये॥ यततामपि सिद्धानां कश्चिन्मां वेत्ति तत्त्वतः॥ भूमिरापोऽनलो वायुः खं मनो बुद्धिरेव च॥ अहंकार इतीयं मे भिन्ना प्रकृतिरष्टधा॥

ଜିବାଶିବାଧରାଜଗତିଜିଲ୍ଲାଧରାଧରାଧରାଜିଲ୍ଲାଜୁବାଜିଜୁବାଜିଜୁବାଜି

ཀྱི་ཤུ་རཱ་ཡོ་ནེ་པཱ་ན་ལ་ཡཱ་ཨཱ། ཁ་ཤཱ་ཏ་རཱ་ཧོ་ལུ་ཏཱ་ཧྲི་ཡཱ་ཨཱ། ཁ་ཡཱ་ཏཱ་ཧྲི་ཏཱ་ཤྲི་ཡཱ་ཨཱ། ཤྲེ་ཡོ་ཁ་ཏི་ཁཱ་
ཏུ་ཨཱ་ཤྲི་ཡཱ་ཨཱ། ཏཱ་ཧྲི་ཡཱ་ཨཱ་ཁ་ཏཱ་ཡོ་ཁ་ཏི་ཁཱ། ཏཱ་ཧྲི་ཡཱ་ཨཱ་ཁ་ཏཱ་ཡོ་ཁ་ཏི་ཁཱ་ཏུ་ཨཱ་ཤྲི་ཡཱ་ཨཱ། ཁ་ཡཱ་ཏཱ་ཧྲི་
ཏཱ་ཤྲི་ཡཱ་ཨཱ། ཁ་ཡཱ་ཏཱ་ཧྲི་ཏཱ་ཤྲི་ཡཱ་ཨཱ་ཁ་ཏཱ་ཡོ་ཁ་ཏི་ཁཱ། ཏཱ་ཧྲི་ཡཱ་ཨཱ་ཁ་ཏཱ་ཡོ་ཁ་ཏི་ཁཱ་ཏུ་ཨཱ་ཤྲི་ཡཱ་ཨཱ།
ཤྲེ་ཡོ་ཁ་ཏི་ཁཱ་ཏུ་ཨཱ་ཤྲི་ཡཱ་ཨཱ། ཏཱ་ཧ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भयभैरवभीषणाय महाकायप्रचण्डाय कल्पान्तदहनोपमाय
मेरुकैलासमन्दरशिखरकटकविदारणकराय महाट्टहासं मुञ्चमुञ्च भीषय भीषय सर्वभूतानि त्रासय त्रासय
सर्वदुष्टान् भक्षय भक्षय हिंसय हिंसय मारय मारय शोषय शोषय मथ मथ प्रमथ प्रमथ विध्वंसय
विध्वंसय विद्रावय विद्रावय हन हन दह दह पच पच सर्वदुष्टानां वाचं मुखं पादौ हृदयं मनः
स्तम्भय स्तम्भय जिह्वां कीलय कीलय बुद्धिं विनाशय विनाशय ॐ अकालमृत्युपरिरक्षणकराय
सर्वसत्त्वानां सर्वभयेभ्यः सर्वोपद्रवेभ्यः सर्वशत्रुभ्यः सर्वविषेभ्यः सर्वग्रहेभ्यः सर्वव्याधिभ्यः
सर्वज्वरेभ्यः सर्वरोगेभ्यः सर्वकर्मक्लेशेभ्यः सर्वदुष्टेभ्यः सर्वदुष्टप्रदुष्टेभ्यः सर्वदुष्टनिवारणकराय
सर्वदुष्टान् भक्षय भक्षय हिंसय हिंसय मारय मारय शोषय शोषय मथ मथ प्रमथ प्रमथ विध्वंसय
विध्वंसय विद्रावय विद्रावय हन हन दह दह पच पच सर्वदुष्टानां वाचं मुखं पादौ हृदयं मनः
स्तम्भय स्तम्भय जिह्वां कीलय कीलय बुद्धिं विनाशय विनाशय ॐ अकालमृत्युपरिरक्षणकराय
सर्वसत्त्वानां सर्वभयेभ्यः सर्वोपद्रवेभ्यः सर्वशत्रुभ्यः सर्वविषेभ्यः सर्वग्रहेभ्यः सर्वव्याधिभ्यः
सर्वज्वरेभ्यः सर्वरोगेभ्यः सर्वकर्मक्लेशेभ्यः सर्वदुष्टेभ्यः सर्वदुष्टप्रदुष्टेभ्यः सर्वदुष्टनिवारणकराय
ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भयभैरवभीषणाय महाकायप्रचण्डाय कल्पान्तदहनोपमाय
मेरुकैलासमन्दरशिखरकटकविदारणकराय महाट्टहासं मुञ्चमुञ्च भीषय भीषय सर्वभूतानि त्रासय त्रासय
सर्वदुष्टान् भक्षय भक्षय हिंसय हिंसय मारय मारय शोषय शोषय मथ मथ प्रमथ प्रमथ विध्वंसय
विध्वंसय विद्रावय विद्रावय हन हन दह दह पच पच सर्वदुष्टानां वाचं मुखं पादौ हृदयं मनः
स्तम्भय स्तम्भय जिह्वां कीलय कीलय बुद्धिं विनाशय विनाशय ॐ अकालमृत्युपरिरक्षणकराय
सर्वसत्त्वानां सर्वभयेभ्यः सर्वोपद्रवेभ्यः सर्वशत्रुभ्यः सर्वविषेभ्यः सर्वग्रहेभ्यः सर्वव्याधिभ्यः
सर्वज्वरेभ्यः सर्वरोगेभ्यः सर्वकर्मक्लेशेभ्यः सर्वदुष्टेभ्यः सर्वदुष्टप्रदुष्टेभ्यः सर्वदुष्टनिवारणकराय

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय
महाकालरूपिणे त्रिशिरसे त्रिलोचनाय भस्मोद्धूलितसर्वाङ्गाय सर्पकृतोपवीताय
नीलकण्ठाय महाभैरवाय नमो नमः हुं हुं हुं फट् फट् फट् स्वाहा ॥

ঽ৷৷ ঽ৷৷ ঽ৷৷

ॐ। श्रीगणपतये नमः। श्रीसरस्वत्यै नमः। श्रीगुरुभ्यो नमः। हरिः ॐ। श्रीमद्भगवद्गीता। प्रथमोऽध्यायः। धृतराष्ट्र उवाच। धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः। मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय॥१॥ संजय उवाच। दृष्ट्वा तु पाण्डवानीकं व्यूढं दुर्योधनस्तदा। आचार्यमुपसंगम्य राजा वचनमब्रवीत्॥२॥ पश्यैतां पाण्डुपुत्राणामाचार्य महतीं चमूम्। व्यूढां द्रुपदपुत्रेण तव शिष्येण धीमता॥३॥ अत्र शूरा महेष्वासा भीमार्जुनसमा युधि। युयुधानो विराटश्च द्रुपदश्च महारथः॥४॥ धृष्टकेतुश्चेकितानः काशिराजश्च वीर्यवान्। पुरुजित्कुन्तिभोजश्च शैब्यश्च नरपुङ्गवः॥५॥ युधामन्युश्च विक्रान्त उत्तमौजाश्च वीर्यवान्। सौभद्रो द्रौपदेयाश्च सर्व एव महारथाः॥६॥ अस्माकं तु विशिष्टा ये तान्निबोध द्विजोत्तम। नायका मम सैन्यस्य संज्ञार्थं तान्ब्रवीमि ते॥७॥ भवान्भीष्मश्च कर्णश्च कृपश्च समितिंजयः। अश्वत्थामा विकर्णश्च सौमदत्तिस्तथैव च॥८॥ अन्ये च बहवः शूरा मदर्थे त्यक्तजीविताः। नानाशस्त्रप्रहरणाः सर्वे युद्धविशारदाः॥९॥ अपर्याप्तं तदस्माकं बलं भीष्माभिरक्षितम्। पर्याप्तं त्विदमेतेषां बलं भीमाभिरक्षितम्॥१०॥ अयनेषु च सर्वेषु यथाभागमवस्थिताः। भीष्मं एवाभिरक्षन्तु भवन्तः सर्व एव हि॥११॥ तस्य संजनयन्हर्षं कुरुवृद्धः पितामहः। सिंहनादं विनद्योच्चैः शङ्खं दध्मौ प्रतापवान्॥१२॥ ततः शङ्खाश्च भेर्यश्च पणवानकगोमुखाः। सहसैवाभ्यहन्यन्त स शब्दस्तुमुलोऽभवत्॥१३॥ ततः श्वेतैर्हयैर्युक्ते महति स्यन्दने स्थितौ। माधवः पाण्डवश्चैव दिव्यौ शङ्खौ प्रदध्मतुः॥१४॥ पाञ्चजन्यं हृषीकेशो देवदत्तं धनंजयः। पौण्ड्रं दध्मौ महाशङ्खं भीमकर्मा वृकोदरः॥१५॥ अनन्तविजयं राजा कुन्तीपुत्रो युधिष्ठिरः। नकुलः सहदेवश्च सुघोषमणिपुष्पकौ॥१६॥ काश्यश्च परमेष्वासः शिखण्डी च महारथः। धृष्टद्युम्नो विराटश्च सात्यकिश्चापराजितः॥१७॥ द्रुपदो द्रौपदेयाश्च सर्वशः पृथिवीपते। सौभद्रश्च महाबाहुः शङ्खान्दध्मुः पृथक्पृथक्॥१८॥ स घोषो धार्तराष्ट्राणां हृदयानि व्यदारयत्। नभश्च पृथिवीं चैव तुमुलो व्यनुनादयन्॥१९॥ अथ व्यवस्थितान्दृष्ट्वा धार्तराष्ट्रान्कपिध्वजः। प्रवृत्ते शस्त्रसंपाते धनुरुद्यम्य पाण्डवः॥२०॥ हृषीकेशं तदा वाक्यमिदमाह महीपते। अर्जुन उवाच। सेनयोरुभयोर्मध्ये रथं स्थापय मेऽच्युत॥२१॥ यावदेतान्निरीक्षेऽहं योद्धुकामानवस्थितान्। कैर्मया सह योद्धव्यमस्मिन्रणसमुद्यमे॥२२॥ योत्स्यमानानवेक्षेऽहं य एतेऽत्र समागताः। धार्तराष्ट्रस्य दुर्बुद्धेर्युद्धे प्रियचिकीर्षवः॥२३॥ एवमुक्तो हृषीकेशो गुडाकेशेन भारत। सेनयोरुभयोर्मध्ये स्थापयित्वा रथोत्तमम्॥२४॥ भीष्मद्रोणप्रमुखतः सर्वेषां च महीक्षिताम्। उवाच पार्थ पश्यैतान्समवेतान्कुरूनिति॥२५॥ तत्रापश्यत्स्थितान्पार्थः पितॄनथ पितामहान्। आचार्यान्मातुलान्भ्रातॄन्पुत्रान्पौत्रान्सखींस्तथा॥२६॥ श्वशुरान्सुहृदश्चैव सेनयोरुभयोरपि। तान्समीक्ष्य स कौन्तेयः सर्वान्बन्धूनवस्थितान्॥२७॥ कृपया परयाविष्टो विषीदन्निदमब्रवीत्। अर्जुन उवाच। दृष्ट्वेमं स्वजनं कृष्ण युयुत्सुं समुपस्थितम्॥२८॥ सीदन्ति मम गात्राणि मुखं च परिशुष्यति। वेपथुश्च शरीरे मे रोमहर्षश्च जायते॥२९॥ गाण्डीवं स्रंसते हस्तात्त्वक्चैव परिदह्यते। न च शक्नोम्यवस्थातुं भ्रमतीव च मे मनः॥३०॥ निमित्तानि च पश्यामि विपरीतानि केशव। न च श्रेयोऽनुपश्यामि हत्वा स्वजनमाहवे॥३१॥ न काङ्क्षे विजयं कृष्ण न च राज्यं सुखानि च। किं नो राज्येन गोविन्द किं भोगैर्जीवितेन वा॥३२॥ येषामर्थे काङ्क्षितं नो राज्यं भोगाः सुखानि च। त इमेऽवस्थिता युद्धे प्राणांस्त्यक्त्वा धनानि च॥३३॥ आचार्याः पितरः पुत्रास्तथैव च पितामहाः। मातुलाः श्वशुराः पौत्राः श्यालाः संबन्धिनस्तथा॥३४॥ एतान्न हन्तुमिच्छामि घ्नतोऽपि मधुसूदन। अपि त्रैलोक्यराज्यस्य हेतोः किं नु महीकृते॥३५॥ निहत्य धार्तराष्ट्रान्नः का प्रीतिः स्याज्जनार्दन। पापमेवाश्रयेदस्मान्हत्वैतानाततायिनः॥३६॥ तस्मान्नार्हा वयं हन्तुं धार्तराष्ट्रान्स्वबान्धवान्। स्वजनं हि कथं हत्वा सुखिनः स्याम माधव॥३७॥ यद्यप्येते न पश्यन्ति लोभोपहतचेतसः। कुलक्षयकृतं दोषं मित्रद्रोहे च पातकम्॥३८॥ कथं न ज्ञेयमस्माभिः पापादस्मान्निवर्तितुम्। कुलक्षयकृतं दोषं प्रपश्यद्भिर्जनार्दन॥३९॥ कुलक्षये प्रणश्यन्ति कुलधर्माः सनातनाः। धर्मे नष्टे कुलं कृत्स्नमधर्मोऽभिभवत्युत॥४०॥ अधर्माभिभवात्कृष्ण प्रदुष्यन्ति कुलस्त्रियः। स्त्रीषु दुष्टासु वार्ष्णेय जायते वर्णसंकरः॥४१॥ संकरो नरकायैव कुलघ्नानां कुलस्य च। पतन्ति पितरो ह्येषां लुप्तपिण्डोदकक्रियाः॥४२॥ दोषैरेतैः कुलघ्नानां वर्णसंकरकारकैः। उत्साद्यन्ते जातिधर्माः कुलधर्माश्च शाश्वताः॥४३॥ उत्सन्नकुलधर्माणां मनुष्याणां जनार्दन। नरकेऽनियतं वासो भवतीत्यनुशुश्रुम॥४४॥ अहो बत महत्पापं कर्तुं व्यवसिता वयम्। यद्राज्यसुखलोभेन हन्तुं स्वजनमुद्यताः॥४५॥ यदि मामप्रतीकारमशस्त्रं शस्त्रपाणयः। धार्तराष्ट्रा रणे हन्युस्तन्मे क्षेमतरं भवेत्॥४६॥ संजय उवाच। एवमुक्त्वार्जुनः संख्ये रथोपस्थ उपाविशत्। विसृज्य सशरं चापं शोकसंविग्नमानसः॥४७॥ ॐ तत्सदिति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनविषादयोगो नाम प्रथमोऽध्यायः॥१॥

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसराय महाविद्याराजाय

ཤ།། ཡ།བཅོ་ཧེ།ཐ་པ།ཡ།པ།། ཏཛེ།ལ་ཐ།ཀ།ཤ།།ཏ།ཏ།ཏ།ཏ།ཐ།ཀ།ལ་ཐ།ཀ།ལ།། ཐ་ཀི་པ།ཏ།ཏ།ཐ།
ལ།ཐ་ཀི་ཏ།ཤ།ལ་ཐ།ཏ།། རི་པ།ཏ།ཐ།ཏ།ཏ།ཐ།ཀ།ཐ།ཀ།ཐ།ཐ།ལ་ཐ།ཐ་ཀ།ཐ།།། ཨཨཨཨཨ ཤ།ཀི་ཤ།ཀི་ ཤ།ཐ།ཀི་ཐ།ལ།
ཏ།ཐ།།། རི་ཐ།ཤ།ཀ།ཤ།ལ་ཐ།ཏ།ཏ།ཐ།ཐ།ཐ

ཡང་ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཡིས་ཀྱ

ཐལ་བ་ཐུབ་པ་ཡིན་ནོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་

ལྷ་ཡི་ཚོགས་ཀྱིས་བསྐོར་ཞིང་བསྟོད་པ་ཐོས་ཏེ། ཁྱོད་ཀྱི་ཞིང་དུ་ཡང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡི་ཆོས་ཀྱི་རྣམ་གྲངས་ཀྱི་ཚིག་ཙམ་ཡང་ཐོས་ཏེ་ཡིད་ཆེས་པ་ཡང་ཡོད་ན

ཐུབ་པའི་དགོངས་པ་ཟབ་མོ་ཁོ་ནའི་ཕྱིར་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་དུ་ཡང་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་

ལ་ཐོབ་པའི་རྒྱུ་ཚོགས་ཐམས་ཅད་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པར་བྱེད་པ་ཡིན་ཏེ། ལ་ཐོབ་པའི་
ཚེ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་
ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཟུང་དུ་འབྲེལ་པ་ཡིན་ནོ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡོན་ཏན་
ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཟུང་དུ་
འབྲེལ་པ་ཡིན་ནོ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་
ཡེ་ཤེས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཟུང་དུ་འབྲེལ་པ་ཡིན་ནོ། ཐམས་ཅད་
ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་
འཛིན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཟུང་དུ་འབྲེལ་པ་ཡིན་ནོ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཐམས་
ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཟུང་དུ་འབྲེལ་
པ་ཡིན་ནོ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་
ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཟུང་དུ་འབྲེལ་པ་ཡིན་ནོ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་
ཅད་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐམས་
ཅད་ཀྱི་ཟུང་དུ་འབྲེལ་པ་ཡིན་ནོ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་
ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཟུང་དུ་འབྲེལ་པ་ཡིན་ནོ།

ཀྱི་ཡང་ཞིབ་ཏུ་ཤེས་པ་ལས་ཐོབ་ཅིང་། རྟོག་ཞིབ་ཏུ་ཤེས་པ་ཡིས་ཀང་ཐོབ་ཅིང་། ཡིད་ཀྱི་ཤེས་པ་ཡིས་ཀང་ཐོབ་ཅིང་།
ཤེས་རབ་ཀྱིས་ཀང་ཐོབ་ཅིང་། སྤྱན་གྱིས་ཀང་ཐོབ་ཅིང་། ལམ་ལས་ཀང་ཐོབ་ཅིང་། ཐོས་པ་ཡིས་ཀང་ཐོབ་ཅིང་། ཐོས་པ་ཡིས་
ཀང་ཐོབ་ཅིང་། ཐོས་པ་ཡིས་ཀང་ཐོབ་ཅིང་། ཐོས་པ་ཡིས་ཀང་ཐོབ་ཅིང་། ཐོས་པ་ཡིས་ཀང་ཐོབ་ཅིང་། ཐོས་པ་ཡིས་ཀང་
ཐོབ་ཅིང་། རྟོག་ཞིབ་ཏུ་ཤེས་པ་ལས་ཐོབ་ཅིང་། རྟོག་ཞིབ་ཏུ་ཤེས་པ་ཡིས་ཀང་ཐོབ་ཅིང་། ཡིད་ཀྱི་ཤེས་པ་ཡིས་ཀང་ཐོབ་ཅིང་།
ཤེས་རབ་ཀྱིས་ཀང་ཐོབ་ཅིང་། སྤྱན་གྱིས་ཀང་ཐོབ་ཅིང་། ལམ་ལས་ཀང་ཐོབ་ཅིང་། ཐོས་པ་ཡིས་ཀང་ཐོབ་ཅིང་། ཐོས་པ་ཡིས་
ཀང་ཐོབ་ཅིང་། ཐོས་པ་ཡིས་ཀང་ཐོབ་ཅིང་། ཐོས་པ་ཡིས་ཀང་ཐོབ་ཅིང་། ཐོས་པ་ཡིས་ཀང་ཐོབ་ཅིང་། ཐོས་པ་ཡིས་ཀང་

ཡང་ལྷག་པའི། རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང

ཀ།།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ཡང་ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡིད་ཀྱི

ଓଁ ଶ୍ରୀଗଣେଶାୟନମଃ ଅଥଶ୍ରୀ ଦୈବଜ୍ଞବିଜୟାଭରଣଗ୍ରନ୍ଥଃ ପ୍ରାରଭ୍ୟତେ ନତ୍ୱାଗଣେଶ୍ୱରପଦା
ମୀଶ୍ୱରାଦ୍ୟାନ୍ଦେବାନ୍ ମୀନକେତନପାଦୁକାଃ ଶୋଭାଶତୈରୁପେତାଶ୍ଚ ସର୍ବଦାଶ୍ରୀଗୁରୋଃପଦା
ମିତ୍ୟାଦି ଶ୍ରୀଗୁରୁଚରଣାରବିନ୍ଦଯୁଗଳଂ ଶିରସାନମସ୍କୃତ୍ୟ ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା
ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା
ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା
ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା
ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା
ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା ଶ୍ରୀଗୁରୁଂ ନତ୍ୱା

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ནི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ།།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ནི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ།།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ནི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ།།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ནི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ།།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ནི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ།།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ནི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ།།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ནི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ།།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ནི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ།།

ಅಭಿಷಾಸ್ಯಾಽಽಽಽಽಽಽಽಽಽಽಽಽಽಽಽ ಅಥಾತೋಽಭಿಷೇಕಾಧ್ಯಾಯಂ ವ್ಯಾಖ್ಯಾಸ್ಯಾಮಃ ತಮಿಮಾಽಽಗತಯೋಽಭಿಷೇಕಾಯ ಪ್ರಾಪಯಂತಿ ಸ್ವಾ
ಮಿನಂ ಸಂಪ್ರಾಪಯಂತಿ ಸಂಪ್ರಾಪಯಂತಿ ತಮಿಮಾಽಽಗತಯೋಽಭಿಷೇಕಾಯ ಪ್ರಾಪಯಂತಿ ಸ್ವಾಮಿನಂ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसरे महाविद्याराज्ञि सर्वतथागतहृदयाधिष्ठिते ॐ विश्वविश्वोद्भवे
शुद्धे अनादिनिधने वज्रशृङ्खलप्रतिसरे वज्रमणिमुकुटधारिणि वज्रज्वालाकेशे वज्रोदरि वज्रदंष्ट्रे वज्रनखे वज्रहस्ते
वज्रकायवज्रसंहननवज्रजिह्वे वज्रकृष्णवर्णे महाकृष्णवर्णे महाकृष्णतनुरुहे महाकृष्णदंष्ट्रे महाकृष्णनखे महाकृष्णहस्ते
महाकृष्णकायमहाकृष्णसंहननमहाकृष्णजिह्व

ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུམ་ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །དེ་ནས་བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱིས་ཚེ་དང་ལྡན་པ་རབ་འབྱོར་ལ་བཀའ་སྩལ་པ། རབ་འབྱོར་ཇི་ལྟར་ན་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་སེམས་དཔའ་ཆེན་པོ་ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཟབ་མོ་ལ་སྤྱོད་པ་དེ་ཇི་ལྟར་ན

ལྷ། ལེའུ། ལེའུ། ལོའུ། ཆེས་ཡང་ཆེས་ཡང་ཆེས་ཡང་

ཏུ་ཐལ་གྱི་ཚེ་ཐུབ་པ་ཆོས་ཀྱི་ཏུ་ཐལ་ལྟ་བུ། དགེ་སློང་དག་ཁྱོད་ཀྱིས་ཇི་ལྟར་ཐོས་པ་བཞིན་དུ་ཆོས་ཀྱི་ཏུ་ཐལ་ཡང་ཐོས་ཤིག་ཅེས་བྱ་བ་ནས་ཀྱང

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ལ་སོགས་པ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ངང་ལས་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ངང་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཐིག་ལ

[illegible]

ꠢꠣꠞꠤꠟꠣꠢꠣꠞꠤꠟꠣꠢꠣꠞꠤꠟꠣ

ཀུན་དུ་ཡིད་བཞིན་འབྱུང་བ་ཐོབ་པ། ཀུན་དུ་ནམ་མཁའ་ཇི་སྙེད་པ་ཐོབ་པ། ཐོབ་པ་ལས་ཀྱི་ལམ་ཐམས་ཅད་ལས་གྲོལ་བ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་
ལུས་ཀྱི་ཁམས་ཐོབ་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡིད་ཀྱི་ཁམས་ཐོབ་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པའི་ཁམས་ཐོབ་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་
ལས་ཀྱི་ཁམས་ཐོབ་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་སྐྱེ་བ་ཐོབ་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཐོབ་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་
ཤེས་པའི་ཁམས་ཐོབ་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཐོབ་པ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཐོབ་པ་ཐམས་ཅད་
ཀྱི་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པའི་ཁམས་ཐོབ་པ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཐོབ་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་

[illegible]

ꦱꦸꦫꦠꦺꦴꦤ꧀ꦥꦸꦫꦸꦱꦴꦢꦶꦤꦶꦩꦶꦭꦶꦪꦧꦸꦢꦺꦴꦪꦤꦺꦴꦩꦃ། ꦪꦚꦺꦴꦱꦶꦢ꧀ꦥꦤꦶꦲꦸꦃꦭꦪꦧꦸꦢꦺꦴꦪꦤꦺꦴꦩꦃ ꦱꦸꦫꦠꦺꦴꦤ꧀ꦥꦸꦫꦸꦱꦴꦢꦶꦤꦶꦩꦶꦭꦶꦪꦧꦸꦢꦺꦴꦪꦤꦺꦴꦩꦃ
ꦤꦺꦴꦫꦠꦺꦴꦤ꧀ꦥꦶꦪꦭꦺꦴꦢꦶꦤꦪꦧꦸꦢꦺꦴꦪꦤꦺꦴꦩꦃ ꦲꦶꦪꦺꦴꦱꦶꦢ꧀ꦥꦤꦶꦲꦸꦃꦭꦪꦧꦸꦢꦺꦴꦪꦤꦺꦴꦩꦃ ꦲꦶꦪꦺꦴꦤꦺꦴꦫꦠꦺꦴꦤ꧀ꦥꦶꦪꦭꦺꦴꦢꦶꦤꦪꦧꦸꦢꦺꦴꦪꦤꦺꦴꦩꦃ
ꦱꦸꦫꦠꦺꦴꦤ꧀ꦥꦸꦫꦸꦱꦴꦢꦶꦤꦶꦩꦶꦭꦶꦪꦧꦸꦢꦺꦴꦪꦤꦺꦴꦩꦃ ꦪꦚꦺꦴꦱꦶꦢ꧀ꦥꦤꦶꦲꦸꦃꦭꦪꦧꦸꦢꦺꦴꦪꦤꦺꦴꦩꦃ ꦱꦸꦫꦠꦺꦴꦤ꧀ꦥꦸꦫꦸꦱꦴꦢꦶꦤꦶꦩꦶꦭꦶꦪꦧꦸꦢꦺꦴꦪꦤꦺꦴꦩꦃ
ꦤꦺꦴꦫꦠꦺꦴꦤ꧀ꦥꦶꦪꦭꦺꦴꦢꦶꦤꦪꦧꦸꦢꦺꦴꦪꦤꦺꦴꦩꦃ ꦲꦶꦪꦺꦴꦱꦶꦢ꧀ꦥꦤꦶꦲꦸꦃꦭꦪꦧꦸꦢꦺꦴꦪꦤꦺꦴꦩꦃ ꦲꦶꦪꦺꦴꦤꦺꦴꦫꦠꦺꦴꦤ꧀ꦥꦶꦪꦭꦺꦴꦢꦶꦤꦪꦧꦸꦢꦺꦴꦪꦤꦺꦴꦩꦃ

তত্রাদৌ তাবদ্ধরিভক্তিবিলাসে।। যথাশ্রীবিষ্ণুধর্ম্মোত্তরে।। তত্রাদৌ।
নরসিংহপুরাণে।।।। নত্বাদৌ তাবদ্ধরিভক্তিবিলাসে।। তত্রাদৌ।
পদ্মপুরাণে।। তত্রাদৌ তাবদ্ধরিভক্তিবিলাসে।। তত্রাদৌ।
তত্রাদৌ তাবদ্ধরিভক্তিবিলাসে।। তত্রাদৌ।
হরিভক্তিবিলাসে।।।। নত্বাদৌ তাবদ্ধরিভক্তিবিলাসে।। তত্রাদৌ।

ཞིབ་པའི་རྟོག་པ་ཐབས་ཤེས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཅན་ཡིན་ཏེ།

ཡང་ཁྱོད་ཀྱི་ཕྱིར་ཡང་ཁྱོད་ཀྱི་ཕྱིར་ཡང་ཁྱོད་ཀྱི་ཕྱིར་

೨೨೫ ಯೋಗಾಭ್ಯಾಸಿಗಳಿಗೆ ಸಿದ್ಧಿಗಳು ಉಂಟಾಗುವ ಕ್ರಮ

ಯೋಗಾಭ್ಯಾಸಿಗಳಿಗೆ ಸಿದ್ಧಿಗಳು ಉಂಟಾಗುವ ಕ್ರಮ

ཚེ་ཐུབ་པ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཤར་ཕྱོགས་ཀྱི་འཇིག་རྟེན་གྱི་ཁམས་ཀུན་ཏུ་ཁྱབ་པ་ཞིང་ཁམས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་
ཡོན་ཏན་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཞིང་ཁམས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡོངས་སུ་རྫོགས

ཀཏྟཱ། རྟོགས་པའི་ཕྱིར་རྟོག་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཡིན་ནོ། །ཇི་ལྟར་ན་ཡང་ཁྱོད་ཀྱི་ཚིག་ཡིན་ནོ། །ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཡིན་ནོ། །

ཀྱི་ཡིན་པས། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐུག་ཏུ་ཡོད་པ་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐུག་ཏུ་ཡོད་པ་ཡིན་ན

ཀྱི་ཏཱ་ཡཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཏཱ་ཡཱ

ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡོངས་སུ་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ། །ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ཏེ་
ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཚོར་བ་ལ་སོགས་པ་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ། །ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཞེས་
བྱ་བ་ནི་ཡིད་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ལ་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ། །ཡིད་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་
ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ལ་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཡིད་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ལ་ཡིད་
ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ། །ཡིད་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ལ་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཞེས་
བྱ་བ་ནི་ཡིད་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ལ་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ། །ཡིད་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་
ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ལ་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཡིད་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ལ་ཡིད་
ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ། །ཡིད་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ལ་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཞེས་

ོ་བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱི་ཞབས་ལ་ཕྱག་བྱས་ཏེ། དེ་ནས་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཆེན་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ལས་ཤིན་ཏུ་འདས་ཏེ།

ॐ॥ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयभयानकाय भीषयभीषयसर्वविघ्नान्
नाशयनाशय सर्वदुष्टग्रहान्निवारयनिवारय सर्वदुष्टान्भक्षयभक्षय हुं फट् स्वाहा॥ ॐ
नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयभयानकाय भीषयभीषय सर्वविघ्नान्
नाशयनाशय सर्वदुष्टग्रहान्निवारयनिवारय सर्वदुष्टान्भक्षयभक्षय हुं फट् स्वाहा॥ ॐ
नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयभयानकाय भीषयभीषय सर्वविघ्नान्
नाशयनाशय सर्वदुष्टग्रहान्निवारयनिवारय सर्वदुष्टान्भक्षयभक्षय हुं फट् स्वाहा॥ ॐ
नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयभयानकाय भीषयभीषय सर्वविघ्नान्
नाशयनाशय सर्वदुष्टग्रहान्निवारयनिवारय सर्वदुष्टान्भक्षयभक्षय हुं फट् स्वाहा॥

།།ཞེས་སོ།།

།།ཞེས་སོ།།

།།ཞེས་སོ།།

།།ཞེས་སོ།།

།།ཞེས་སོ།།

།།ཞེས་སོ།།

།།ཞེས་སོ།།

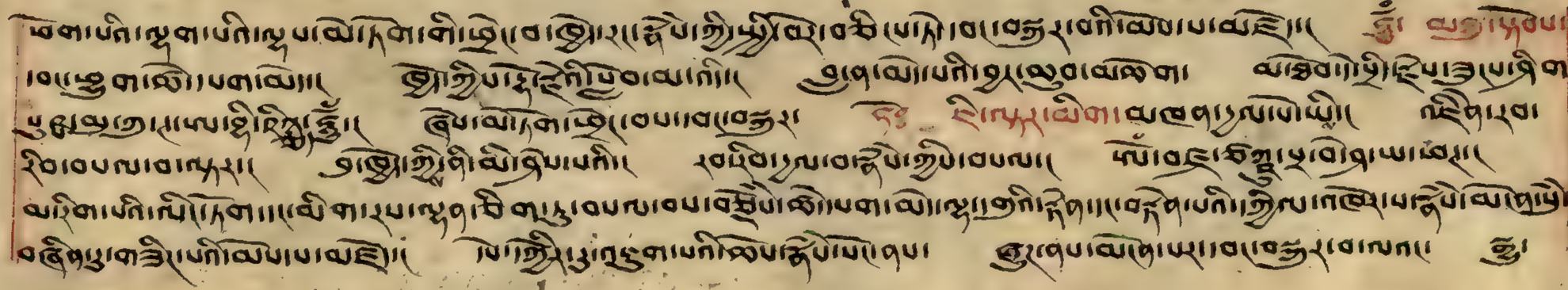

ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐོག་ཏུ་ཡོད་པ་ཡིན་ནོ།། རྣམ་པར་གཡེང་བ་ཡིས་ཤེས་པ་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཤེས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐོག་ཏུ་ཡོད་པ་ཡིན་ནོ།

ཐུབ་པའི་དབང་པོ་རྣམས་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཡིན་ཏེ། ཐུབ་པའི་དབང་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཐུབ་པའི་དབང་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཡིན་ཏེ།

ཀཀ།། ཏཏྭཱརཱཛིཏཱཡཱཡཱིཏཱཡཱརཱཏྲྱཱ།། རྒྱལ་བཱཏུལཱཡཱཀྵཱིཏཱཡཱརཱཏྲྱཱ།། ཨོཾཨཱཡཱཡཱཡཱིཏཱཡཱཡཱཡ

ཀཡཔཔྱཝཨཏཀཱཔྱཱ། ཧཱུྃ། ཤྲཱཝཱསྟུཔྲཱཏིཀཱཡཱཡཱི།།ཨཿ།།། རྣམཱསྟུཏཱནཱིལཱཡཱཝཱཨཏྲཡཱཝཡཱ། ཝཱཀཱིཥྚཱཔཱལཔཱཝཔྲཱཏིཀཱ
ཡཱཡཱི། ཀཱཡཱཝཱལེཁཱཔཱནཱིཡཱཝཱཨཏྲཝཱཏྲཏཱ། ཚཱཔཱཏྲཱཚཱཡཱཔུཔཱལཱཡཱཏྲཱཡཱིདཱིཏྟཱཡཱ། ཤྲཱཀཱཡཱཔུཔཱལཱཝཱཀཡཔཔྱཝཨཏཀཱཔྱཱ།
ཧཱུྃ། ཤྲཱཝཱསྟུཔྲཱཏིཀཱཡཱཡཱི།།ཨཿ།།། རྣམཱསྟུཏཱནཱིལཱཡཱཝཱཨཏྲཡཱཝཡཱ། ཧཱཀཱཔཱནཱིཡཱཝཱཨཏྲཝཱཏྲཏཱ། ཝཱཀཱིཥྚཱ
ཝཱལེཁཱཔཱནཱིཡཱཝཱཨཏྲཝཱཏྲཏཱ། ཚཱཔཱཏྲཱཚཱཡཱཔུཔཱལཱཡཱཏྲཱཡཱིདཱིཏྟཱཡཱ། ཡཱཝཏྲཱཔཱནཱིཡཱཝཱཨཏྲཝཱ། ཏཱཝཏྲཱཔཱ
ཀཱཡཱཝཱལེཁཱཔཱནཱིཡཱཝཱཨཏྲཝཱཏྲཏཱ། ཚཱཔཱཏྲཱཚཱཡཱཔུཔཱལཱཡཱཏྲཱཡཱིདཱིཏྟཱཡཱ། ཡཱཝཏྲཱཔཱནཱིཡཱཝཱཨཏྲཝཱ། ཏཱཝཏྲཱཔཱ
ཀཱཡཱཝཱལེཁཱཔཱནཱིཡཱཝཱཨཏྲཝཱཏྲཏཱ། ཚཱཔཱཏྲཱཚཱཡཱཔུཔཱལཱཡཱཏྲཱཡཱིདཱིཏྟཱཡཱ། ཡཱཝཏྲཱཔཱནཱིཡཱཝཱཨཏྲཝཱ། ཏཱཝཏྲཱཔཱ
ཀཱཡཱཝཱལེཁཱཔཱནཱིཡཱཝཱཨཏྲཝཱཏྲཏཱ། ཚཱཔཱཏྲཱཚཱཡཱཔུཔཱལཱཡཱཏྲཱཡཱིདཱིཏྟཱཡཱ། ཡཱཝཏྲཱཔཱནཱིཡཱཝཱཨཏྲཝཱ། ཏཱཝཏྲཱཔཱ

ཞེས་ བཅས་པས་ཁམས་གསུམ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ ཀུན་ནས་ཉོན་མོངས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ ཡང་དག་པར་ཞི་བ་ཉིད་ཀྱི་ ཕྱིར་ རྣམ་པར་ཐར་པ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་ སོགས་པ་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ རྒྱུ་ཡིན་པའི་ཕྱིར་ ཐེག་པ་ཆེན་པོ

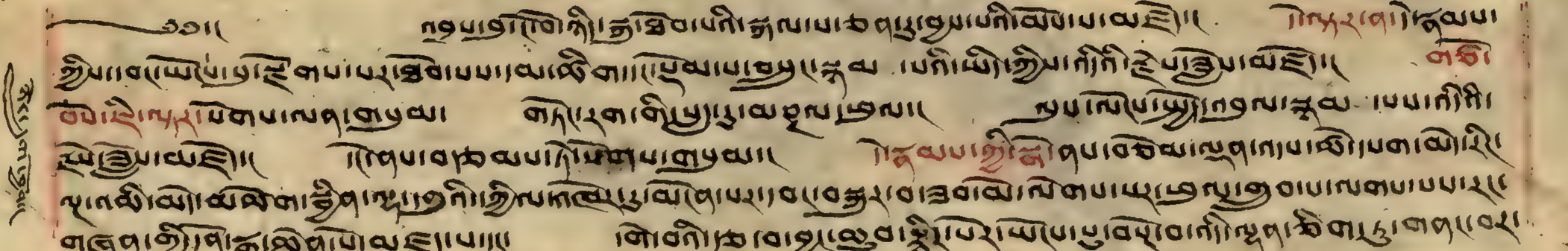

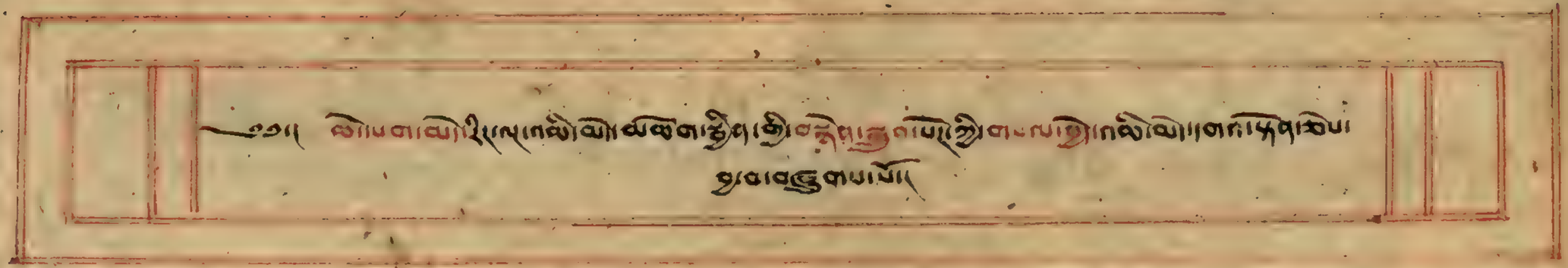

ཀཱཙིཏ་ཀཱཙིཏ་ཀཱཙིཏ་

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཾ་ཁཾ་ཁཾ

ཐལ་བ་ཡིས་ཁེངས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཁེངས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡོངས་སུ་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ།།
ཁམས་གསུམ་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཁམས་གསུམ་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡོངས་སུ་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ།།
ཞི་བ་ཡིས་ཞི་བ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཞི་བ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡོངས་སུ་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ།།
ཉོན་མོངས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཉོན་མོངས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡོངས་སུ་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ།།
ཤེས་བྱ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཤེས་བྱ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡོངས་སུ་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ།།
ཤེས་བྱ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཤེས་བྱ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡོངས་སུ་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ།།
ཤེས་བྱ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཤེས་བྱ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡོངས་སུ་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ།།
ཤེས་བྱ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཤེས་བྱ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡོངས་སུ་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ།།

ཡིས་ཤེས་པ་ཡིན་ཏེ། ཡིད་ཀྱི་ཡུལ་ལ་རྣམ་པར་རྟོག་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ནི་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་
ཤེས་པ་ཡིན་ཏེ། ཡིད་ཀྱི་ཡུལ་ལ་རྣམ་པར་རྟོག་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ནི་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་
ཤེས་པ་ཡིན་ཏེ། ཡིད་ཀྱི་ཡུལ་ལ་རྣམ་པར་རྟོག་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ནི་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་
ཤེས་པ་ཡིན་ཏེ། ཡིད་ཀྱི་ཡུལ་ལ་རྣམ་པར་རྟོག་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ནི་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་
ཤེས་པ་ཡིན་ཏེ། ཡིད་ཀྱི་ཡུལ་ལ་རྣམ་པར་རྟོག་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ནི་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་
ཤེས་པ་ཡིན་ཏེ། ཡིད་ཀྱི་ཡུལ་ལ་རྣམ་པར་རྟོག་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ནི་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་

ཀ་ཀ་ཀ་

ལ་ཡང་ཁ་ལོ་ཅོག་ཙམ་ཞིག་ཡོད་པ་ཡིན་ཏེ།

ཡ་ཡ་ཡ་

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཡིན་ནོ། །

ཡང་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཡིན་ནོ། །

ཡང་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཡིན་ནོ། །

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ནས

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ཏེ།

ཅི་ཞིག་ཅེ་ན་ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀ་ནས་ཀྱང་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡིས་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཕྱོགས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་སེམས་ཅན་ཐམས་ཅ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ཕྱོགས་ཐམས་ཅད་ན་བཞུགས་པའི་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་སྐུ་གསུང་ཐུགས་ཀྱི་རྟེན་ཅིང་འབྲེལ་བར་འབྱུང་བ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ཀྱི་ངང་ལས་རྣམ་པ་ཐམས་ཅད་མཁྱེན་པའི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ། ཡེ་ཤེས་ཀྱི་སྐུ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་རྒྱུད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་ཀྱི་རྒྱུད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཆེན་པོ་ལས

ཡང་ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ནོ། ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ནོ།
ཡང་ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ནོ། ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ནོ།
ཡང་ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ནོ། ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ནོ།
ཡང་ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ནོ། ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ནོ།

ཕྱག་ཡས་བཟུང་ཏེ་ཐལ་བ་ཡང་ཐལ་བ་ཡིན་ཏེ། ཐལ་བ་ཕྱག་ཡས་བཟུང་ཏེ་ཐལ་བ་ཡང་ཕྱག་ཡས་བཟུང་ཏེ་ཐལ་བ་ཡིན་ཏེ། ཕྱག་ཡས་བཟུང་ཏེ་ཐལ་བ་ཡང་ཕྱག་ཡས་བཟུང་ཏེ

ལ་ཡང་ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡིད་ཀྱི་ཁ་ཏོན་ཡོད་ཀྱི་ཡིན་ནོ། །ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡིད་ཀྱི་ཁ་ཏོན་ཡོད་ཀྱི་ཡིན་ན

ཀཱཾ། ཁཱཾ། གཱཾ། གྷཱཾ། ངཱཾ། ཙཱཾ། ཚཱཾ། ཛཱཾ། ཛྷཱཾ། ཉཱཾ། ཊཱཾ། ཋཱཾ། ཌཱཾ། ཌྷཱཾ། ཎཱཾ། ཏཱཾ། ཐཱཾ། དཱཾ། དྷཱཾ། ནཱཾ། པཱཾ། ཕཱཾ། བཱཾ། བྷཱཾ། མཱཾ། ཡཱཾ། རཱཾ། ལཱཾ། ཝཱཾ། ཤཱཾ། ཥཱཾ། སཱཾ། ཧཱཾ། ཀྵཱཾ།

ཨཱཾ། ཨཱཾ། ཨཱཾ།

ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁྱོད་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོང་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོང་ཁྲོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོང་མོ

ཨོཾ། ཨཱཿ ཧཱུྃ། མཧཱཛཿ ལཱཀྵཱཧཱ་ཀཱ་ལཱ་ཡ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཏྲི་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཡ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨོཾ།
ཨཱཿ ཧཱུྃ། མཧཱཛཿ ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལཱ་ཡ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨ་རི་ཏ་ཨ་ཏ་ཨ་པ་ཏ་ཨ་ཛི་ཏ་ཨ་ཧ་ཏ་ཀ་ཀྲོ་ཏ་ཀ་ཀྲོ་ཏ་ཀ་ཀྲོ་ཏ་ཀ་ཀྲོ་ཏ་
ཨོཾ། ཨཱཿ ཧཱུྃ། མཧཱཛཿ ཡ་ཛ་ཡ་ཛ་ཡ་ཛ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨོཾ། ཨཱཿ ཧཱུྃ། མཧཱཛཿ ཨ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨོཾ།
ཨཱཿ ཧཱུྃ། མཧཱཛཿ ཨ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨོཾ། ཨཱཿ ཧཱུྃ། མཧཱཛཿ ཨ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨོཾ།
ཨཱཿ ཧཱུྃ། མཧཱཛཿ ཨ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨོཾ། ཨཱཿ ཧཱུྃ། མཧཱཛཿ ཨ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨོཾ།
ཨཱཿ ཧཱུྃ། མཧཱཛཿ ཨ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨོཾ། ཨཱཿ ཧཱུྃ། མཧཱཛཿ ཨ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨོཾ།
ཨཱཿ ཧཱུྃ། མཧཱཛཿ ཨ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨོཾ། ཨཱཿ ཧཱུྃ། མཧཱཛཿ ཨ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨོཾ།
ཨཱཿ ཧཱུྃ། མཧཱཛཿ ཨ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨོཾ། ཨཱཿ ཧཱུྃ། མཧཱཛཿ ཨ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨོཾ།
ཨཱཿ ཧཱུྃ། མཧཱཛཿ ཨ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨོཾ། ཨཱཿ ཧཱུྃ། མཧཱཛཿ ཨ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨོཾ།
ཨཱཿ ཧཱུྃ། མཧཱཛཿ ཨ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨོཾ། ཨཱཿ ཧཱུྃ། མཧཱཛཿ ཨ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨོཾ།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ཕྱོགས་ཐམས་ཅད་ན་བཞུགས་པ་ཡི་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་དགྲ་བཅོམ་པ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་ཙིཏྟེན་ཡཾ་ཀིཉྩི་ཀཱལཾ་ཀཏཾ་ཀམྨཾ་ཀལྱཱཎཾ་ཝཱ་པཱཔཀཾ་ཝཱ་ཏསྶ་ཏསྶ་ཀམྨསྶ་དཱཡཱདོ་ཧམྨི་ཏཾ་ཀམྨཾ་ཝིཔཱཀཾ་པཊིསཾཝེདཡཱམཱི་ཏི།
ཨཱཡཏིཾ་སཾཝརཱཡ་སཱིལཾ་ཨཱཡཏིཾ་ཨཔྤཱཔཱཡ་ཨཱཡཏིཾ་ཨཔྤཱཡཱསཱཡ་ཨཱཡཏིཾ་ཨཔྤཱཔ

ཀ།། ཅི་ཐུ་ཐུ་ཀྱི་ཀ་ཅི་ལེ་ཀ་ཐི་ཅི་ཐི་ཀ་ཐི་ཀ་ཐི་ཀ་ཐི་ཀ།། ཐི་ཐུ་ཀ་ལེ

ॐ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་

ལ་ཐུབ་པའི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུབ་པ་ཉིད་ཀྱ

ཀཀ། ཀཱཾ་ཀཱི་ཀཱུཾ་ཀྲཱཾ་

ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ། ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ། ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ། ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ། ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ། ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ། ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ། ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ། ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ། ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ། ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ།

ॐ नमो भगवते अमोघसिद्धये तथागताय अर्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ अमोघे अमोघदर्शिनि अमोघवचने अमोघतेजसि अमोघवीर्ये अमोघसंभवे अमोघसंभवसंभूते अमोघसिद्धिसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूते अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धे अमोघसिद्धिसिद्धिसंभवसंभूतसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्धसिद्ध

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ།

ཀུ་ཏཱ་ཀ་ཀ་ཤ་ཀ་ཀ་ཀ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།

ॐ आः हूं फट् स्वाहा ॐ आः हूं फट् स्वाहा ॐ आः हूं फट् स्वाहा

ग्रहोत्तीनत्रीनोत्पत्रानछ्रोवनीलवाकुरोत्पारीनाधोलेनीछ्रोवधावज्रेरावाक्षण॥ लोन्द्राधेरोधो॥

वाचीनाकुरीनाधनीवानानाधनीलो॥॥वधोनेधोधधत्था॥॥नक्रेरधाधेधा॥॥ध्वेनाऽनाधोरीवसुनाकुरीनाछुनाछुवा

लेरोधत्रोधोछुहुँनुछुधालौ॥ लोधानाछुवाकुरु वाधाधनीलोवीछुनोक्रुवधा ऊरोवधानोरोधेरोधोनछो॥ ऽधाधनीछीधावद्द॥

धरानुरा॥ लोधाकुरु ऽछुधाधोधधत्था लोछुधाधत्थालेनीछुनोक्रुवधाधोरोवधाधनीलो॥ वधोधछुधाधत्थावधाक्षेनीवा वाधोनछुधाधत्थावधानछुधाधेधा।

ऊनाधानलीवेछु ऽछुधाधोधधत्था॥ ऽन्द्रालेरोनेधाधीऊरोवधानोरेरोद्दछुधोछुवेनीनधेरोधीवोधानाधनीधोवानछोछीनत्रीनो

वहीधा॥॥त्पुनाधधानछेधा ऽछुवाछुवाधेलेनाधधाक्षोवधो॥धत्थानेछुरोधेधावसुनाकुरीनाछुनाछुधोक्षेरोधत्रोधोछुधा॥

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་སྐུ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཉིད་དུ་ཤོག།

પ્રાણિ ગાઢ્યાલોવગાયપાપરીક્ષા વક્ષેપાકપાવીરીપ્રાપાવાણાયીની
વણા કેરાપ્રણીતપ્રાપ્રાણેપાપરીકવપા વક્ષેપાકીનાનકીવોપ્રાણવાપરીણાકૃત્યાપ્રેપા ।।
પાનીરાલોપનાવોણાપાવાવણાણેપાકીકેરાકેપ્રાપ્રાણવાપા વક્ષેપાકુવાનકેપાકીપરાનકુરા
કેનાવરાવીપ્રાપ્રીકુવાપાત્રીપાપરીનકપાકીપ્રાપ્રાવારાકુણાકુપાપરાલોપરાકુપા ગિનો
પ્રીણાકુરાકેવીપ્રાનાલોપનાવોણકીકેપાનકુરાકીકુકેપાકીકુપાવકપાવકો પરાનીવરાણપા

ज्ञानेन्द्रियाणि पञ्च पञ्च कर्मेन्द्रियाणि पञ्च पञ्च प्राणादयो वायवः पञ्च पञ्च
अन्तःकरणानि चत्वारि एवं सप्तदशकं लिङ्गं भवति तत्सूक्ष्मशरीरं भोगसाधनत्वात्
तदेव लिङ्गशरीरमित्युच्यते तदेव सूक्ष्मशरीरं जीवस्य भोगसाधनं भवति
तत्सूक्ष्मशरीरं त्रिविधं भवति उत्तमं मध्यमं कनिष्ठं चेति तत्र ब्रह्मादिस्तम्बपर्यन्तं
सर्वं जगत् उत्तमं सूक्ष्मशरीरं भवति मनुष्यपशुपक्षिसरीसृपादयो मध्यमं
सूक्ष्मशरीरं भवति वृक्षगुल्मलतावीरुत्तृणादयः कनिष्ठं सूक्ष्मशरीरं भवति
तत्र ब्रह्मादिस्तम्बपर्यन्तं सर्वं जगत् उत्तमं सूक्ष्मशरीरं भवति
तत्र ब्रह्मादिस्तम्बपर्यन्तं सर्वं जगत् उत्तमं सूक्ष्मशरीरं भवति

કેવા જોવાવાળા હોય તો કેવા ન હોય તે કહે છે. જોવાવાળો ગુરુ કેવો હોય તો કેવો

ಗೌಪಾಶ್ರಾತ್ಮೈವಾಭಪ್ರಾವೀಡುಪಾಪ್ತಾನೌವನೌಗೌಶ್ರೀಸ್ಪುರಾವಭೆಪಾಲಾನಹ್ವಾತ್ತು ಪ್ರಭೌಪಾಗೀ ಸ್ಫುಗೀಸ್ಫುಗೀಶ್ರುಗಾಗಪಾಗೌರಾಭೆಗಾನಶ್ರಭಾಪಾ
ಶ್ರೀಗಪಾಗೀಭ್ರಾವಲ್ಗೌ ವಾಭ್ರಭಾಪಾ ಶ್ರುಗಾಲ್ಗೆಗಾಪಾಗೀ ಗಾಶ್ರಗಾಪಾಭ್ರಾವಲ್ಗೌ ಹೀಗ್ರು ಶ್ರೇಗಾಂ ವಶ್ರೌಪಾ ಗಶ್ರಗಾಂ ಶ್ರುಶ್ರಭ
ಶ್ರುಗಭ್ರಾ ಶ್ರುಗಾಗೀಗಾಪಾಭೆಗಾಪಾಸ್ಫುಗಾಶೀಗಾಗಶ್ರೇಗಾಪಾಶ್ರುಗೀಗೀಗಾಶೌಗೀಗಾಗಪಾಗೀಗಾಗೆಗಾಗಾಶ್ರೀಗಾಪಾಭೆಗಾಭ್ರಾಪಾಪ್ಪಾಗಾಶ್ರೀಗಾಶ್ರಭಾ
ಪಾಪಾ ಶ್ರುಗಾಗಾಶ್ರಾಭೆಗಾಭೆಗಾಸ್ಫುಗಾಶೀಗಾಗಶ್ರೇಗಾಪಾಶ್ರುಗೀಶ್ರೇಪಾಶೀಶ್ರೌಗಪಾಶೌಗೀಶ್ರೇಪಾಪಾಗಶ್ರೇಪಾ ಗಾಗೀಪಾಶ್ರಾತ್ಮೈವಾಭಪ್ರಾವೀಡುಪಾಪಾಪ್ತಾನೌವನೌ
ಗೌಶ್ರೀಸ್ಪುರಾವಭೆಪಾಲಾನಹ್ವಾತ್ತು ಪ್ರಭೌಪಾಗೀ ಸ್ಫುಗೀಸ್ಫುಗೀಶ್ರುಗಾಗಪಾಗೌರಾಭೆಗಾನಶ್ರಭಾಪಾ ಶ್ರೀಶ್ರಭಾಪಾಭ್ರಾಪಾಲಾಭೆಗಾಪಾ ಶ್ರಭ
ಗಶ್ರೀಗಾ ಶ್ರಗಾ ವಾಶ್ರೌ ಶ್ರಭಾಗಶ್ರೌಪಾಲಾಭೆಗಾಪಾಪಾಶ್ರುಗಾಶ್ರೇಪಾಪಾ ಗಶ್ರಭಾಪಾಪಾ ಶ್ರುಶ್ರಭಾಪಾಪಾ ಶ್ರಭಾಗಾ ಶ್ರೌಪಾಪಾಲಾಭೆಗಾಪಾ

ଶୋଣୀତୀତୋଽପହ୍ନାଯିତାନୀରାଶୀନ୍ଦୌଘା ନହିନାଶୀନଶୋଜ୍ଞୋ ବ୍ୟାଡ଼ିନା ୮ଦ୍ୟାଲ୍ଲିନାବଲୀ ଶ୍ରୁତ୍ରୋଽଷ୍ଟୁ।
ନନୋଽଭୈନାହୀଽଜ୍ଞାଦ୍ୟାଡ଼ିଁଦ୍ରାଲୀବାଯିନାବଶ୍ରୁତାଲୋ ନଲିଦାବଙ୍କୁରାବନୀଦ୍ୟୁନା ୮ଦ୍ୟାଙ୍କୁନା ଶ୍ରୁନାବା ଶ୍ରୁନାଲା ଅଦ୍ୟନାଙ୍କୁନା
ବାଲିବାଦୈବାଶୀଲୋଽାବଦୈଘା ଷ୍ଟବଦାଽନଶୀବହ୍ନୀ। ନଲିଦାଽନ୍ତ୍ରୀ। ଶୈନାଦାଽାଽହୁାଦା ାଲୋବନୀବଦ୍ରୋଦାନଶୈନାଶ୍ରୁାବନା
ଶୀଶ୍ରୀଦବଦ୍ରୁଦାବଶ୍ରୁ। ଶୈବାଦାଽାଜାଦ୍ୟାଲିଦୈବାଶୀହୈବାଦନୀଦ୍ଧୁନାଦନା ବହ୍ନୀନଦୈବାଶୀବଶ୍ରୁନାଦନୀଦ୍ଧୁନା ଷ୍ଟୋଶ୍ରୁାଶୀଲୀଲୋଦା
ଷ୍ଟୁନାଦବନାଙ୍କୁାଲୋଦାଦା। ବୀବଦ୍ଧନାଃଦାବାଲିନାଦାଦବାଦୀଶ୍ରୁାନାବଶ୍ରୁାଦନୀଲୋଦ୍ଧୁାଦୀଲୀନାବଶ୍ରୁାଦା ଶ୍ରୁାବଶ୍ରୁନୀଲୀଦାନାବଶ୍ରୁା
ଦନୀଦ୍ୟୁଦାଦାଶ୍ରୁାଶ୍ରୁାଲୁବାଦୋନୈଦୈବାଶୀବଲ୍ଲନାଦୋନଶୁଦାଶ୍ରୁଦା ଷ୍ଟବଦାବଶ୍ରୁାଲୀନହିଦାବଲୀଦାଲାଦାଦନୀଦ୍ଧୁନା ନନାଦାନାଦା।

ખનીજાદિકના કૌશલ્યથી ઉત્પન્ન થયેલા પદાર્થો ઉપર કર નાખવો. રાજાએ કૌશાંબીના વેપારીઓ
ઉપર કર નાખ્યો ત્યારે તેમણે રાજાને કહ્યું કે અમારા ઉપર કર નાખવો એ અયોગ્ય છે. કારણ કે
વસ્તુ ઉપર કર નાખવો એ ઠીક છે. પરંતુ કારીગરની કારીગરી ઉપર કર નાખવો એ ઠીક નથી.
કારીગરની કારીગરી ઉપર કર નાખવાથી કારીગરો ઉદ્યમ કરતા બંધ થઈ જાય છે. પછી
કારીગરો વિના વસ્તુ ક્યાંથી બને? વસ્તુ ન બને તો વેપારીઓ વેપાર શું કરે? વેપારીઓ
વેપાર ન કરે તો રાજાને કર ક્યાંથી મળે? માટે કારીગરની કારીગરી ઉપર કર નાખવો
અયોગ્ય છે. આ પ્રમાણે કારીગરોએ રાજાને સમજાવ્યું. રાજાએ તેમની વાત માન્ય રાખી.

ཀྱིས་ཤེས་ཀྱང་ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས

যাকী ঐরাবতীতীরস্থসুবাহিনাদীপ্রবাহীয়াপদ্মাগাবাব্যাহীতীরাবস্থীতীঐরাবতীনাম্নীগাপদ্মা
পদীস্থীপদ্মিনাজলাবোপদীস্থীনদীবেগীপাস্থীনদীয়াবনাবা বস্তুনাস্থীয়াপদ্মা ব্যক্তীকৃতা জীহদাস্থীয়াবহবা বসুধা
জীপ্রাসাদীয়াবাপ্রদাবস্থীনাগাজ্জপ্রাপাদাস্থীপাদ্মাস্থীপাদ্মা ঽগাজিপাস্থাস্থপ্রাবস্থা দশপদ্মাপ্রাজীবস্থা দশজিনপ্রাজীবগা
স্থীগাবস্থীয়াদ্মপ্রাবস্থীনাগস্থগ্রাপ্রা ঘপ্রদাগাবগাজিজীনস্থগাবস্থীদাবস্থীপাস্থগাদস্থপ্রাবাজীগা বজ্ঞাদনীয়াগাগাস্থুপ্রাবস্থীদা
বস্থীগা স্থীগাস্থুদাদপ্রাদ্মপ্রাপাস্থুগাবাদাস্থ্যদাবস্থীদাদীপ্রাজীগাদপ্রাদাস্থুগাবস্থীদাস্থীগাবীগাস্থাস্থুস্থাবস্থীদাবস্থুগাবস্থুগাদপ্রা
গাবপাস্থীগা বজ্ঞাবস্থীগাগাস্থুদাবীদাস্থুগাস্থী নস্থবাস্থীগাবীগাপ্রাবাদাবস্থীগাস্থীগাপ্রাস্থাপ্রাবাস্থাস্থুদাবস্থীগাস্থুদাবীগাস্থী

ཡ།། ཤིགས་ཤིག་ཤིགས་ཤིགས་ཤིགས

પાકિસ્તાનના ગિલગિટ બાલ્ટીસ્તાન તરીકે ઓળખાતા વિસ્તારમાં ઉત્તરમાં કારાકોરમ પર્વતમાળા અને દક્ષિણમાં હિમાલય પર્વતમાળા આવેલી છે. આ બંને પર્વતમાળાઓ વચ્ચે ઊંચાઈ પર આવેલા ખીણપ્રદેશમાં ગિલગિટ નદી વહે છે. આ નદી સિંધુ નદીની મુખ્ય ઉપનદી છે. ગિલગિટ નદીના કાંઠે આવેલા ગિલગિટ શહેરના નામ પરથી આ પ્રદેશનું નામ ગિલગિટ પડ્યું છે. ગિલગિટ શહેર ગિલગિટ નદી અને હુંઝા નદીના સંગમ પર આવેલું છે. ગિલગિટ શહેર ગિલગિટ-બાલ્ટીસ્તાનની રાજધાની છે. ગિલગિટ શહેર ઉત્તર પાકિસ્તાનનું મુખ્ય વેપારી કેન્દ્ર છે. ગિલગિટ શહેરમાં ઘણી હોટલો આવેલી છે. ગિલગિટ શહેરમાં ઘણી શાળાઓ અને કોલેજો આવેલી છે. ગિલગિટ શહેરમાં ઘણી હોસ્પિટલો આવેલી છે. ગિલગિટ શહેરમાં ઘણી બેંકો આવેલી છે. ગિલગિટ શહેરમાં ઘણી દુકાનો આવેલી છે.

ಕ್ಷಿಪನೀಯವಾತಿಕಾತುನೀಯಪಿಜುವಾಲ್ಯಾವಲ ನುಲಪುಲ್ಯಾತುನೀಯವಿಗವಲಗಾ ನೇಲಕ್ಷಿಗಾಸ್ತುವಕ್ಷಿಗಾಲಯಾಗಲಯಾನೇಲಾಲ್ಲಿಲ್ಲ ಲಾಲಿ
ವಕ್ಷಿಗಾಲಯ ಲಾಲಾಕ್ಷಿಲ ಲಯಾಗಲಲ ಲಯಲ ಲಲಯಾತ್ತು ತ್ತುಲಾಗಾಲಯಪಿಲಾಲಿ ಲಾಲಿಕ್ಷಿಲಾಲಾ ಲಿಲಾಕ್ಷಿಲ ಕ್ಷಿಲಾಲಲ
ತ್ತುಲಾ ಲಲಯಾತ್ತು ಕ್ಷಿಲಾಲಗಲಯಾಲಿಲ ಲಾಲಿಲಾಕ್ಷಿಲಾ ಕ್ಷಿಲಾಲ್ಲಿಲ ಲಿಲಾಗಾಲಲ ಲಲಾಸಲಾ ಲಿಲಲಾಕ್ಷಿತ್ತು ಲಲಯಾಲಗಲಯಾಗಲಯಾ
ಲ್ಲಲಾತ್ತು ಲಾಲಿಲಾಗಲಯಾಗಲಯಾಕ್ಷಿಲಾಲ್ಲಿಲ ಲಿಲಾಲಯಾಲಿಲಾಲ್ಯಾಲಲ ಲ್ಲಿಲಾಲಲಾಲಿಲಾಲಯಾಲಾಲಾಲಾಲಯಾಲಾಲ್ತುಲಾ ಲ್ಲಲಾಲಲಾಕ್ಷಿಲಾಲಿಲಾಲಾಲಾ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महायक्षसेनापतये हुलु हुलु तिष्ठ तिष्ठ सर्वयक्षान् बन्धय बन्धय सर्वदुष्टान् गृह्ण गृह्ण
आकर्षय आकर्षय मर्दय मर्दय तापय तापय शोषय शोषय उत्सादय उत्सादय सर्वदुष्टान् भक्षय भक्षय
मम सर्वकार्याणि साधय साधय सर्वदुष्टान् विद्रावय विद्रावय कम्पय कम्पय चूर्णय चूर्णय सर्वविघ्नान्
छिन्धि छिन्धि भिन्धि भिन्धि हन हन दह दह पच पच मथ मथ सर्वदुष्टान् विध्वंसय विध्वंसय
अकालमृत्युं परिहर परिहर सर्वभयेभ्यो रक्ष रक्ष मां सर्वसत्त्वानां च सर्वोपद्रवेभ्यः शान्तिं कुरु कुरु
पुष्टिं कुरु कुरु स्वस्तिं कुरु कुरु सर्वदा सर्वकालं सर्वत्र सर्वदिक्षु सर्वोर्ध्वमधःप्रतिहतशासनः
स्फोटय स्फोटय सत्यं कथय कथय ध्रुवं कथय कथय नित्यं कथय कथय मा वचनं अन्यथा कार्षीः
ममाग्रतो वाचं स्थापय स्थापय शीघ्रं कुरु कुरु त्वरया कुरु कुरु मम सर्वकार्याणि साधय साधय
सर्वसत्त्वानां च सर्वकार्याणि साधय साधय सर्वदुष्टान् विद्रावय विद्रावय कम्पय कम्पय चूर्णय चूर्णय
सर्वविघ्नान् छिन्धि छिन्धि भिन्धि भिन्धि हन हन दह दह पच पच मथ मथ सर्वदुष्टान् विध्वंसय
विध्वंसय अकालमृत्युं परिहर परिहर सर्वभयेभ्यो रक्ष रक्ष मां सर्वसत्त्वानां च सर्वोपद्रवेभ्यः
शान्तिं कुरु कुरु पुष्टिं कुरु कुरु स्वस्तिं कुरु कुरु सर्वदा सर्वकालं सर्वत्र सर्वदिक्षु सर्वोर्ध्वमधः
प्रतिहतशासनः स्फोटय स्फोटय सत्यं कथय कथय ध्रुवं कथय कथय नित्यं कथय कथय मा वचनं
अन्यथा कार्षीः ममाग्रतो वाचं स्थापय स्थापय शीघ्रं कुरु कुरु त्वरया कुरु कुरु मम सर्वकार्याणि
साधय साधय सर्वसत्त्वानां च सर्वकार्याणि साधय साधय सर्वदुष्टान् विद्रावय विद्रावय कम्पय
कम्पय चूर्णय चूर्णय सर्वविघ्नान् छिन्धि छिन्धि भिन्धि भिन्धि हन हन दह दह पच पच मथ मथ
सर्वदुष्टान् विध्वंसय विध्वंसय अकालमृत्युं परिहर परिहर सर्वभयेभ्यो रक्ष रक्ष मां सर्वसत्त्वानां च
सर्वोपद्रवेभ्यः शान्तिं कुरु कुरु पुष्टिं कुरु कुरु स्वस्तिं कुरु कुरु सर्वदा सर्वकालं सर्वत्र सर्वदिक्षु
सर्वोर्ध्वमधः प्रतिहतशासनः स्फोटय स्फोटय सत्यं कथय कथय ध्रुवं कथय कथय नित्यं कथय
कथय मा वचनं अन्यथा कार्षीः ममाग्रतो वाचं स्थापय स्थापय शीघ्रं कुरु कुरु त्वरया कुरु कुरु
मम सर्वकार्याणि साधय साधय सर्वसत्त्वानां च सर्वकार्याणि साधय साधय सर्वदुष्टान् विद्रावय
विद्रावय कम्पय कम्पय चूर्णय चूर्णय सर्वविघ्नान् छिन्धि छिन्धि भिन्धि भिन्धि हन हन दह दह
पच पच मथ मथ सर्वदुष्टान् विध्वंसय विध्वंसय अकालमृत्युं परिहर परिहर सर्वभयेभ्यो रक्ष रक्ष
मां सर्वसत्त्वानां च सर्वोपद्रवेभ्यः शान्तिं कुरु कुरु पुष्टिं कुरु कुरु स्वस्तिं कुरु कुरु सर्वदा
सर्वकालं सर्वत्र सर्वदिक्षु सर्वोर्ध्वमधः प्रतिहतशासनः स्फोटय स्फोटय सत्यं कथय कथय
ध्रुवं कथय कथय नित्यं कथय कथय मा वचनं अन्यथा कार्षीः ममाग्रतो वाचं स्थापय स्थापय
शीघ्रं कुरु कुरु त्वरया कुरु कुरु मम सर्वकार्याणि साधय साधय सर्वसत्त्वानां च सर्वकार्याणि
साधय साधय सर्वदुष्टान् विद्रावय विद्रावय कम्पय कम्पय चूर्णय चूर्णय सर्वविघ्नान् छिन्धि
छिन्धि भिन्धि भिन्धि हन हन दह दह पच पच मथ मथ सर्वदुष्टान् विध्वंसय विध्वंसय
अकालमृत्युं परिहर परिहर सर्वभयेभ्यो रक्ष रक्ष मां सर्वसत्त्वानां च सर्वोपद्रवेभ्यः शान्तिं कुरु

ཨཱཿ ཤྲཱིམཏིཔཱཔཏཱཏཱལཔཱ ཝཱཏཱཏཱཔཱཏཱལཔཱཏཱཏཱཔཱཏཱལཔཱཏཱཏཱཔཱཏཱལཔ

ཀ་ཀ་ཀ་

ཁཁཁ རཁཁཁ

ଜୀବୀଜ୍ଞାନା ଜୀବାଦିଃ ସତ୍ତ୍ୱାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନା ଜ୍ଞାନାଜ୍ଞା ଜ୍ଞାନାଜ୍ଞା ଜ୍ଞାନାଜ୍ଞା
ନଜ୍ଞାନାଜ୍ଞା ଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞା ନଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞା
ନଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନାଜ୍ଞାନା

ॐ नमः शिवायै नमः

ཀྱི་ཤིས་པའི་ཁང་པ་ལས་ལྷོ་ཕྱོགས་སུ་ཁང་པ་བཞི་བརྒྱ་ཕྲག་བཞི་ཙམ་ན་ཡོད་པ། ཁང་པ་དེའི་ནང་ན་ཐོག་ཏུ་ཡོད་པ་ཁྲི་ཤིང་ཁྲི་ཤིང་ཁྲི་ཤིང

ॐ नमो भगवते त्रैलोक्यनाथाय त्रैलोक्यपूजिताय त्रैलोक्यभयंकराय त्रैलोक्यवशंकराय त्रैलोक्यक्षोभणकराय त्रैलोक्यस्तंभनकराय त्रैलोक्यविद्वेषणकराय त्रैलोक्यमोहनकराय त्रैलोक्यसंजीवनकराय त्रैलोक्यसंहारकराय त्रैलोक्यरक्षणकराय त्रैलोक्यसारसंदोहनकराय त्रैलोक्यसंपूरणकराय त्रैलोक्यसंतोषणकराय त्रैलोक्यसंपत्तिकराय त्रैलोक्यसंपन्नकराय त्रैलोक्यसंपन्नकराय त्रैलोक्यसंपन्न

ಅನ್ನೋಽಽಽ

ગણપતિ લાભાર્થિનીરૂપવર્ણનમ્ ।
ગૌતમઉવાચ ।
ભગવન્સર્વભૂતેશ પરમાનન્દવિગ્રહ ।
ગણેશપાદપદ્માનાં ભક્તિર્ભવતુ મે કથમ્ ॥ ૧ ॥
કિં જપેત્કિં સ્મરેત્કિં વા કિં ધ્યાયેત્કિં પ્રપૂજયેત્ ।
કિં તપ્યેત્કિં હુનેત્કિં વા કિં દદ્યાત્કિં સમર્પયેત્ ॥ ૨ ॥
કિં ભુઞ્જીત કિં પિબેત્કિં વા કિં ન કુર્યાત્કિમાચરેત્ ।
કિં ન ભક્ષયેત્કિં ન વદેત્કિં ન ગચ્છેત્કિમાગમેત્ ॥ ૩ ॥
કિં ન પશ્યેત્કિં ન શૃણુયાત્કિં ન ચિન્તયેત્ ।
કિં ન ગૃહ્ણીયાત્કિં ન ત્યજેત્કિં ન ગણેશ્વર ॥ ૪ ॥

ཐུབ་པའི་དབང་པོ་རྣམས་ལས་གསུངས་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་ཟེར་ན། ཡང་ཁྱོད་ཀྱིས་ཐུབ་པའི་དབང་པོ་ཞེས་པ་ལ་ཅི་ཞིག་ཟེར་ཏེ། ཐུབ་པའི་དབང་པོ་ཞེས་པ་ནི་ཐུབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་ཟེར་ན། ཐུབ་པ་ཞེས་པ་ཡང་ཅི་ཞིག་ཟེར་ཏེ། ཐུབ་པ་ཞེས་པ་ནི་ཐུབ་པའི་དབང་པོ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་ཟེར་ན། ཁྱོད་ཀྱིས་ཐུབ་པ་ཞེས་པ་ལ་ཅི་ཞིག་ཟེར་ཏེ། ཐུབ་པ་ཞེས་པ་ནི་ཐུབ་པའི་དབང་པོ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་ཟེར་ན། ཁྱོད་ཀྱིས་ཐུབ་པའི་དབང་པོ་ཞེས་པ་ལ་ཅི་ཞིག་ཟེར་ཏེ། ཐུབ་པའི་དབང་པོ་ཞེས་པ་ནི་ཐུབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་ཟེར་ན། ཡང་

ཡང་ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ།

ꣀ꣖ꣀ꣖ꣀ꣖

ॐ॥ ॥ ॥

ꠇꠣꠞꠤꠇꠀ ꠇꠛꠤꠑꠣꠍꠞꠤꠉꠀꠞꠤꠉꠀ ꠇꠣꠑꠣꠀꠍꠤꠉꠤꠞꠤꠉꠀꠞꠤꠉꠀ

ଶ୍ରୀଧାତ୍ରେଶ୍ୱରାଦ୍ଭୁତାଧ୍ୟାୟୀଶ୍ରୀଗୁରବେନମଃ ଅଥ ଶ୍ରୀଧାତ୍ରେଶ୍ୱରାଦ୍ଭୁତାଧ୍ୟାୟୀ ପ୍ରାରଭ୍ୟତେ ।
ଅଥ ଶ୍ରୀଧାତ୍ରେଶ୍ୱରାଦ୍ଭୁତାଧ୍ୟାୟୀ ପ୍ରାରଭ୍ୟତେ ।
ଅଥ ଶ୍ରୀଧାତ୍ରେଶ୍ୱରାଦ୍ଭୁତାଧ୍ୟାୟୀ ପ୍ରାରଭ୍ୟତେ ।
ଅଥ ଶ୍ରୀଧାତ୍ରେଶ୍ୱରାଦ୍ଭୁତାଧ୍ୟାୟୀ ପ୍ରାରଭ୍ୟତେ ।
ଅଥ ଶ୍ରୀଧାତ୍ରେଶ୍ୱରାଦ୍ଭୁତାଧ୍ୟାୟୀ ପ୍ରାରଭ୍ୟତେ ।
ଅଥ ଶ୍ରୀଧାତ୍ରେଶ୍ୱରାଦ୍ଭୁତାଧ୍ୟାୟୀ ପ୍ରାରଭ୍ୟତେ ।

॥૭॥ ગજપાલોઽપ્યજીગણદ્વારવતીરિપાપાલ્યાલેખપાર્શ્વે રૈવતપાલોપાલિઞ્જરાજ્ઞોરાજ્યે
ગજપાલોઽનશનપાપાલોજીર્ણોદ્ધારં ચક્રે॥ ખિસ્ત્રસ્યાબ્દાનપાપાલ્યાઞ્ચૈત્રશુક્લપાપપાલુપાઞ્ચમ્યાંરાત્રાવસ્ત્રાત્રાસ્યુરાણોમ્રોઽવાગીલિપા
ત્રોઽરાણીપાગલીલાકીપાપપાલ્યજીવાલાઽવાદ્યાપ્યસ્તિ॥ ઞ્ચાગરીપાશ્રોલોપગીહ્રાપાલેગાલોરાગપાલોહ્યિપા
નલ્લાલુપાગલોલાલેગગીલોલઞ્જેપાપાગીગલીલાલોપગીરેલીગલાઞ્ચેલાગજુર પસ્ટુગાઞ્જેગાહ્રોલેગાશ્રીપાણ્ડ્યોપા॥ લેપા
પાગીગીશ્રીલીલાલુપાપગીપાડુપાગલેગપ્યપાલાલીલોલઞ્જેગપાલેગાઽઽઽઽઽઽઽગપાલીપાઞ્ચરાલાલોલેગાઞ્ચરાઞ્ચુપાગો
લરાઞ્ચરાશ્રોગરીપાગીપાપપલ્યાઞ્ચલપાઞ્ચરીપા॥ પર્વગ્રાલઞ્ચલીં॥

ཨཱཿཧཱུྃ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨོཾ་

ཀཀ།། ཤེས་པ་ལ་ཡིད་གཏད་རྣམ་པར་སྤྱོད། གཏི་མུག་ཡིད་མི་མཁས་པ་ལ་ཡིད་མི་བཞག་ཅིང་། རྒྱུ་བས་འབྲས་བུ་ཤེས་པ་ལས་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ལ་ཡིད་གཏད་པ་ཡིན་ལས། ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ལ་ཡིད་གཏད་པ་ལས་ཤེས་པ་ལ་ཡིད་གཏད་པ་ནི་ཡང་དག་པ་མ་ཡིན་ནོ།། ཤ་ཟའི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཞེས་བྱ་བ་ནི། ཤ་ཟ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱ

ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡི་ཡི་གེ་བཅུ་གཉིས་ཀྱི་ཚིག་ཏུ་བཤད་པ།

ཐབས་ཤེས་ཀུན་ནས་ཡོངས་སུ་བསྒོམ་པ་ཡིན་ཏེ།

ॐ

॥ ३३ ॥

ரிரிரி

ཨཱཿ ཧཱུྃ ཕཊ་ ཨོཾ

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीमद्भागवतमहापुराणम् ॥ प्रथमः स्कन्धः ॥ प्रथमोऽध्यायः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमः परमऋषये नारायणाय नरोत्तमाय च नरनारायणरूपिणे साक्षात्परमात्मने श्रीकृष्णचैतन्यदेवाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ह्रीं वाकेनाकेनापनीयुपासावहा। भुवापाकेनापनीयुपासावहा। छगाकङ्काकेनापनीयुपासावहा। श्वाग्नाय्वा
नीयुपासावहा। वागङ्गीकेनापनीयुपासा [illegible] वहा। पृथ्वागाकेना [illegible] पनीयुपासावहा। श्री [illegible]
श्रीनीयुपासावहा। वागाङ्गीस्वा वसुधावसुधारुवनीयुपासावहा। [illegible] नमोऽस्त्रीनाकुशाधनुर्बाणवरदाभीया। मुवापाकेना।
मुवावाङ्केनाकङ्कनाकुरावसावनीछुरागाकपाशापनीखेटाकाङ्कीनाकेयुपा॥ ङ्कराखेरानलाखेनाकेयुपावङ्केयाङ्गीयाङ्गी।
केयापनीनाहवनीस्यूपुवाङ्केयाङ्गीस्त्रीछाङ्गीयाङ्गुरङ्केयाङ्गीयापावङ्कीनाथुनाकुरावनीखियापावाहा। केयावीयापाशियापावालीकुरावाङ्गी
ङ्कपनाकनापाङ्गीयाङ्गनाकीस्त्रीछाङ्गीयाङ्गुनाकीङ्गीखीयाङ्गीनाकुनाकुनापा [illegible]

ॐ नमो भगवते अमोघसिद्धये तथागताय अर्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ अमोघे अमोघदर्शिनि अमोघवचने अमोघतेजसि अमोघवीर्ये अमोघसिद्धिकरि सर्वकर्मक्षयकरि सर्वदुःखक्षयकरि सर्वव्याधिक्षयकरि सर्वविषक्षयकरि सर्वग्रहक्षयकरि सर्वभूतक्षयकरि सर्वशत्रुक्षयकरि सर्वदुष्टक्षयकरि सर्वदुष्टनिवारणि सर्वदुष्टविनाशनि सर्वदुष्टप्रमथनि सर्वदुष्टविध्वंसनि सर्वदुष्टविद्रावणि सर्वदुष्टविद्वेषणि सर्वदुष्टविमर्दनि सर्वदुष्टविनाशनि सर्वदुष्टविनाशनि सर्वदुष्टविनाश

ཀྱི་ཡུལ་ལ། བཅུ་གཉིས་ཀྱི་ཚེ་ཡུལ་ལ་ཡོད་པ་ཡིན་ནོ། ། ཐུན་ཀྱི་ཚེ་ཡུལ་ཀྱི་ཚེ་ཡུལ་ལ་ཡོད་པ་ཡིན་ནོ། ། ཀྱི་ཡུལ་ལ་ཡོད་པ་ཡིན་ནོ། ། ཡོད་པ་ཡིན་ནོ། ། ཡོད་པ་ཡིན་ནོ། །

ॐ वज्रसत्त्व समयमनुपालय वज्रसत्त्वत्वेनोपतिष्ठ दृढो मे भव सुतोषो मे भव सुपोषो मे भव
सर्वसिद्धिं मे प्रयच्छ सर्वकर्मसु चित्तं श्रेयः कुरु हूं हा हा हा हो भगवन् सर्वतथागत वज्रमा
मुञ्च वज्रभवो महासमयसत्त्व आः हूं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रसत्त्व समयमनुपालय वज्रसत्त्वत्वेनोपतिष्ठ
दृढो मे भव सुतोषो मे भव सुपोषो मे भव सर्वसिद्धिं मे प्रयच्छ सर्वकर्मसु चित्तं श्रेयः कुरु हूं हा
हा हा हो भगवन् सर्वतथागत वज्रमा मुञ्च वज्रभवो महासमयसत्त्व आः हूं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रसत्त्व
समयमनुपालय वज्रसत्त्वत्वेनोपतिष्ठ दृढो मे भव सुतोषो मे भव सुपोषो मे भव सर्वसिद्धिं मे प्रयच्छ
सर्वकर्मसु चित्तं श्रेयः कुरु हूं हा हा हा हो भगवन् सर्वतथागत वज्रमा मुञ्च वज्रभवो महासमयसत्त्व
आः हूं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रसत्त्व समयमनुपालय वज्रसत्त्वत्वेनोपतिष्ठ दृढो मे भव सुतोषो मे भव
सुपोषो मे भव सर्वसिद्धिं मे प्रयच्छ सर्वकर्मसु चित्तं श्रेयः कुरु हूं हा हा हा हो भगवन् सर्वतथागत
वज्रमा मुञ्च वज्रभवो महासमयसत्त्व आः हूं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रसत्त्व समयमनुपालय वज्रसत्त्वत्वेनो
पतिष्ठ दृढो मे भव सुतोषो मे भव सुपोषो मे भव सर्वसिद्धिं मे प्रयच्छ सर्वकर्मसु चित्तं श्रेयः कुरु
हूं हा हा हा हो भगवन् सर्वतथागत वज्रमा मुञ्च वज्रभवो महासमयसत्त्व आः हूं फट् स्वाहा ॥

ཏིཔཱཡཱ་ཏུ་ཏཱ་ཡཱ་ཏི་ཡཱ་ཏི་ཡཱ་ཏི། ཨཱ་ཡཱ་ཏི་ཡཱ་ཏི། ཨཱ་ཡཱ་ཏི་ཡཱ་ཏི་ཡཱ་ཏི་ཡཱ་ཏི། ཨཱ་ཡཱ་ཏི་ཡཱ་ཏི་ཡཱ་ཏི་ཡཱ་ཏི

ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པའི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཞེས་བྱ་བ་ཐོབ་ཅིང་། ཏིང་ངེ་འཛིན་དེ་ཐོབ་པ་ན་ཡང་། ཐམས་ཅད་ཀྱི་

ঃ ৩৪৭ ঃ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ལ་སོགས་པ་བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱི་ཞབས་ཀྱི་རྡུལ་ཙམ་ཡང་མ་ཡིན་ནོ། །དེ་ལྟ་བས་ན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥

ཨཱཿ ཨཱཿ ཨཱཿ

ཀཱཾ། ཀཱཾ། ཀཱཾ།